केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर - 7

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 92 तक गिरकर 91.88 पर बंद -10

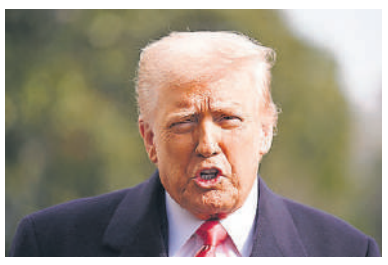

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया - 11

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश के सामने छठे दौर में अब्दुसत्तोरोव की चुनौती - 12

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.57

सूर्यास्त 05.45

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी 12:40 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 24 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 355, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पहाड़ों में भारी बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बारिश और शीतलहर ने बढ़ाई कंपकंपी

श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ानें रद्द, वैष्णो देवी यात्रा रुकी, यूपी-दिल्ली समेत कई राज्यों में बारिश

- जम्मू कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड में कई इंच बर्फबारी, उत्तर भारत में घने काले बादलों ने डाला डेरा

जम्मू/नई दिल्ली/लखनऊ/देहरादून, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के शिमला में सड़क पर बिछी बर्फ की मोटी चादर।

उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से कड़ाके की ठंड वापस लौट आई है। हिमालय के राज्यों में गुरुवार रात से ही भारी बर्फबारी जारी है वहीं, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़ और दिल्ली में बारिश व तेज हवाओं ने कंपकंपी बढ़ा दी है। कई राज्यों में काले बादलों के डेरा डालने व बारिश होने से क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे शुष्क मौसम का अंत हो गया।

जम्मू-कश्मीर के मैदानी और पहाड़ी जिलों में बर्फबारी जारी है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 4 इंच तक बर्फ जम गई है, इससे शुक्रवार को सभी फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। श्रीनगर-जम्मू हाईवे भी बंद हो गया है। डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, रामबन और उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा सहित जिलों में 2,500 मीटर से ऊपर हाई-डेंजर लेवल के एवलॉन्च की चातवनी दी है। वहीं, कटरा में बर्फबारी के कारण वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है। पश्चिमी विक्षोभ पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होती है। तापमान में गिरावट, पाला और कोल्डवेव के हालात बनते हैं। हिमाचल प्रदेश के शिमला में शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई जिसके बाद पर्यटक खुश नजर आए। कई पर्यटकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किए और इसे सर्दियों का सबसे खुशनुमा स्थान बताया। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, मनाली के पास स्थित कोठी गांव में 15 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई, जो राज्य में सबसे अधिक है। इसी प्रकार, लाहौल और स्पीति के गोंदला, कुकुमसेरी और हंसा गांवों में क्रमशः 12 सेंटीमीटर, 6.8 सेंटीमीटर और पांच सेंटीमीटर हिमपात हुआ। वहीं, उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में नए साल का पहला हिमपात हुआ। राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के ज्यादातर निचले इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में भी सुबह से बारिश हो रही है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री, औली, मसूरी, चकराता, धनोल्टी, उत्तरकाशी सहित अनेक जगहों पर हो रही बर्फबारी से सड़कें, पेड़ और मकान सब सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं।

यूपी के 15 जिलों में ओलावृष्टि की संभावना

लखनऊ। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पश्चिमी उप्र के 15 जिलों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तेज झोंकेदार हवाओं और हल्की बारिश से कई जिलों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, संभल व बदायूं में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट है। यहां हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

माघ मेले में बसंत पंचमी पर टूटा महाकुंभ का रिकॉर्ड

- देर शाम तक 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार : बसंत पंचमी की पावन बेला पर संगम तट आस्था, उल्लास और भक्ति के महासागर में डूब गया। प्रयागराज माघ मेले में स्नानार्थियों की संख्या ने इतिहास रच दिया। मेला प्रशासन के अनुसार देर शाम तक 3.56 करोड़ श्रद्धालु संगम में पुण्य स्नान कर चुके थे। इससे पहले बसंत पंचमी के अवसर पर महाकुंभ-2025 में अधिकतम 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था।

गुरुवार देर रात से ही हर-हर महादेव, जय श्रीराम और जय गंगा मैया के गगनभेदी जयघोषों के बीच पुण्य स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। अंधेरी रात से लेकर सुबह की सुनहरी धूप तक संगम की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं की अनवरत धाराएं दिखीं। कहीं दंड-कमंडल थामे साधु-संत, तो कहीं सिर पर गठरी और कंधे पर झोला डाले आम श्रद्धालु, सबका लक्ष्य एक था, संगम में आस्था की डुबकी। घाटों पर गुनगुनी धूप के बीच आस्था का अद्भुत दृश्य नजर आया।

अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी, तबीयत बिगड़ी

माघ मेला क्षेत्र में मौनी अमावस्या से धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की तबीयत शुक्रवार को बिगड़ गई। छह दिनों से खुले आसमान के नीचे लगातार धरना देने के कारण उन्हें बुखार हो गया है। शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज ने तबीयत खराब होने की पुष्टि करते हुए बताया कि डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामी जी धरना जारी है, लेकिन स्वास्थ्य को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है।

स्वामी निश्चलानंद समेत संतो ने लगाई डुबकी

पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती सहित सभी प्रमुख संतो ने संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। कल्पवासी और किन्नर अखाड़े के संतों ने बसंत पंचमी का स्नान किया। मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए कहा कि मां गंगा सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। माघ मेले में अब तक 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुठभेड़ के दौरान जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। अधिकारियों ने मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान के रूप में की और बताया कि उसके पास से एम4 स्वचालित राइफल सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

पांच आतंकी गिरफ्तार गोला-बारूद बरामद

अमृतसर। पंजाब में गणतंत्र दिवस समारोह से ठीक पहले, शुक्रवार को पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए इसके पांच गुर्गों को गिरफ्तार कर राज्य में बड़ी आतंकवादी घटना को विफल करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने आरोपियों से विस्फोटक उपकरण, हैंड ग्रेनेड और गोलाबारूद बरामद किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि पाकिस्तान की आईएसआई समर्थित आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता में, होशियारपुर पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस, जालंधर के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन में आतंकवादी माड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

देश विरोधी ताकतों के सामने न झुकने की नेताजी देते प्रेरणा : योगी

- भारत माता के सच्चे सपूत व आजादी के महानायक थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस
- 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' बना स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज भी देश विरोधी और देशद्रोही तत्वों के सामने न झुकने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी का नाम लेते ही प्रत्येक भारतीय के मन में स्वतः देशप्रेम, श्रद्धा और सम्मान की भावना जागृत हो जाती है।

मुख्यमंत्री ने उक्त बातें नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ के हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष चौक पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने नेताजी को भारत माता का सच्चा सपूत और स्वतंत्रता आंदोलन का महानायक बताते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में उनका योगदान अमूल्य और अविस्मरणीय है। उन्होंने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रहित के लिए दृढ़ संकल्प और साहस का जो उदाहरण नेताजी ने प्रस्तुत किया, वह आज भी देशवासियों के लिए मार्गदर्शक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का उद्घोष 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र बन गया था। उनके शब्दों में ऐसी शक्ति थी कि वे हर भारतीय के हृदय में जोश और त्याग की भावना भर देते थे। उनका 'दिल्ली चलो' का नारा आजादी के संघर्ष को नई ऊर्जा देता था। इसी तरह 'कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा' जैसे गीत आज भी भारतीय सेना के दीक्षांत समारोहों में पूरे गौरव के साथ गाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई भारतीय नहीं होगा, जिसके मन में नेताजी के प्रति श्रद्धा और सम्मान न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नेताजी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी।

चित्रकूट में कपड़ा व्यापारी के बेटे का अपहरण कर हत्या, एक आरोपी ढेर

संवाददाता, बरगढ़(चित्रकूट)

आयुष (फाइल फोटो)

- आरोपियों ने शव को बक्से में रखकर कमरे की टांड़ में चुनवा दिया

अमृत विचार : कस्बे के एक कपड़ा व्यापारी के 13 वर्षीय बेटे का गुरुवार शाम अपहरण कर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने बच्चे का शव बक्से में बंद कर टांड़ पर रखकर दीवार चुनवा दी और इसके बाद उसके पिता को फोनकर 40 लाख की फिरौती मांगी।

पुलिस ने फोन नंबर के आधार पर कपड़ा व्यापारी की दुकान के पास ही संदूक की दुकान चलाने वाले दुकानदार और उसके नौकर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के लिए ले जाते समय आरोपियों ने पुलिस कर्मियों से असलहे छीनकर फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। जवाबी फायरिंग में गोली लगने से एक आरोपी की मौत हो गई और दूसरा घायल है। डीआईजी राजेश एस, जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने मौके पर पहुंच कर उनको समझाया।

कस्बे के कपड़ा व्यापारी अशोक कुमार केशरवानी का बेटा आयुष उर्फ छोटू (13) गुरुवार शाम कोचिंग के लिए निकला था। इसके बाद वह घर न जाकर बरगढ़ बाजार स्थित अपने चाचा की दुकान में रुक गया। पास में उसके पिता की भी दुकान है। पुलिस ने बताया कि वहीं से पास की इरफान अंसारी की संदूक दुकान का नौकर कल्लू उर्फ साहिबे इमान उसे बाइक सिखाने के बहाने ले गया। जब देर तक आयुष नहीं लौटा तो घरवालों को चिंता हुई। इसी दौरान आरोपियों ने अशोक के घर में 40 लाख की फिरौती के लिए फोन कर दिया। घबराए व्यापारी अशोक ने पुलिस को सूचना दी। इस पर मोबाइल नंबर को ट्रेस कर पुलिस आधी रात के बाद आरोपी इरफान अंसारी निवासी जिला प्रयागराज तक पहुंची। पूछताछ में इरफान ने कुबूला कि उसने अपने नौकर कल्लू उर्फ साहिबे इमान के साथ मिलकर आयुष को गला घोंटकर मार डाला है।

विकसित उत्तराखंड के विजन से बनेगा पूर्ण विकसित भारत

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी साकार हो सकता है जब देश का प्रत्येक राज्य समान रूप से विकसित हो। इसके लिए उत्तराखंड को भी अपने संसाधनों, क्षमताओं और विशिष्टताओं के अनुरूप विकास की एक स्पष्ट और दीर्घकालिक दिशा तय करनी होगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सिविल सर्विसेस इंस्टीट्यूट में आयोजित चिन्तन शिविर एवं डायलॉग ऑन विजन 2047 में राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित किया। कहा कि, इस दो दिवसीय शिविर के माध्यम से पीएम मोदी के संकल्प के अनुसार वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ठोस, व्यवहारिक और समयबद्ध रणनीति तैयार की जाएगी। इस दौरान उत्तराखंड के समग्र विकास से जुड़े सभी प्रमुख क्षेत्रों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा जिससे राज्य के भविष्य के लिए एक स्पष्ट व समयबद्ध दिशा निर्धारित की जा सकेगी। इस विजन की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें विकास को केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे मानव केंद्रित, समावेशी और सतत बनाया गया है।

23 अप्रैल को खुलेंगे भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट

देहरादून। उत्तराखंड की आस्था का शिखर कहे जाने वाले भगवान बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि की शुक्रवार को विधिवत घोषणा कर दी गई। वसंत पंचमी के पावन अवसर पर टिहरी के नरेंद्र नगर राजदरबार में शास्त्रोक्त परंपराओं के अनुरूप पंचांग गणना के बाद इस यात्रा वर्ष बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल (गुरुवार) को प्रातः 6:15 बजे शुभ मुहूर्त में खोलने का फैसला लिया गया। तेल कलश गाडू घड़ा यात्रा 7 अप्रैल से शुरू होगी। राजदरबार में जैसे ही तिथि की घोषणा हुई, पूरा वातावरण 'जय बद्री विशाल' के उद्घोष से गूंज उठा।

कफ सिरप तस्कर की 28.50 करोड़ की संपत्ति कुर्क

सोनभद्र, एजेंसी

- सोनभद्र पुलिस ने अवैध कारोबार मामले में की कार्रवाई

कोडीन युक्त कफ सिरप की जांच कर रही सोनभद्र पुलिस की एसआईटी टीम ने मुख्य अभियुक्त भोला प्रसाद की अपराध जगत से अर्जित की गई 28.50 करोड़ की संपत्ति दी है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि भोला प्रसाद के खिलाफ राबर्ट्सगंज कोतवाली में एनडीपीएस व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इस मामले की जांच एसआईटी द्वारा की जा रही है। भोला प्रसाद को कुछ दिन पहले विदेश पलायन के प्रयास के दौरान दमदम एयरपोर्ट, कोलकाता से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार सोनभद्र में निरुद्ध किया गया है। उन्होने बताया कि उक्त संपत्तियों को चिन्हित करते हुए धारा 107 बीएनएसएस के अंतर्गत कुर्की के लिए न्यायालय में रिपोर्ट प्रेषित की गई थी। न्यायालय द्वारा पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर 22 जनवरी को अभियुक्त की अपराध से अर्जित चल-अचल संपत्तियों को कुर्क किए जाने का आदेश पारित किया गया।

गौरतलब है कि सोनभद्र पुलिस ने कोलकाता से सरगना शुभम जायसवाल के पिता भोला जायसवाल को गिरफ्तार किया था।

14 करोड़ रुपये की ठगी में कंपनी निदेशक गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

आरोपी शैलेश कुमार।

- निवेशकों को कूटरचित बांड थमाकर कराया था फर्जी निवेश
- आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन की टीम ने दबोचा

अमृत विचार : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में आरोपी कंपनी निदेशक शैलेश कुमार उपाध्याय को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गुरुवार को गोरखपुर से पकड़ा। आरोपी पर निवेशकों को कूटरचित बांड और रसीदें देकर धोखाधड़ी करने का आरोप है।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के अनुसार, मेसर्स पीयर्स एलाइड कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरओसी दिल्ली एवं हरियाणा से पंजीकृत) के सीएमडी दुर्गा प्रसाद दूबे, अन्य निदेशकों और कर्मचारियों ने बिना आरबीआई से एनबीएफसी के रूप में पंजीकरण कराए ही बिजनौर समेत कई जनपदों में कंपनी की शाखाएं खोल दी थीं। आरोपियों ने आरडी (आईबीपी) और एफडी (एसआईपी) जैसी योजनाओं के जरिए कम समय में निवेश की रकम दो से तीन गुना करने का लालच देकर लोगों से पैसा जमा कराया। जांच में सामने आया कि बिजनौर में कंपनी निदेशकों ने निवेशकों को फर्जी बांड और रसीदें थमाईं और उनके निवेशित धन का आपराधिक दुर्विनियोग कर लिया। करीब 14 करोड़ की ठगी के बाद कंपनी का कार्यालय बंद कर आरोपी फरार हो गए थे। आलमबाग थाने में 2017 में एफआईआर दर्ज की गई। जांच के बाद शासन ने मामले को ईओडब्ल्यू को ट्रांसफर कर दिया। विवेचना में 13 अभियुक्त दोषी पाए गए हैं। इस प्रकरण में शेष आठ अभियुक्तों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

मॉक ड्रिल | लखनऊ पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री के समक्ष सायरन, अंधेरा और रेस्क्यू ऑपरेशन

74 जिलों में अचानक छाया अंधेरा, युद्ध जैसी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बरेली कलेक्ट्रेट परिसर : मॉक ड्रिल के दौरान घर में लगी आग के बाद राहत कार्य में जुटे कर्मी।

अमृत विचार : प्रदेश में नागरिक सुरक्षा और आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए शुक्रवार शाम 74 जिलों में व्यापक ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल आयोजित की गई। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस लाइन में मौजूद रहे और पूरे अभ्यास की निगरानी की। सायरन बजते ही तय समय पर लाइटें बंद कर दी गईं और कुछ ही पलों में शहर अंधेरे में डूब गया।

लखनऊ में पुलिस लाइन परिसर में रेस्क्यू ऑपरेशन, घायलों को सुरक्षित निकालने और त्वरित चिकित्सा सहायता का अभ्यास किया गया। बरेली में ब्लैकआउट के दौरान सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने ऊंची इमारतों से फंसे लोगों को निकालने का अभ्यास किया। कानपुर और कानपुर क्षेत्र के अन्य जिलों में धमाके जैसी आवाज के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लेटने और अंधेरे में अनुशासन बनाए रखने का अभ्यास कराया गया। अयोध्या में धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आपात स्थिति से निपटने की मॉक ड्रिल की गई, जहां त्वरित निकासी और सुरक्षा घेरा बनाने पर जोर रहा। वहीं मुरादाबाद में घायल नागरिकों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने और अस्पतालों की इमरजेंसी तैयारियों की जांच की गई।

टीमें पूरी तरह रहीं सक्रिय, माघ मेले के कारण प्रयागराज में नहीं कराया गया ब्लैकआउट

इस मॉक ड्रिल में पुलिस, सिविल डिफेंस, एनडीआरएफ, होमगार्ड, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमें पूरी तरह सक्रिय रहीं। विभिन्न एजेंसियों के समन्वय, रिस्पॉन्स टाइम और संसाधनों के उपयोग की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने फीडबैक लेकर टीमों की तत्परता की सराहना की। शासन के अनुसार ब्लैकआउट का उद्देश्य हवाई हमले या अन्य आपात स्थितियों में शहरों की लोकेशन छिपाने और नागरिकों को अनुशासित रहने का अभ्यास कराना है। माघ मेले के कारण प्रयागराज में ब्लैकआउट नहीं कराया गया। यह अभ्यास नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 24 जनवरी 2026

लिया हालचाल...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मेदांता अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती महंत नृत्य गोपाल दास का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। साथ ही उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

साहब! इन तड़पते बेजुबानों पर भी कर लें नजरें इनायत

नगर और ग्रामीण क्षेत्र में पशुओं की उपचार सेवा रात्रि में उपलब्ध नहीं, हो जाती मौत

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : साहब! सड़कों पर घायल, रोते और कराहते इन बेजुबानों पर भी नजरें इनायत कर लें। जो बोल नहीं सकते पर हम आप इनका दर्द महसूस कर सकते हैं। इनके लिए रात में उपचार और संरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ज्यादा तकलीफ हड्डी टूटने, खून बहने और पेट में बच्चा फंसा होने पर होती है। इन्हें रात में न प्राथमिक उपचार मिलता न ही सर्जरी की व्यवस्था है। इसके लिए बरेली, मेरठ, वाराणसी और आगरा भेजना बताया जाता है। जब निराश्रितों के लिए जिलों में सरकारी व्यवस्था नहीं तो आम आदमी इन्हें दूर-दराज अपने खर्च पर क्यों ले जाए।

- **दोपहर ढाई बजे बंद हो जाते अस्पताल इमरजेंसी में नाम की जिम्मेदारी**

नगर हो या ग्रामीण दोपहर 2:50 बजे के बाद पशु चिकित्सालय बंद हो जाते हैं। चिकित्सक नॉन प्रैक्टिस एलाउंस के आदेश का हवाला देकर इमरजेंसी सेवा नहीं देते हैं। मुख्यालय छोड़कर चले जाते हैं और रात में फोन नहीं उठाते हैं। अस्पतालों पर गंभीर रोग का इलाज, जांच और सर्जरी की व्यवस्था नहीं है। सर्जन न के बराबर हैं तो अन्य चिकित्सक भी कम हैं। 1962 सेवा दिन में तत्काल नहीं मिलती। शाम को संचालन बंद हो जाता है। पशुपालन विभाग तकनीक नहीं, बल्कि विकास अंतर्गत आता है। इसलिए मानव की तरह सेवाएं नहीं हैं। सिर, सिंग, मुंह व गर्दन कसी रस्सी या तार से बंधे क्रूरता के शिकार गोवंश घाव व कीड़े से तड़पते रहते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए नगर निगम को छोड़ बाकी संसाधनों का रोना रोते हैं। तो कई जिलाधिकारी और पशुपालन के अधिकारी ऐसे हैं, जो इन्हीं संसाधनों से काम चलाकर पशुओं को तत्काल राहत पहुंचाते हैं।

प्रयागराज में गाय के पेट में फंसा रहा बच्चा, मौत

केस-1

21 जनवरी को ग्राम बारा खास में निराश्रित गाय के पेट में बच्चा फंसा होने की सूचना पर संबंधित चिकित्सक मौके पर पहुंचे। टीम ने प्रयास किए, लेकिन बच्चा नहीं निकाल पाए। जिले स्तर पर सर्जरी की व्यवस्था नहीं थी। हालत बिगड़ने पर दूसरे दिन रात में डीएम के निर्देश पर टीम पहुंची। प्राथमिक उपचार दिया पर सर्जरी की व्यवस्था नहीं हो पाई। कुछ देर बाद मौत हो गई।

प्रयागराज में गाय के पेट में फंसा बच्चा निकालती टीम।

लखनऊ में गोवंश को नहीं मिला उपचार, मौत

केस-2

28 दिसंबर की रात करीब एक बजे लखनऊ के बलिंगटन में हादसे में घायल गोवंश तड़पता रहा। बराबर खून बहा। राहगीर करीब 45 मिनट तक नगर निगम और पशुपालन विभाग को फोन मिलाते रहे, लेकिन नहीं उठे। डीएम आवास पर भी जानकारी दी। रात ने उपचार सेवा न होने की वजह से कोई नहीं पहुंचा और कुछ देर बाद मौत हो गई।

लखनऊ में हादसे में घायल गोवंश।

घायल सांड़ को डीएम पीलीभीत ने दिलाई राहत

केस-3

पीलीभीत के गांव नारायनपुर में आंख के पास धारदार हथियार से घायल और गर्दन में कसी रस्सी से घाव व खून से लथपथ सांड़ का संसाधनों के अभाव में ग्रामीण स्तर से रेस्क्यू नहीं हो पाया। बराबर आनाकानी की। डीएम को जैसे ही सूचना मिली तो सीवीओ को निर्देशित करके 13 दिसंबर को नगर पालिका की टीम लगा दी। सांड़ को पकड़कर गोशाला भेजा गया और रस्सी काटकर उपचार किया गया।

पीलीभीत में घायल सांड़।

उन्नाव में नंदी का जबड़ा चीर रही रस्सी

केस-4

उन्नाव के मियागंज ब्लॉक अंतर्गत राजबाग में क्रूरता से एक नंदी के मुंह में बांधी गई रस्सी खाल चीरते अंदर घुस गई। ब्लॉक व पंचायत को जानकारी हुई तो संसाधनों का अभाव बताया। अफसरों ने निर्देशित किया तो टीमें बनी लेकिन पकड़ने का प्रयास किया तो विफल हो गए। इसके बाद प्रयास ही नहीं किया, न ही जिम्मेदारों ने दर्द से कराह रहे नंदी की सुध ली।

उन्नाव में नंदी के जबड़े में बंधी रस्सी और घाव।

एक जनपद-एक व्यंजन योजना की घोषणा आज

अमृत विचार, लखनऊ : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने बताया कि यूपी दिवस के अवसर पर ओडीओपी की तर्ज पर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन क्यूजीन (ओडीओसी)' की घोषणा की जाएगी। एक जनपद-एक व्यंजन योजना से स्थानीय परंपराओं को पहचान और बाजार मिलेगा। उन्होंने बताया कि वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना ने स्थानीय उत्पादों, कारीगरों और उद्यमियों को नई पहचान दी है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री शुक्रवार को स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड एक्सपो (यूपीआईटीईएक्स-2026) के चौथे संस्करण की शुरुआत करने के बाद बोल रहे थे।

न्यूज ब्रीफ

12 मृतक आश्रितों को सौंपे नियुक्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने 12 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत नियुक्ति पत्र सौंपे। कैबिनेट मंत्री ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली-1974 (संशोधित 2025) के तहत यह नियुक्तियां की जा रही हैं। वर्ष 2025 में अब तक 40 आश्रितों को अनुकंपा आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।नियुक्ति पाने वालों में विभिन्न जिलों के आश्रित शामिल हैं। इनमें नौ को कनिष्ठ सहायक और तीन को चतुर्थ श्रेणी पद पर नियुक्ति दी गई है। बस्ती, पीलीभीत, बरेली, सिद्धार्थनगर, बलिया, लखनऊ, बिजनौर, अंबेडकरनगर, जौनपुर और चंदौली जनपदों के दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

18 मंडलों के 1244 युवाओं ने दिखाया हुनर

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स कंपटीशन–2026 के तहत लखनऊ में तीन चरणों में संपन्न हुई। राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 मंडलों से कुल 1244 युवाओं ने भाग लिया। इसमें 12 -13 जनवरी को आयोजित प्रथम चरण में 464 युवाओं ने भागीदारी की। इसके बाद 13 जनवरी को मुख्य प्रतियोगिताओं में 451 प्रतिभागियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन टेक्नोलॉजी, सीएनसी टर्निंग, वेल्डिंग, सीएनसी मिलिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सहित छह स्किल्स में प्रदर्शन किया। यह जानकारी देते हुए निदेशक कौशल विकास मिशन पुलकित खरे ने शुक्रवार को बताया कि प्रत्येक स्किल से दो श्रेष्ठ प्रतिभाओं का चयन कर इंडिया स्किल्स के अगले चरण में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि 19- 20 जनवरी को आयोजित द्वितीय चरण में 391 युवाओं ने ऑटोमोबाइल, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, वेब टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट जैसे उन्नत कौशलों में प्रतिस्पर्धा की।

एसआईआर में धांधली करना चाहती भाजपा

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा एसआईआर में धांधली करना चाहती है। एसआईआर ही एनआरसी है। लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी है। सपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं को सावधान रहना है। सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आये हुए कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि जगत गुरू शंकराचार्य को मानने वाला हर व्यक्ति आज दु:खी है और उनके साथ-साथ सनातन के अपमान के लिए भी उसकी भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं। चाहे प्रयागराज में 'संतों-साधुओं-महात्माओं' के अपमान का मामला हो या काशी में पूज्य अहिल्या देवी होल्कर जी की धरोहर के अपमानजनक ध्वस्तीकरण का, ये सब 'सनातनी परंपरा' को खत्म करने की भाजपाई संगी-साथियों की गहरी साजिश है। वहीं उन्होंने विभिन्न जिलों से आए उलमाओं से भी मुलाकात की।

बिजली चोरी डिफॉल्टर भी अब ले सकेंगे ओटीएस योजना का लाभ

उपभोक्ता अब रेड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ले सकते हैं योजना का लाभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मध्यांचल निगम के एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को लाभ वह उपभोक्ता भी उठा सकेंगे, जो वर्ष-2023 में बिजली चोरी में पकड़े जाने के बाद डिफॉल्टर श्रेणी में आ गए थे। ऐसे उपभोक्ता अब रेड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। अब तक मध्यांचल डिस्कॉम में 11,077 उपभोक्ता पूरा भुगतान कर लगभग 23.33 करोड़ रुपये की छूट का लाभ ले चुके हैं, इनमें सर्वाधिक 2,446 उपभोक्ता अयोध्या क्षेत्र से हैं। वहीं बिजली चोरी से संबंधित मामलों में 15,663 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जिसके सापेक्ष 32.53 करोड़ रुपये के असेसमेंट पर 5.87 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

ओटीएस योजना के अंतर्गत

अब तक कुल 11,98,407 उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है और 1,147.64 करोड़ रुपये की राजस्व वसूली की जा चुकी है। वहीं शुक्रवार को 4.69 करोड़ रुपये की वसूली दर्ज की गई है। राजधानी में भी योजना को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। अमौसी क्षेत्र में 12,049 उपभोक्ताओं से 17.74 करोड़, जानकीपुरम में 1,922 उपभोक्ताओं से 3.54 करोड़, लखनऊ मध्य क्षेत्र में 1,230 उपभोक्ताओं से 2.30 करोड़ तथा गोमतीनगर क्षेत्र में 646 उपभोक्ताओं से 1.38 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। इसके अलावा योजना के माध्यम से अन्य जिलों जिसमें बरेली क्षेत्र से 288.92 करोड़, अयोध्या से 317.35 करोड़, सीतापुर से 210.64 करोड़, देवीपाटन से 185.70 करोड़ तथा रायबरेली क्षेत्र से 119.67 करोड़ रुपये की वसूली की गई।

घूस की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री ने लाइनमैन को किया बर्खास्त, जेई निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने घूसखोरी की शिकायत सामने आने पर कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश पर एक लाइनमैन की सेवा समाप्त कर दी गई, जबकि एक कनिष्ठ अभियंता (जेई) को निलंबित किया गया है। साथ ही एसडीओ और अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ऊर्जा मंत्री शुक्रवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर आयोजित जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा के नौगांव सादात निवासी मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगे जाने और जानबूझकर कार्य में टालमटोल करने की शिकायत समक्ष रखी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। सख्त निर्देश मिलते ही प्रबंध निदेशक ने बिना विलंब किए कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया, जबकि लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके अलावा एसडीओ रितेश प्रसाद और अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के तहत स्पष्टीकरण जारी किया गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

10 प्रमुख फसलों के एमएसपी की संस्तुति केंद्र को भेजने के निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में शुक्रवार को विधानभवन स्थित कक्ष में खरीफ (2026-27) की प्रमुख फसलों के मूल्यों की संस्तुति के लिए मूल्य परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में धान ग्रेड-ए, धान सामान्य, ज्वार, मक्का, उड़द, अरहर, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन और तिल जैसी 10 प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कृषि मंत्री ने सभी फसलों के लिए प्रस्तावित मूल्यों की संस्तुति तैयार कर भारत सरकार को भेजने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा समेत प्रमुख सचिव रविंद्र, अजय कुमार शुक्ला, सचिव इन्द्र विक्रम सिंह, निदेशक कृषि पंकज त्रिपाठी मौजूद रहे।

लापरवाह उर्वरक कंपनियों पर होगी एफआईआर: शाही

कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जेपीएस राठौर।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उर्वरकों की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाली कंपनियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत आपूर्ति न करने वाली उर्वरक कंपनियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए।

विधानसभा स्थित समिति कक्ष में शुक्रवार को संपन्न समीक्षा बैठक में कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में प्रदेश को प्रतिदिन औसतन 12 से 13 यूरिया रैक प्राप्त हो रही हैं। 1 अक्टूबर 2025 से अब तक लगभग 1.02 करोड़ किसानों ने पीओएस मशीनों के माध्यम से 50.93 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त किया है। प्रदेश में इस समय 7.23 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.35 लाख मीट्रिक टन डीएपी और 3.69 लाख मीट्रिक टन एनपीके उपलब्ध है।

सहकारिता क्षेत्र में 2.07 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 1.79 लाख मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक मौजूद है, जबकि निजी बिक्री केंद्रों पर भी पर्याप्त भंडार है। मंडलवार समीक्षा में बरेली, मुरादाबाद, वाराणसी और गोरखपुर मंडलों में उर्वरकों की स्थिति संतोषजनक पाई गई।

सीएम युवा योजना के तहत कर्ज देने में जौनपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **यूपी दिवस पर आज मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित आजमगढ़ दूसरे व हरदोई तीसरे स्थान पर**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना के क्रियान्वयन में शत-प्रतिशत से अधिक लाभ देकर जौनपुर पूरे प्रदेश में अव्वल रहा है। यूपी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। योजना के तहत दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर हरदोई रहा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सरकार ने डेढ़ लाख युवाओं को लोन वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक 1,03,353 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

जौनपुर जिले ने इस योजना के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह के अनुसार जिले को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,500 युवाओं को लोन वितरण का लक्ष्य दिया गया था। इसके सापेक्ष 8,240 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 7,033 आवेदन बैंकों को भेजे गए। अब तक 3,315 युवाओं को लोन वितरित किया जा चुका है। इस तरह जौनपुर ने लक्ष्य के सापेक्ष 132 प्रतिशत से अधिक लोन वितरण कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा अंबेडकरनगर चौथे और झांसी पांचवें स्थान पर रहे। कौशांबी, बहराइच, रायबरेली और महराजगंज का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा।

14 लखपति दीदी को सम्मानित कर दिल्ली किया रवाना

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी 14 'लखपति दीदियों' को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर शुक्रवार को गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना होने वाली बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि 'लखपति महिला योजना' के तहत 33 लाख से अधिक महिलाओं का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से 18 लाख से अधिक महिलाएं लखपति श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। दिल्ली जाने वाली लखपति दीदियों में विभिन्न जिलों की महिलाएं शामिल हैं, जो ई-रिक्शा संचालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, कैफे संचालन, कृषि, सौंदर्य प्रसाधन और खाद्य उत्पादों जैसे विविध उद्यमों से जुड़ी हैं।

अपने सरकारी आवास पर लखपति दीदियों को सम्मानित करने के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या।

तैयारी

विधानसभा चुनाव से पहले गुटबाजी पर लगाम लगाने को जिला स्तर पर निगरानी और समन्वय की दी गई जिम्मेदारी

भाजपा ने यूपी के 84 संगठनात्मक जिलों में नियुक्त किए पर्यवेक्षक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सत्तारूढ़ भाजपा ने जमीनी स्तर पर अपनी रणनीति को स्पष्ट करते हुए संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश के 84 संगठनात्मक जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। संगठन के नए मुखिया का यह फैसला जिला स्तर पर निगरानी और समन्वय की जिम्मेदारी के साथ विधानसभा चुनाव से पहले संगठन पर फोकस करते हुए गुटबाजी पर लगाम लगाने की तैयारी है।

पिछले महीने पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद यह

पहला बड़ा संगठनात्मक निर्णय माना जा रहा है। जिन 84 संगठनात्मक जिलों में हाल ही में नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए गए थे, वहां अब पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इनकी भूमिका केवल रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं होगी। उन्हें जिला संगठन, जनप्रतिनिधियों और पार्टी के विभिन्न मोर्चों के बीच समन्वय स्थापित करने, गुटबाजी पर नियंत्रण रखने और नेतृत्व की रणनीति को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी दी गई है।

संगठन में फीडबैक आधारित मॉडल

पंकज चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश संगठन तेजी से फीडबैक-आधारित मॉडल पर काम कर रहा है। वे लगातार जिलों और क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, स्थानीय नेताओं से सीधे संवाद कर रहे हैं और संगठन की नब्ज टटोल रहे हैं।

सभी वर्गों में संतुलन साधने की दिखाई दे रही कोशिश

इस संगठनात्मक कवायद के समानांतर भाजपा के भीतर सामाजिक समीकरण भी केंद्र में हैं। ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य, भूमिहार, ओबीसी और दलित सभी वर्गों में संतुलन साधने की कोशिश साफ दिखाई देती है। आंकड़े बताते हैं कि संगठन और सरकार, दोनों में ब्राह्मण और ठाकुर प्रतिनिधित्व लगभग संतुलित है, जबकि वास्तविक संगठनात्मक प्रभुत्व ओबीसी नेतृत्व के हाथों में है।

दलित राजनीति पर बड़ा फोकस

दलित राजनीति भाजपा के लिए अगला बड़ा फोकस बनती दिख रही है। संगठन और मंत्रिपरिषद में दलित प्रतिनिधित्व बढ़ाने के साथ-साथ, गैर-जाटव दलितों और पहली बार वोट देने वालों तक पहुंच बढ़ाने पर रणनीतिक काम हो रहा है। इसके साथ ही महिलाएं पार्टी की दूसरी बड़ी प्राथमिकता हैं। उज्ज्वला, आवास और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं से बने माहौल को संगठनात्मक ताकत में बदलने के लिए जिला-मंडल स्तर पर महिला नेतृत्व को आगे लाने की तैयारी है।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में सीटों का 62 से घटकर 33 रह जाना केवल राष्ट्रीय मुद्दों का असर नहीं था। इसके पीछे संगठनात्मक शिथिलता, मतदाता संपर्क की कमजोरी और सामाजिक संदेश की अस्पष्टता भी अहम कारण रहे। इसी अनुभव के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद पर्यवेक्षकों को जिलों में भेजने की योजना बनाई गई। मतदाता सूचियों में नामों की कमी, खासकर पारंपरिक समर्थक वर्गों में, पार्टी के लिए चेतावनी की तरह देखी गई। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कानपुर और मुरादाबाद जैसे जिलों में संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच खींचतान लंबे समय से सामने आती रही है। पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया जा रहा है कि यदि इन अंतर्विरोधों को समय रहते नहीं सुलझाया गया, तो चुनावी नुकसान तय है। पर्यवेक्षक व्यवस्था को इन्हीं कमजोर कड़ियों को जोड़ने के औजार के रूप में देखा जा रहा है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देगा औरैया मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : औरैया जिले ने आवासीय सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल करते हुए प्रदेश के लिए मॉडल प्रस्तुत किया है। औरैया जिले में अब नए आवासीय भवनों के नक्शे पास कराने के लिए सोलर रूफटॉप सिस्टम और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य कर दिया गया है। इसे सरकार ग्रीन एनर्जी और सतत विकास की दिशा में अन्य जिलों में लागू करने की तैयारी में है। निर्णय का उद्देश्य केवल बिजली बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण को भी मजबूती देना है। नई व्यवस्था के तहत नगर पालिका, नगर पंचायत और नगर निगम स्तर पर बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर इसे लागू किया जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

अमृत विचार, माल : इलाके के गोपरा मऊ इलाके में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार सुशील (35) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक सुशील सीतापुर के मानपुर स्थित लीला पूर्वा कटिया उलारा का रहने वाला था। वह बाइक से पेट्रोल डलवाने जा रहा था। इसी दौरान गोपरा मऊ के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर और अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि मृतक गोपरा मऊ क्षेत्र में स्थित एक आटा चक्की पर काम करता था। पुलिस के मुताबिक हादसे में शामिल अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है।

शिव शक्ति सेवा संस्थान समिति ने ली शपथ

अमृत विचार, लखनऊ : जानकीपुरम स्थित वशिष्ठ पुरम में शिव शक्ति सेवा संस्थान समिति का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। संयुक्त उद्योग व्यापार के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने लक्ष्मी रस्तोगी को अध्यक्ष, प्रिया शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पुष्पा पांडेय को उपाध्यक्ष, गीता दुबे को महासचिव, मंजू श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष, निशा अग्रवाल को संगठन मंत्री, रतनलाल खरे को संयुक्त मंत्री, निधि ठाकुर एवं शीला शर्मा को सदस्य, उषा राय को मीडिया प्रभारी तथा ओम प्रकाश पांडे को कोषाध्यक्ष सलाहकार पद की शपथ दिलाई। आनंद शुक्ला को उपसचिव, विष्णु कुमार मिश्रा को वरिष्ठ सलाहकार, शैलजा मिश्रा, सुमन उपाध्याय, सुमन विश्वकर्मा, अल्पना मिश्र, सरोज सिंह, मिथिलेश सिंह, मालती, नीलिमा शुक्ला, भारती शर्मा, शकुंतला देवी और किरण मिश्रा को समिति में जिम्मेदारी सौंपी गई।

स्वच्छ वायु के प्रति किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : चिंतन एनवायरनमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप ने जीएमयू के पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर विभाग के सेमिनार हॉल में स्वच्छ वायु के अधिकार विषय पर जागरूकता कार्यक्रम किया। इसमें लोगों को स्वच्छ वायु के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में इस प्रकार के जागरूकता सत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि आमजन को स्वच्छ वायु के महत्व और उससे जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके। रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर विभाग के अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश ने भी विचार रखे।

पूर्व मंत्री का तलवार भेंट कर किया स्वागत

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्व मंत्री पवन पांडे और पूर्व विधायक विनय शंकर शुक्रवार को राजधानी पहुंचे। उनके प्रथम आगमन पर शहर में जगह-जगह लोगों ने स्वागत किया। पंजाबी-सिख समाज ने भी स्वागत किया। चुनरी पहनाई और तलवार-सिरोपा भेंट की। इस दौरान पवन पांडे और विनय शंकर ने एकता पर जोर दिया। संकट में हमेशा मदद करने का आश्वासन दिया। इस दौरान पवन मनोचा समेत आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ईंट से कूचकर युवक की हत्या, नहर किनारे फेंका शव

नगराम के सेल्हूमऊ गुलालखेड़ा गांव की घटना, मां की तहरीर पर पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, कई हिरासत में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः नगराम थाना क्षेत्र के सेल्हूमऊ गुलालखेड़ा गांव में नहर किनारे झाड़ियों में शुक्रवार सुबह युवक का शव मिला। उसका चेहरा और सिर ईंट से कूचा गया था। पास ही खून से सनी ईंट भी पड़ी मिली।

ओमप्रकाश रावत (23) की ईंट से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार सुबह उसका शव गांव के बाहर शाहदा नहर के किनारे झाड़ियों में खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने मौके पर जांच की और फॉरेंसिक टीम ने भी छानबीन की। मां की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

मृतक ओमप्रकाश

सेल्हूमऊ गुलालखेड़ा गांव निवासी ओमप्रकाश रावत (23) प्राइवेट नौकरी करता था। गुरुवार देर शाम करीब 8 बजे वह घर से निकला था। देर तक न लौटने पर परिवारवालों ने खोजबीन की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह इंदिरा नहर के दूसरी पटरी किनारे ढलान पर पतवार के बीच ओमप्रकाश का खून से लथपथ शव मिला। उसका चेहरा और सिर पर ईंट से कूचा गया था। पास में खून से सनी ईंट पड़ी थी।

शव मिलने वाले स्थान पर जांच करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

हत्या की खबर फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर एसओ नगराम विवेक चौधरी, एसीपी मोहनलालगंज विकास कुमार पांडेय और एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने जांच पड़ताल की। मृतक की मां गीता, भाई फूलचंद्र, धर्मराज और बहन कोमल ने शव की शिनाख्त की। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मां की तहरीर पर गांव के मुन्नू, मोनू, आशीष गौतम, पवन और अंडा रोड लगाने वाले अरविंद कुमार के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने देर शाम कई संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।

अंडा रोल दुकान पर हुआ था विवाद और मारपीट

- स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार रात करीब आठ बजे ओम प्रकाश नहर पटरी किनारे अरविंद की अंडा रोड की दुकान पर खड़ा था। वहां कुछ लोगों के साथ शराब पी रहा था। नशेबाजी के दौरान विवाद हुआ था। दिन शुक्रवार को नहर पटरी किनारे उसका शव मिला। आशंका है कि विवाद के बाद हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका गया है।

6 फरवरी को बहन की शादी, खुशियां मातम में बदलीं

- ओम प्रकाश के परिवार में मां गीता देवी, भाई फूलचंद्र, धर्मराज और बहन कोमल हैं। कोमल की शादी तय है। 6 फरवरी को उसकी बारात आनी है। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। इस बीच ओम प्रकाश की हत्या से शादी की खुशियां अब मातम में बदल गईं। गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल है। ओम प्रकाश के पिता राम हरख की करीब डेढ़ साल पहले मौत हो चुकी है।

मायके से नहीं आई पत्नी तो फंदा लगा दे दी जान

अमृत विचार, माल : माल कस्बे के भीमटोला निवासी मिथलेश (25) निजी चालक था। करीब दो हफ्ते पहले किसी बात पर नाराज होकर पत्नी मोनिका मायके राजगढ़ चली गयी थी। शुक्रवार सुबह मिथलेश ससुराल पत्नी को वापस ले जाने के लिए पहुंचा, लेकिन उसने जाने से इंकार कर दिया। इसपर वह पास घर लौट आया। घर आने के बाद मिथलेश ने कमरे में दुपट्टे से फंदा लगा लिया। मां ने करीब तीन बजे बेटे को लटका देखा तो शोर मचाया। परिवारवालों ने उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची माल पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

केंद्रीय गृह गृहमंत्री आज शहर में, सुरक्षा चाक-चौबंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राष्ट्र प्रेरणा स्थल में यूपी स्थापना दिवस पर कार्यक्रम में शामिल होंगे अमित शाह
- प्रेरणा स्थल और कार्यक्रम स्थल को छह सुपर जोन, नौ जोन और 27 सेक्टर में बांटा गया

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। तीन दिवसीय कार्यक्रम की सुरक्षा में पांच हजार से अधिक पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। प्रेरणा स्थल और कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा छह सुपर जोन, नौ जोन और 27 सेक्टर में बांटा गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। अत्याधुनिक कैमरों से 24 घंटे संदिग्धों की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट हैं। पुलिस कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार, पुलिस उपायुक्त पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव और समेत अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर सुरक्षा का ब्लूप्रिंट तैयार किया। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य प्रमुख लोग भी शामिल होंगे। जेसीपी ने बताया कि संदिग्धों पर सीसी कैमरों और अन्य तरीकों से नजर रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए नौ पुलिस टीम बनाई गई हैं। आठ आठ घंटे की ड्यूटी तीन शिफ्टों में लगाई गई है। सोशल मीडिया पर किसी ने गलत पोस्ट की। अथवा माहौल बिगाड़ने की कोशिश की तो तत्काल उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

सुरक्षा में तैनात पुलिस बल

- सुरक्षा के लिए फील्ड में 3035 पुलिस कर्मियों को लगाया जा रहा है। पीएसी पांच कंपनी, एक कंपनी आरएएफ, छह पुलिस उपायुक्त, नौ अपर पुलिस उपायुक्त, 29 एसीपी, 101 इंस्पेक्टर, 940 दरोगा, तीन बम निरोधक दस्ता, एक एंटी माइंस टीम, पांच एंटी सैबोटाज चेक टीम, एक टीम एटीएस, मुख्य आरक्षी 1868, होमगार्ड 126, इसके अलावा एलआईयू और खुफिया एजेंसियां तैनात रहेंगी।

एयरपोर्ट से प्रेरणा स्थल तक कराई सफाई

- **अमृत विचार, लखनऊ :** केंद्रीय गृहमंत्री के आगमन के मद्देनजर शुक्रवार रात तक पुलिस, प्रशासन, नगर निगम और एलडीए ने तैयारी की। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने संपूर्ण क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। नगर निगम की टीम ने अमौसी एयरपोर्ट से लेकर राजभवन तक के प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। साफ-सफाई, चूना छिड़काव, नालियों की सफाई, कूड़ा निस्तारण, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, झाड़ियों की कटाई तथा मार्ग प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत व स्थापना के कार्य किए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, जोनल अधिकारी ओमप्रकाश, जोनल सेनेटरी अधिकारी मनोज यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं, एलडीए ने प्रेरणा स्थल के अंदर सजावट की। बैठने की व्यवस्था व मंच तैयार किया। परिसर के बाहर साफ-सफाई, लाइटिंग, गमलों से सजावट, पार्किंग आदि कार्य किए। जिला प्रशासन ने आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी की। देररात तक अधिकारी परिसर में डटे रहे। पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए।

आज से प्रेरणा स्थल पर तीन दिन प्रवेश निःशुल्क

- राष्ट्र प्रेरणा स्थल में आने वाले पर्यटकों के लिए यूपी दिवस व गणतंत्र दिवस पर तीन दिन प्रवेश शुल्क नहीं लगेगा। शुक्रवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शुक्रवार को इस सम्बंध में आदेश जारी कर दिये हैं। बताया कि 24 जनवरी को यूपी दिवस पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल में भव्य समारोह होगा। बड़ी संख्या में लोग प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रवेश के लिए प्रति व्यक्ति 15 रुपये टिकट निर्धारित है, लेकिन, यूपी दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रेरणा स्थल देखने आए लोगों के लिए खास मौका होगा। इसे ध्यान में रखते हुए 24 जनवरी से 26 जनवरी तक प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी दिवस-2026 कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्र प्रेरणा स्थल बसंत कुंज में शनिवार को किया जा रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री व राज्यपाल समेत कई वीवीआईपी अतिथि शामिल होंगे। इसे लेकर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह जानकारी शुक्रवार देर शाम डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने दी।

- यूपी दिवस-2026 कार्यक्रम के समाप्त होने तक लागू रहेगा डायवर्जन

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम समाप्ति तक डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान इमरजेंसी की स्थिति में एम्बुलेन्स, फायर सर्विस, स्कूली वाहन, शव वाहन को अनुमति दी जाएगी। इसके लिए चालक को यातायात कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 पर सूचना देनी होगी।

यहां रहेगी रोक

- मलिहाबाद चौराहा से बाजनगर किसानपथ/छन्दोईया की तरफ सभी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित।
- मुंजासा तिराहा से बाजनगर किसानपथ/छन्दोईया की तरफ।
- बाजनगर किसानपथ अण्डरपास से छन्दोईया बाईपास तिराहा की तरफ।
- कसमण्डी अण्डरपास से अंधे की चौकी तिराहा की तरफ।
- छन्दोईया बाईपास तिराहा से कार्यक्रम स्थल/भिठौली तिराहा की तरफ।
- तिकोनिया तिराहा से दुबग्गा तिराहा/छन्दोईया बाईपास तिराहा की तरफ।
- भिठौली तिराहा से कार्यक्रम स्थल/छन्दोईया बाईपास तिराहा की तरफ।
- नया पक्कापुल तिराहा/कुड़ियाघाट तिराहा से कार्यक्रम स्थल/धैला तिराहा की तरफ।
- दुबग्गा तिराहा से छन्दोईया बाईपास तिराहा की तरफ रोक रहेगी।
- मोहान रोड नहर तिराहा से बुद्धेश्वर चौराहा की तरफ।
- अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी मोड़ से अमौसी एयरपोर्ट के अन्दर कोई वाहन नही जा सकेगा।

यहां से जाएं

- जीरो प्वाइंट मोहान रोड होकर।
- जीरो प्वाइंट मोहान रोड होकर।
- बाजनगर किसानपथ अण्डरपास से किसानपथ होकर।
- किसानपथ होते हुये जा सकेंगे।
- अंधे की चौकी तिराहा, बाजनगर किसानपथ अण्डरपास से किसानपथ अथवा दुबग्गा तिराहा होकर।
- नहर तिराहा मोहान रोड, खुशहालगंज बाजार होते हुये खुशहालगंज किसानपथ अण्डरपास से किसानपथ होकर।
- सैरपुर तिराहा, अस्ति क्रासिंग, बख्शी तालाब होते हुये इंदौराबाग किसानपथ अण्डरपास से किसानपथ अथवा इंजीनियरिंग कालेज चौराहा होकर।
- रूमीगेट, कोनेश्वर चौराहा, बालागंज चौराहा, दुबग्गा तिराहा होकर।
- तिकोनिया तिराहा होते हुए।
- जीरो प्वाइंट से किसानपथ होते हुए।
- अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी मोड से अमौसी कामर्शियल मोड़ से बाएं होकर।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सजेगी 'विकसित उप्र.' की झांकी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- माघ मेला, लखनऊ दर्शन बस सेवा और कालिंजर किला होंगे प्रमुख आकर्षण

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 24 से 26 जनवरी तक राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित होने वाले तीन दिवसीय समारोह में प्रदेश की पर्यटन क्षमता, सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा की भव्य झलक देखने को मिलेगी। 'विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अग्रणी पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का संदेश दिया जाएगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि उप्र. पर्यटन विभाग के स्टॉल पर विभागीय योजनाओं के साथ-साथ पीपीपी मोड पर क्रियान्वित परियोजनाओं, माघ मेला-2026, बुंदेलखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों, विरासत संरक्षण, इको-टूरिज्म बोर्ड की पहलों तथा यूपीएसटीडीसी की 'लखनऊ दर्शन' इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा जैसे सफल प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जाएगा। समारोह में बौद्ध, जैन, रामायण, महाभारत सहित प्रदेश के 12 पर्यटन सर्किटों से जुड़ी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रस्तुत किया जाएगा। कालिंजर किले को विशिष्ट पर्यटन गंतव्य और झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, महोबा और बांदा के ऐतिहासिक स्थलों व जलप्रपातों की प्रदर्शनी प्रस्तुत की जाएंगी।

विद्यार्थियों को पर्यटन से जोड़ेंगी प्रतियोगिताएं

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश दिवस और राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर उप्र. पर्यटन विभाग द्वारा युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से राजधानी स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल में विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 24 जनवरी को होंगे, कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता होगी, जिसे जूनियर और सीनियर दो वर्गों में विभाजित किया गया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जो लाइव, ऑनलाइन और इंटरएक्टिव होगी।

विदेशों में भी मनाया जाएगा यूपी दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर उप्र. दिवस का तीन दिवसीय कार्यक्रम शनिवार से शुरू होगा। फिजी, मॉरीशस, मालदीव, सिंगापुर और थाईलैंड में भी आयोजन होगा। इसके माध्यम से प्रदेश की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। लखनऊ में ओडीओसी प्रदर्शनी में हर जिले के स्वाद मुख्य आकर्षण होगें। सभी क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए यूपी गौरव सम्मान दिए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का मुख्य समारोह राष्ट्र प्रेरणा स्थल प्रांगण में होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्र सरकार के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। डबल इंजन सरकार के विजन के अनुसार, इस वर्ष यूपी दिवस-2026 के आयोजन को राज्य और देश की सीमाओं से बाहर भी ले जाया जाएगा। इसके अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों के लोकभवनों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही फिजी, मॉरीशस, मालदीव, सिंगापुर और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस मनाया जाएगा।

सिटी मोन्टेसरी स्कूल

CMS CITY MONTESSORI SCHOOL

द्वारा गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी 2026 को प्रदर्शित की जाने वाली झाँकी

'सारे जग में गूँज उठे जय-जगत का नारा है'

झाँकी की विशेषतायें

1. झाँकी के प्रथम भाग में सबसे आगे एक सी.एम.एस. छात्रा को ग्लोब उठाये हुए दिखाया गया है जो सारे विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' अर्थात यह सारी वसुधा हमारा कुटुम्ब है तथा हम उसके विश्व नागरिक हैं, की शिक्षा दे रही है।
2. इसी भाग में आगे ग्लोब के ऊपर 'सर्वधर्म समभाव' की महान भावना के साथ एक विशाल गुलाबी कमल के फूल की पंखुड़ियों के ऊपर एक ही परमपिता परमात्मा की ओर से युग-युग में भेजे गये विभिन्न अवतारों एवं उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को दिखाया गया है। यह दृश्य यह संदेश देता है कि सभी धर्मों की शिक्षायें समस्त मानवजाति के लिए हैं।
3. झाँकी के मध्य भाग में मानवता रूपी विशाल कल्पवृक्ष की शाखाओं पर अंकित विभिन्न उपासना स्थल एकता का संदेश दे रहे हैं। इस विशाल वृक्ष के नीचे 'सारे जग में गूँज उठे 'जय जगत' का नारा है' गीत पर नृत्य करते हुए बच्चे इस भाव को जीवंत कर रहे हैं कि ईश्वर एक है, ईश्वर का धर्म एक है तथा समस्त मानव जाति एक ही परमात्मा की संतान हैं।
4. इसके अगले भाग में विद्यालय मॉडल के समीप सिटी मोन्टेसरी स्कूल के संस्थापक-प्रबंधक स्व डॉ. जगदीश गाँधी की प्रतिमा के साथ विद्यालय का एक छात्र खड़ा है, जो ग्लोब की ओर संकेत कर रहा है। इसी विचार की सजीव अभिव्यक्ति हैं- सी.एम.एस. में 15 वर्षों तक शिक्षा ग्रहण करने वाले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने अंतरिक्ष से देश के प्रधानमंत्री के साथ जून-2025 में बात करते हुए कहा था कि 'पृथ्वी पूरी तरह से एक है, बाहर से कोई सीमा रेखाएं दिखाई नहीं देती...।
5. झाँकी के अंत में विज्ञान और अध्यात्म का संगम दिखाया गया है, जिसमें एक घूमता हुआ ग्लोब और रॉकेट वैज्ञानिक प्रगति का प्रतीक हैं, जबकि ऊपर चमकते हुआ प्रकाश उस ईश्वरीय प्रकाश को दर्शाता हैं जो हम सबको एक सूत्र में पिरोता है।

इस प्रकार सिटी मोन्टेसरी स्कूल की यह झाँकी संपूर्ण विश्व को एक स्पष्ट और सशक्त संदेश देती है कि यह धरती हम सभी की साझी धरोहर है और इसका भविष्य आपसी प्रेम, शांति और सहयोग में ही सुरक्षित है।

झाँकी गीत

परमपिता है एक, विश्व परिवार हमारा है,
सारे जग में गूंज उठे, जय जगत का नारा है।
चाहे हिन्दू, चाहे मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई हो,
रूसी, चीनी, अफ्रीकी हो चाहे थाई हों,
एक बाग के फूल हैं हम, ये चमन हमारा है,
सारे जग में गूंज उठे, जय जगत का नारा है।

नानक, ईसा, बुद्ध, मोहम्मद प्रेम का पाठ पढ़ायें,
ऊंच नीच का बन्धन तोड़ो, सभी सन्त बतलायें,
सत्य अहिंसा के फूलें से चमन संवारा है,
रामायण, बाइबिल, कुरान दे, श्रद्धा, प्रेम और भक्ति,
धर्म शास्त्र देते सबको, निष्काम कर्म की शक्ति,
अलग-अलग हैं धारायें, पर एक किनारा है,
सारे जग में गूंज उठे, जय जगत का नारा है।

प्रेरणा स्रोतः
स्व. डॉ जगदीश गाँधी, संस्थापक-प्रबन्धक, सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ

सद्भाव राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में सर्वधर्माय संस्थानम ने किया कार्यक्रम

समाजोत्थान के लिए एक मंच पर जुटे विद्धतजन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचारः सर्वधर्माय संस्थानम का प्रथम सम्मेलन शुक्रवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय कैसरबाग परिसर स्थित राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। इसमें सभी धर्मों के प्रतिष्ठित विचारक/प्रतिनिधि शामिल हुए और समाजोत्थान, समरसता, राष्ट्रप्रेम व राष्ट्रधर्म की भावना के जागरण पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज रहे।

सम्मेलन में शामिल धर्मगुरुओं का माल्यार्पण करते लोग।

विशिष्ट अतिथियों के रूप में महंत दिव्यागिरी, डॉ. सौमित्र प्रपन्नाचार्य, मौलाना मुश्ताक, राकेश मैसी, डॉ. एके सचान, डॉ. नीरज जैन, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, प्रो. आर्किटेक्ट सुनील श्रीवास्तव व न्यायमूर्ति बीडी नकवी, पीसी कुरील, सेवा भंते ज्ञानलोक ने राष्ट्रीय एकता का सन्देश देते हुए आपसी भाईचारा का निर्वहन करते हुए अपने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रदेश अध्यक्ष शेखर कुमार ने बताया कि "सर्वधर्माय संस्थानम" ने प्रदेश स्तर पर कार्य आरंभ कर दिया है। भविष्य में अन्य जिलों में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

कार्यक्रम का संचालन आलोक श्रीवास्तव ने किया व सुश्री विजयलक्ष्मी व उनके दल द्वारा समभाव पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति की गई। अध्यक्षता डाक्टर सौमित्र प्रपन्नाचार्य ने की। इसमें सुनीता श्रीवास्तव, मुर्तजा अली, आसिफ किदवई, संजय श्रीवास्तव,सर्वेश श्रीवास्तव,कुदरत उल्लाह खान,हालिमा अलीन दिव्यांस,अम्रिता खरे,निधि श्रीवास्तव, प्रीति श्रीवास्तव आलोक सीक्रीवाल, दानिश अली, सरदार महिमा सिंह सरदार अमरीक सिंह, जान पा, डेविड जानसन सहित सभी धर्मों के धर्म गुरुओं की उपस्थिति रही और सभी ने ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया।

- इसमें सभी धर्मों के प्रतिष्ठित विचारक हुए शामिल

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 24 जनवरी 2026

लखनऊ

प्रयागराज में संगम पर बसंत पंचमी का स्नान करते हुए पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती।

ठेलिया निकालने को लेकर दो पक्षों में संघर्ष, पथराव, पुलिस पर हमला

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार: गंगागंज स्थित नारेपार गांव में कोल्ड ड्रिंक गोदाम के पास खड़े ट्रक के बगल से ठेलिया निकालने को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद गोदाम के लेबरों ने ठेलिया चालक को पीट दिया। इसी बीच अफवाह फैल गयी कि मजदूरों ने युवक को गोदाम में बंधक बनाया है। रात करीब आठ बजे आक्रोशित ग्रामीणों ने ईंट से पथराव शुरू कर दिया। जिससे गोदाम मजदूर घायल हो गया। बवाल की सूचना पर गोसाईंगंज समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। अंधेरे में किसी ने पुलिस फोर्स पर पथराव कर दिया। बवाल में दरोगा समेत करीब एक दर्जन लोग घायल हैं। गांव में तनाव को बढ़ता देखकर अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस के साथ पीएसी भी तैनात कर दी है।

इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि बाराबंकी के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के जौरासा गांव निवासी आमिर का गोदाम है। कोल्ड ड्रिंक गोदाम के पास ट्रक माल उतार रहा था। इस बीच ठेलिया निकालने को लेकर मजदूर से विवाद हो गया। जिसपर गोदाम मजदूरों ने ठेलिया चालक आशीष को पीट दिया। उसने घर पहुंचकर घरवालों को बताया। इसके बाद ग्रामीणों की भीड़ गोदाम पर जुट गई और पथराव करने लगी।

पथराव में वही खड़ी अमेठी के कजियाना निवासी अनस की कार क्षतिग्रत हो गई। सूचना पाकर दरोगा धर्मपाल सिपाहियों से साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। जिससे दरोगा धर्मपाल को मामूली चोटें आई। बवाल बढ़ता देख गोसाईंगंज, मोहनलालगंज, नगराम थानों व पीएसी मौके पर पहुंची। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर स्थित पर काबू पाया। डीसीपी निपुण अग्रवाल, एडीसीपी रल्लापल्ली वसंथ कुमार व अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि दरोगा धर्मपाल को कोई जाहिरा चोट नहीं है। सीसीटीवी फुटेज में उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

24 दिन बाद बनी जांच समिति

अमृत विचार, लखनऊ : विभूतिखंड स्थित धनवंतरि अस्पताल में मरीज को बंधक बनाकर रुपये वसूलने के आरोप की जांच के लिए 24 दिन बाद शुक्रवार को दो सदस्यीय समिति बनाई गई है। समिति में शामिल डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. संदीप सिंह ने पीड़ित पक्ष को बयान दर्ज कराने लिए बुलाया है और अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि जांच में आरोप सही पाए गए तो अस्पताल का संचालन बंद कर दिया जाएगा। बलरामपुर जिले के खैरा निवासी सुनील पाल के बीमार पिता राम भिलाव को 27 दिसंबर को जिला अस्पताल से केजीएमयू रेफर किया गया था। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में दलाल ने सस्ते इलाज का झांसा दिया और निजी अस्पताल ले गया था। सुनील मरीज को विभूतिखंड स्थित धनवंतरि अस्पताल ले गए। आरोप है कि भर्ती के कुछ ही घंटों में इलाज के नाम पर 36 हजार रुपये वसूल लिए गए।

वेतन भुगतान में देरी पर निदेशक से मिले कर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, कार्मिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और विभागीय कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। संघ के प्रदेश महामंत्री योगेश कुमार उपाध्याय ने बताया कि बैठक में वेतन भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल में संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता, प्रदेश महामंत्री योगेश कुमार उपाध्याय सहित अन्य शामिल रहे।

महापौर ने लाभार्थियों को बांटे ऋण स्वीकृत पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : पीएम स्वनिधि योजना के तहत ऋण वितरण से लाभार्थियों को नए अवसर मिलेंगे। लाभार्थी को अपना व्यवसाय सफलतापूर्वक चलाने में नगर निगम सहयोग करेगा। ये बातें शुक्रवार को लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय के राज कुमार कमेटी हाल में पीएम स्वनिधि कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल ने कही। इस दौरान महापौर ने लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत एवं वितरण के प्रमाण पत्र बांटे।

तीन लोगों ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, लखनऊ : चिनहट के कमता स्थित अजय नगर में गुरुवार देर रात एक प्रॉपर्टी डीलर अखिलेश यादव (31) ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार सुबह परिवार के लोगों ने युवक को पंखे से कुंडे के सहारे लटका देखा। खुदकुशी की कोई वजह सामने नहीं आई है। वहीं, ठाकुरगंज के मोहनीपुरवा इलाके में घरेलू कलह के चलते ठेकेदार दिलीप कुमार वर्मा (38) ने फंदा लगाकर जान दे दी। वहीं मोहनलालगंज के खुजौली गांव में आलोक रावत (20) ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

रोहतास समूह की 350 करोड़ की संपत्तियां जब्त

प्रवर्तन निदेशालय ने ठगी के मामले में की कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अब तक रोहतास समूह व सहयोगी कंपनियों की 77 संपत्तियों को किया जब्त

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोड़ों रुपये की ठगी के मामे में रोहतास समूह व उनकी सहयोगी कंपनियों की 158.85 करोड़ रुपये की 77 संपत्तियां जब्त कर ली। वर्तमान में इनकी बाजार में कीमत 350 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इन संपत्तियों को रोहतास समूह ने निवेशकों की रकम से खरीदी हैं। इसके बाद सहयोगी कंपनियों को ट्रांसफर किया है। जिसे बाद में बेच दिया। कई संपत्तियों पर बैंक से लोन भी ले रखा है। ईडी रोहतास समूह के खिलाफ जांच कर रही है।

ईडी ने रोहतास प्रोजेक्ट लिमिटेड व अन्य के खिलाफ दर्ज मनी लांड्रिंग केस के तहत 75 अचल व 2 चल संपत्तियां जब्त की हैं। इसमें 141.21 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां लखनऊ में स्थित हैं। यह संपत्तियां रोहतास समूह के प्रमोटर दीपक रस्तोगी, रोहतास समूह की सहयोगी कंपनी वर्धन टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड, अध्याये रियल्टी इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी व अन्य के नाम दर्ज हैं जबकि 17.64 करोड़ रुपये की चल संपत्तियां हाइनेस इंफ्रा डेवलपर्स के नाम पाई गई हैं। रोहतास समूह ने लखनऊ में रायबरेली व सुलतानपुर रोड पर टाउनशिप योजनाएं शुरू की थीं। निवेशकों को 30 माह में प्लाट या फ्लैट का कब्जा देने अथवा बुकिंग राशि का 150 प्रतिशत धन एकमुश्त लौटाने का भरोसा दिलाया था। निवेशकों ने मामले में रोहतास समूह के विरुद्ध परियोजना पूरी न होने व उनकी रकम हड़प लिए जाने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने मामले में 83 मामले दर्ज किए थे।

जिन्हें आधार बनाकर ईडी ने जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि निवेशकों से एकत्र धन को रोहतास समूह के संचालकों ने सहयोगी कंपनियों व बेनामी व्यक्तियों के नाम पर जमीन खरीदने में लगाया। स्वामित्व छिपाने के लिए जमीन रखने वाली कंपनियों को बाद में वर्धन टाउनशिप प्रा. लि. को हस्तांतरित कर दिया गया जबकि कुछ बेनामी भूमि अध्याये रियल्टी इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी के नाम ट्रांसफर कर दी गई। ईडी के अनुसार दीपक रस्तोगी ने बाद में कुछ भूखंड अपनी सहयोगी कंपनियो से खरीदे और उन्हें बैंकों में गिरवी रखकर लोन भी लिया था। ईडी ने इससे पहले अक्टूबर 2025 में रोहतास समूह व उनके सहयोगियों की 110.05 करोड़ रुपये की 68 अचल संपत्तियां जब्त की थीं।

गैंगस्टर की 51 लाख की संपत्ति कुर्क

अमृत विचार, लखनऊ : अपराध से अर्जित काली कमाई के खिलाफ लखनऊ कमिश्नरेट ने कार्रवाई की है। इंदिरानगर के गैंगस्टर विशाल यादव उर्फ धर्म सिंह यादव की अपराध की रकम से अर्जित करीब 50.87 लाख की संपत्ति को कुर्क कर दिया है। कुर्क की जाने वाले संपत्ति में एक फॉर्च्यूनर, एक टोयोटा अर्बन क्रूजर और बैंक खाते में जमा धनराशि हैं। कुर्की की कार्रवाई का आदेश न्यायालय संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध बब्लू कुमार ने जारी किया है।

जेसीपी ने बताया कि इंदिरानगर के जरहरा गांव निवासी गैंगस्टर विशाल यादव उर्फ धर्म सिंह यादव पहले सामान्य परिवार से था। वह वर्ष 2016 में अपराध में सक्रिय हो गया। इसके पश्चात उसने संगठित गिरोह बनाया। आरोपी के आपराधिक कृत्यों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गैंग चार्ट तैयार किया गया।

बीएमडब्लू सर्विस सेंटर पर युवक की पिटाई

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर विस्तार सेक्टर-4 स्थित बीएमडब्ल्यू कार सर्विस सेंटर पर दबंगों ने युवक अजय सिंह पर हमला कर दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसे पीटा और कार में तोड़फोड़ की। घायल युवक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। भाई ने एफआईआर दर्ज कराई है। रायबरेली के लालगंज निवासी अजय सिंह मंगलवार को कार की सर्विस कराने मैंगो गार्डेन सेक्टर-4 स्थित कार मैडिक्स सर्विस सेंटर आए थे।

हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

अमृत विचार, निगोहां: सुशांत गोल्फ सिटी के किसान पथ पर गुरुवार को सड़क हादसे में घायल हुए कप्तान (24) ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। निगोहां के रघुनाथ खेड़ा का मजरा नहर खेड़ा निवासी सुखई (30), कप्तान (24) भूसा ढोने का काम करते थे। गुरुवार को वह दोनों डाले से भूसा लेकर गांव के डाला चालक अखिलेश के साथ कुर्सी बाराबंकी जा रहे थे। बरौना के पास पिकअप का पिछला टायर पंचर हो गया था। तीन लोग टायर बदल रहे थे, तभी पीछे से आए ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए "खुली" निविदा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा०, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं.: वमंविइ–लर्ज०–54–2025; कार्य का विवरण:** लखनऊ डिवीजन के अंतर्गत 7 यात्री प्लेटफॉर्मों को निम्न स्तर से उच्च स्तर तक ऊंचा करना। जीकेपी महमूदाबाद अवध और जीकेसी में गहरे ट्यूबवेल की स्थापना और एलएमपी और जीके में 160 और 62.5 केवीए डीजी सेट से संबंधित केबलिंग कार्य।; **अनुमानित लागत:** ₹1,32,45,060.09; **बयाना राशि:** ₹2,16,200/-; **निविदा मूल्य:** ₹0.00; **कार्य सम्पादन की अवधि:** 06 माह; **निविदा सं.: वमंविइ– लर्ज०–55–2025; कार्य का विवरण:** गोंडा जंक्शन पर वैगन आरओएच डिपो के बुनियादी ढांचे के उन्नयन और आरओएच शेड के विस्तार से संबंधित विद्युत कार्य।; **अनुमानित लागत:** ₹64,20,265.82; **बयाना राशि:** ₹1,28,400/-; **निविदा मूल्य:** ₹0.00; **कार्य सम्पादन की अवधि:** 06 माह; **उक्त निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय:** 19.02.2026 को 15:00 बजे। **नोट:** इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** को देखें। निविदाकार ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य
मुजाधि/विद्युत–264 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना NER-LJN-2026-05

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है–

ई–निविदा संख्या–NER-LJN-2026-05, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर–(A) दिव्यांगजनों के लिए यात्री सुविधाओं का प्रावधान जिसके अतंर्गत यात्री शौचालय, टैक्टाइल फ्लोरिंग (55 स्टेशनों पर) एवं रैंप (49 स्टेशनों पर के निर्माण का कार्य। (B) न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान जिसके अतंर्गत मूत्रालय (9 नग), शौचालय (4 नग), वॉटर कूलर (25 नग) एवं लाइटिंग (13 हाल्ट स्टेशनों पर) के निर्माण का कार्य। (C) विभिन्न स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं एवं मानकीकृत दिशानिर्देशों का प्रावधान। अनुमानित लागत(रू0): 73349052.25, अग्रिम धन(रू0): 516800.00, समापन अवधिः 12 माह।

1.उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-05 के लिये ई–निविदा दिनांक 10.02.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। 2.उपरोक्त ई निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्लू–429 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

ई–निविदा सूचना संख्या 99/100/ECTC (L)/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट–I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट–II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 99– **कार्य का नाम :–** 132/33 के0वी0 **उपकेन्द्र, जलालपुर अम्बेडकर नगर पर** 01 **अदद्** 33 के0वी0 **धमरूआ ''बे'' के जानपदीय निर्माण कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत:– रू0 5.50 **लाख**, कार्यावधि :– 01 **माह।** 100– **कार्य का नाम :–** 220/132/33 के0वी0 **उपकेन्द्र, न्यू टाण्डा, अम्बेडकर नगर पर** 01 **अदद्** 33 के0वी0 **मरैला ''बे'' के जानपदीय निर्माण कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत :– रू0 2.99 **लाख**, कार्यावधि :– 01 **माह।** उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्ते तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 24.02.2026 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 25.02.2026 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।** संख्या: 253–वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा दिनांक: 21.01.2026

नाले में मिला पेंटर का शव

अमृत विचार, लखनऊ : कैंट स्थित नीलमथा से 13 दिन से लापता पेंटर का शव शुक्रवार को मालांग नाले में मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाया। इस बीच परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। पुलिस ने परिवार के लोगों से पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नीलमथा के भगवंत नगर निवासी आशीष कुमार (34) पेंटर था। परिवार में पत्नी अंजली कुमार, बेटी अर्पिता, बेटा अर्पित है। बड़े भाई अमित ने बताया कि 10 जनवरी को आशीष घर से काम करने के लिए निकला था। रात आठ से नौ बजे के बीच आशीष घर आ जाते थे, लेकिन उस दिन देर रात तक नहीं पहुंचे। परिवार के लोगों ने तलाश शुरू की। जानकारी न मिलने पर अगले दिन परिवार के लोगों ने कैंट कोतवाली में सूचना देकर आशीष की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

रॉड से हमला, फटा सिर

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा स्थित कटौली गांव में गुरुवार सुबह कोटेदार ने परिवार संग मिलकर चचेरे भाई पर हमला कर दिया। आरोपियों ने रॉड से सिर पर वार कर दिया। सिर फटने से युवक खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। ग्रामीण दौड़े तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। घायल को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय ने बताया कि आरोपियों की तलाश में दबिशें दी जा रही है। पीड़ित राजकिशोर ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 9 बजे वह अपने खेत जा रहे थे। रास्ते में मंदिर के सामने पड़ोस में रहने वाले उनके चचेरे भाई कोटेदार रामकुमार, उनके दामाद सुजीत और पत्नी राम जानकी ने उन्हें रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी।

पीएमजी बैठक में मुख्य सचिव ने दिए सख्त निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में आयोजित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की बैठक में प्रदेश की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि ईपीसी परियोजनाओं की मासिक समीक्षा अनिवार्य है। सभी निर्माण परियोजनाओं में निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

12 मिनट में भाजपा नेता के मकान से लाखों की चोरी

अमृत विचार , लखनऊ : गाजीपुर थाना क्षेत्र के इंदिरानगर सेक्टर-8 स्थित पटेलनगर में चोरों ने भाजपा नेता के बंद मकान को निशाना बनाते हुए महज 12 मिनट में ताला तोड़कर करीब सात लाख रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। घटना की जानकारी 22 जनवरी की सुबह तब हुई, जब नौकरानी सफाई के लिए पहुंची और घर का ताला टूटा पाया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मूल रूप से गोरखपुर निवासी भाजपा नेता भानु प्रकाश मिश्र पटेलनगर में रहते हैं। वह 19 जनवरी को परिवार के साथ उत्तराखंड के उधमसिंहनगर में रिश्तेदार पूर्व विधायक कमलेश शुक्ला के ब्रह्मभोज में शामिल होने गए थे।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

NOTICE

In some documents, my name has been mistakenly recorded as Aman, whereas my correct and actual name is Amaan Abbas Jafri. Therefore, I request that I be identified and recognized only by my correct name. **Amaan Abbas Jafri, S/O Sayed Aqeel Abbas Jafri, R/O Mohalla Subhash Nagar, Utraula, District Balrampur.**

सूचना

मेरे भवन सं0 545 का/078, लक्ष्मण विहार, राजाजीपुरम, लखनऊ की मूल रजिस्ट्री जो बही सं0–1, जिल्द सं0–14866, पृष्ठ सं0–323 से 356 पर क्रमांक– 909 उपनिबन्धक द्वितीय लखनऊ पर दर्ज है, कहीं खो गयी है। इसका किसी अन्य द्वारा प्रयोग अवैध होगा। **मनीष कुमार वर्मा पुत्र केदार नाथ वर्मा।**

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL QAYYUM MOHAMMED YUNUS से बदलकर ABDUL QAYYUM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-MO.YUNUS ADD-PURE LOHRAS, PO-PAHARPUR DIST-FAIZABAD-225407(U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम KAYUB KHAN से बदलकर ABDUL KAYYUM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **ABDUL KAYYUM ADD- PURE LOHRAS PO-PAHARPUR DIST-FAIZABAD-225407(U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम मोहम्मद मोबीन से बदलकर मोबीन अहमद कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **मोबीन अहमद पुत्रं अख्तर अली निवासी – खीदास नगर पोनी रोड शुक्लागंज गंगा गंज सफीपुर उन्नाव।**

सूचना

मैने अपना नाम RAZIULLAH KHAN से बदलकर RAZIULLA KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **RAZIULLA KHAN ADD-HOME No-32 JODI BANGLA NAURANGABAD, DIST-LAKHIMPUR KHERI-262701(U.P)**

सूचना

मेरा हाई स्कूल अनुक्रमांक 2634146, वर्ष 2012 का अंक पत्र/प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **सुधीर कुमार पुत्र बृजेश कुमार निवासी जखौली पोस्ट इटई अब्दुल्ला बलरामपुर।**

सूचना

मेरे पासपोर्ट मे मेरे पिता जी का नाम त्रुटिवश MOHAMMAD SAMI दर्ज हो गया है भविष्य में उन्हें उनके वास्तविक नाम SAMIULLA KHAN से जाना व पहचाना जाये। **याकूब खान पुत्र समीउल्ला खान निव–नियाज अली खेड़ा अहमदपुर कासिमपुर औरास उन्नाव (उ0प्र0)**

सूचना

मैंने बीमा पॉलिसी संख्या 227160993 में 28–08–2014 को ली थी, जिसमें मेरा नाम जयदीप पुत्र भजन लाल अंकित हैं, जबकि मेरे आधार संख्या 629674745518 में मेरा नाम संदीप कुमार दर्ज है। मेरा नाम संदीप कुमार व जयदीप दोनों हैं। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। **संदीप कुमार पुत्र भजन लाल निवासी ग्राम पूरनमऊ, परगना कछन्दऊ तहसील बिलग्राम जनपद हरदोई।**

सूचना

मैं पठान शकील अहमद उर्फ भोला पुत्र पठान फारुक अहमद निवासी ग्राम पोस्ट गजपतिखेड़ा, थाना सरेनी तहसील लालगंज, जिला रायबरेली जो कि मेरे पुत्र सोहेल अहमद खां उर्फ रुस्तम। इनके चाल चलन से तंग आकर मैं अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में किसी भी कार्य से मेरा और मेरे परिवार के सदस्यों से कोई लेना देना नहीं है। इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

छोटे जिलों में भी मिलेगा हृदय रोगियों को इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 41 मेडिकल कॉलेजों में स्थापित की जाएंगी कैथ लैब

अमृत विचार : प्रदेश के छोटे जिलों के हृदय रोगियों को इलाज के लिए बड़े शहरों में नहीं भागना पड़ेगा। इसके लिए राज्य सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में हृदय रोग विभाग को अत्याधुनिक संसाधनों से सुसज्जित करने का निर्णय लिया है, इसी क्रम में 41 मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब स्थापित की जाएंगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने बताया कि सभी मेडिकल कालेजों में कैथ लैब होने से एंजियोग्राफी, स्टेंट प्रत्यारोपण, वाल्ब ठीक करने एवं अनियमित धड़कन का इलाज किया जा सकेगा।

हार्ट अटैक के मरीजों को गोल्डन ऑवर में इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई हब एंड स्पोक मॉडल पर स्टेमी योजना का खासा लाभ मरीजों को मिल रहा है। इस योजना में जिला अस्पताल में पहुंचने वाले हार्ट अटैक मरीज की ईसीजी कर व्हाट्सअप ग्रुप में अपलोड की जाती है, जिसे संबन्धित मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विशेषज्ञ देखकर आवश्यकतानुसार सलाह देते हैं। इसके बाद उक्त मरीज को नजदीकी मेडिकल कॉलेज में इलाज उपलब्ध कराया जाता है।

विकसित भारत
विकसित उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश दिवस
24-26 जनवरी, 2026

का
भव्य शुभारंभ

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनपदों को पुरस्कार

एक जनपद-एक व्यञ्जन (ODOC) योजना की लॉन्चिंग

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26 का वितरण

सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना का शुभारंभ

द्वारा

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

अमित शाह
मंत्री, गृह एवं सहकारिता, भारत सरकार

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

पंकज चौधरी
राज्य मंत्री, वित्त, भारत सरकार

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

जयवीर सिंह
मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश

राकेश सचान
मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, उत्तर प्रदेश

बृज लाल
सदस्य, राज्य सभा

संजय सेठ
सदस्य, राज्य सभा

सुषमा खर्कवाल
महापौर, लखनऊ

डॉ. नीरज बोरा
विधायक, लखनऊ उत्तर

जय देवी
विधायक, मलिहाबाद

डॉ. राजेश्वर सिंह
विधायक, सरोजनी नगर

योगेश शुक्ल
विधायक, बक्शी का तालाब

ओ. पी. श्रीवास्तव
विधायक, लखनऊ पूर्व

अमरेश कुमार
विधायक, मोहनलालगंज

डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह
सदस्य, विधान परिषद

इंजी. अवनीश कुमार सिंह
सदस्य, विधान परिषद

मुकेश शर्मा
सदस्य, विधान परिषद

उमेश द्विवेदी
सदस्य, विधान परिषद

राम चन्द्र प्रधान
सदस्य, विधान परिषद

डॉ. लालजी प्रसाद 'निर्मल'
सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 24 जनवरी, 2026 | समय : अपराह्न 12:30 बजे | स्थान : राष्ट्र प्रेरणा स्थल, लखनऊ

प्रमुख आकर्षण

• राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर शिल्प मेला, ODOC व्यञ्जन मेला एवं विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश पर आधारित प्रदर्शनी • बृज, बुंदेली, अवधी, भोजपुरी बोलियों एवं हिन्दी और संस्कृत भाषाओं में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां • समस्त जनपदों में स्थानीय कलाकारों, कवियों, साहित्यकारों की संगोष्ठियां, कविता पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिता, रोड शो एवं मल्लखंब/कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलों का आयोजन • दिल्ली, महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों में उद्यमिता, व्यापार, नवाचार, शिक्षा, कला, विज्ञान, प्रशासन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश के व्यक्तियों का सम्मान • फिजी, मॉरीशस, मालदीव, सिंगापुर, थाईलैंड आदि देशों में भारतीय दूतावासों के सहयोग से उत्तर प्रदेश दिवस का भव्य आयोजन

प्रगति की गति अपार - डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश ▶ लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS

वार्डन ने साथियों संग छात्र को पीटा, हंगामा

डॉ. केएनएस मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (मेयो) की घटना से छात्रों में आक्रोश

फूटा गुस्सा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

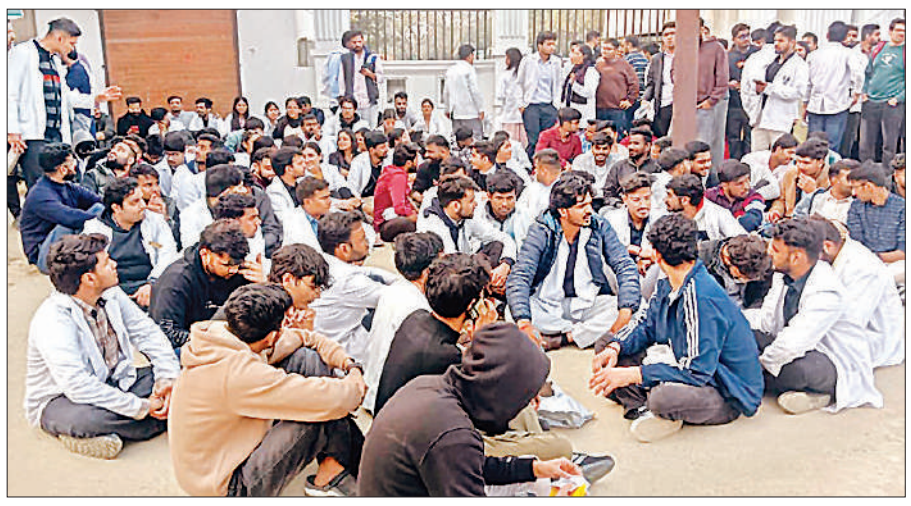

साथी की पिटाई के विरोध में धरना देते छात्र। ● अमृत विचार

अमृत विचार : डॉ. केएनएस मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (मेयो) में शुक्रवार सुबह चीफ वार्डन ने अन्य सहयोगियों संग मिलकर इंटर्नशिप कर रहे छात्र की निर्मम पिटाई कर दी। मारपीट का वीडियो वायरल होने पर बड़ी संख्या में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, आरोपी वार्डन को हटाए जाने की बात कहकर मामला शांत कराया गया लेकिन लिखित में कार्रवाई की मांग को लेकर फिर धरने पर बैठे छात्र गए।

जानकारी के अनुसार, यह घटना लखनऊ मार्ग पर सफेदाबाद में स्थित डॉ. केएनएस मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज परिसर में शुक्रवार सुबह हुई। एमबीबीएस करने के बाद इंटर्नशिप कर रहा छात्र हास्टल के मुख्य द्वार पर पानी न आने की शिकायत लेकर पहुंचा, उससे वहां मौजूद रजिस्टर पर एंट्री करने को कहा गया। इसी बात को लेकर बहस हुई और कुछ ही पलों के बाद चीफ वार्डन रोहित सिंह ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया और लोहे की राड व डंडे से छात्र की पिटाई कर दी।

इस दौरान मौजूद रहे छात्र छात्राओं के अनुसार, छात्र को कॉलेज परिसर में दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। बीच-बचाव करने पहुंचे अन्य छात्रों के साथ भी अभद्रता करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

इस घटना से आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ परिसर में ही प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल में लंबे समय से भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है और साफ-सफाई की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। शिकायत करने पर छात्रों को प्रताड़ित किया जाता है।

छात्रों द्वारा हंगामा करने की सूचना पर उप जिलाधिकारी आनंद तिवारी, क्षेत्राधिकारी संगम कुमार, कोतवाल सुधीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और

छात्रों को समझातीं चेयरपर्सन।

बातचीत की। दबाव बढ़ने पर कालेज की चेयरपर्सन मधुलिका सिंह ने आरोपी वार्डन को हटाने की बात कहकर मामला शांत कराया। हालांकि कुछ ही देर बाद परिसर में छात्रों का फिर से जमावड़ा हुआ और वह आरोपियों के खिलाफ लिखित रूप में कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। एसडीएम, सीओ फिर कालेज पहुंचे और छात्रों को समझाया-बुझाया। सीओ सिटी संगम कुमार ने बताया कि छात्र कार्रवाई की मांग कर रहे थे, आरोपी वार्डन को हटा दिया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

बरेली के भुता ब्लॉक से शैक्षिक भ्रमण पर आए छात्र-छात्राएं अमृत विचार प्रिंटिंग प्रेस में अखबार छपने की प्रक्रिया समझाते हुए।

छात्र-छात्राओं ने अमृत विचार अखबार को बनते हुए देखा

बरेली, अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार मिशन के तहत एक्सपोजर विजिट पर भुता ब्लॉक के जूनियर हाईस्कूल के 100 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने बीईओ शशांक शुक्ला के नेतृत्व में गुरुवार सुबह आईवीआरआई कैंपस का भ्रमण किया। हिन्दी दैनिक अमृत विचार के कार्यालय व प्रिंटिंग प्रेस पहुंचकर अखबार छपने की प्रक्रिया देखी। अखबार के दफ्तर पहुंचने पर बीईओ, शिक्षकों व छात्रों का अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार ने स्वागत किया और उन्हें अमृत विचार अखबार की विकास यात्रा व भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी। भ्रमण के बाद बीईओ ने अमृत विचार टीम का आभार जताया। अखबार छपने की प्रक्रिया देखकर छात्र रोमांचित नजर आए। सीओओ पार्थो कुनार छात्रों व शिक्षकों को नियमित रूप से अपने घर पर अखबार मंगाने और उसे पढ़ने की शपथ दिलाई। भुता ब्लॉक के उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों के छात्रों का गुरुवार का दिन कौतूहल भरा रहा। शैक्षिक भ्रमण पर निकले छात्रों व शिक्षकों ने गुरुवार को पीलीभीत रोड पर स्थित अमृत विचार अखबार के कार्यालय पहुंचकर अखबार बनने की प्रक्रिया देखी। खबरों के लिखने, संपादन, चयन व पेजीनेशन की प्रक्रिया देख रोमांचित हुए। बच्चों ने जाना कि वह सुबह जो अखबार पढ़ते हैं वह बनता कैसे है। अमृत विचार की टीम ने बच्चों को अखबार छपाई की प्रक्रिया बतायी। खबरों की रिपोर्टिंग, प्रसार विभाग, मार्केटिंग, ब्रांड व प्रोडक्शन विभाग की कार्यप्रणाली बतायी गयी। एआरपी फहीम अहमद, विमल अवस्थी, वीरेंद्र तोमर ने कहा कि बच्चों ने यूनिट का भ्रमण कर काफी कुछ सीखा। बच्चों ने कहा कि प्रेस भ्रमण कर उन्हें अच्छा लगा। इस मौके पर विकास शुक्ला व अन्य शिक्षकों का अतुलनीय सहयोग रहा।

देहरादून : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार को लोकभवन देहरादून में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से शिष्टाचार भेंट की। ● अमृत विचार

हिंदुस्तान में हो रही गजवा ए हिंद कायम करने की साजिश

बोले रामदेव

राम मंदिर परिसर का अवलोकन करते स्वामी रामदेव व साथ में मौजूद ट्रस्ट महासचिव चंपत राय।

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: योग गुरु बाबा रामदेव ने प्रयागराज माघ मेले में संगम स्नान को लेकर चल रहे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद विवाद को लेकर कहा कि सनातन के शत्रु बहुत हैं, आपस में विवाद न करें। कुछ लोग हिंदुस्तान में गजवा ए हिंद कायम करना चाहते हैं।

योग गुरु बाबा रामदेव बृहस्पतिवार रात अयोध्या में राम वल्लभा कुंज मंदिर पहुंचे थे, शुक्रवार सुबह योग शिविर के माध्यम से लोगों को सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए भी जागरूक किया। राम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला व हनुमान गढ़ी में भी दर्शन किये। कहा कि अयोध्या जी हमारा पवन धाम है। श्री राम की जन्मभूमि महातीर्थ है। विदेशी आक्रांताओं ने यहां विध्वंस मचाया था। इसलिए तीर्थ राजप्रयाग में स्नान करके अयोध्या के राम बल्भाकुंज में महंत रामशंकर दास वेदांती के जन्म दिवस पर उनके आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अयोध्या आए हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शन करने के साथ रामत्व की प्रतिष्ठा जन-जन में हो। तब सनातन का गौरव अपने जीवन प्रतिष्ठाकृत होगा। सनातन केवल शाब्दिक नहीं हैं। यह कथनों और प्रवचनों ने नहीं जीवन में उतरे, श्री राम और उनकी मर्यादा हमारे जीवन में उतरे।

जालान्स समूह के स्टोर का उद्घाटन करते मंत्री नंद गोपाल नंदी। ● अमृत विचार

लखनऊ में खुला जालान्स समूह का 9वां स्टोर

लखनऊ, अमृत विचार : जालान्स समूह ने अपने निरंतर विस्तार की श्रृंखला में एक और कदम बढ़ाते हुए शुक्रवार को अपना 9वां स्टोर लखनऊ में खोला। इसका उद्घाटन औद्योगिक विकास, निर्यात संवर्धन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने किया। प्रेसवार्ता में जालान्स के निदेशक कृष्ण कुमार जालान ने बताया कि ग्राहकों की संतुष्टि और उत्तम गुणवत्ता ही हमेशा से प्रतिष्ठान की पहचान रही है।

ऑल इंडिया काइट टूर्नामेंट में 32 टीमें दिखाएंगी जलवा

लखनऊ, अमृत विचार : राजधानी में 24 से 26 जनवरी तक संस्कृति विभाग एवं ऑक्सीजन मैन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में ऑल इंडिया काइट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश भर से 32 टीमें भाग ले रहे हैं।

इसका आयोजन लखनऊ के स्मृति उपवन स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में किया जाएगा। शुभारंभ के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं गृहमंत्री अमित शाह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की घोषणा ऑक्सीजनमैन राजेश कुमार जायसवाल ने रकाबगंज चौराहे स्थित आरके पैलेस में एक प्रेस वार्ता में की। उन्होंने बताया कि लखनऊ में होने जा रहे इस भव्य आयोजन में मुख्य उद्देश्य है कि पतंग के शौक और खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा मिले, सरकार द्वारा लगातार इस तरह की प्रतियोगिताओं का लगातार आयोजन होता रहता है। इस प्रतियोगिता में विकास लखनऊ, तोपखाना जयपुर, नवाब लखनऊ, शिवा रायबरेली, एएचसी लखनऊ, जय हो कानपुर, शीशमहल लखनऊ, शाकिर मुरादाबाद, आशियाना लखनऊ समेत अन्य टीमें भाग लेंगी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

युवा शक्ति का सामर्थ्य, विकसित भारत की पहचान

सरकारी सेवाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की एक राष्ट्रव्यापी पहल

रोजगार मेला

देश भर में 45 स्थानों पर सरकारी सेवाओं में चयनित
61,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा
24 जनवरी, 2026 | प्रात: 11:00 बजे

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से

भारत सरकार और सहयोगी राज्य सरकारों द्वारा मिलकर रोजगार के लाखों नए अवसरों का सृजन

महिलाओं, दिव्यांगजनों और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को विशेष लाभ

राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की बढ़ती सहभागिता से 'नागरिक प्रथम' के संकल्प की सिद्धि

समान अवसरों के लिए 13 क्षेत्रीय भाषाओं में भर्ती परीक्षाओं की सुविधा

यूपीएससी के 'प्रतिभा सेतु' पोर्टल से प्रतिभाशाली युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध

पारदर्शी एवं समयबद्ध नियुक्ति प्रक्रिया सुनिश्चित एवं पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून लागू

यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड और आईबीपीएस जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियों के माध्यम से नियुक्तियां

i-GOT कर्मयोगी पोर्टल पर 4200+ से अधिक उच्च गुणवत्ता पाठ्यक्रमों से 1.47 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी पा रहे प्रशिक्षण

CBC 19101/13/0029/2526

DD NEWS
डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

प्रशिक्षण संबंधी अधिक जानकारी के लिए कर्मयोगी मॉड्यूल वेबसाइट https://portal.igotkarmayogi.gov.in/ पर जाएँ या QR कोड को स्कैन करें

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 24 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

विधायक ने विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

कुशीनगर, अमृत विचार : विधायक हाटा मोहन वर्मा ने क्षेत्र के ग्राम सकरौली व भिस्वां बाजार में परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह सब भाजपा की डबल इंजन की सरकार से संभव है। जनता की अपेक्षाओं को देखते हुए हमने प्राथमिकता के आधार पर इन योजनाओं को स्वीकृत कराया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान अवनीश उर्फ लड्डू जायसवाल, भाजपा नेता मुंशी सिंह, राजकुमार जायसवाल, सोनू जायसवाल, सहित अन्य लोग व भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कुशीनगर का दौरा करेंगे मंत्री दिनेश प्रताप

कुशीनगर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व जनपद के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का कुशीनगर भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार प्रातः 8 बजे लखनऊ स्थित आवास से प्रस्थान कर दोपहर 1 बजे जनपद कुशीनगर पहुंचेंगे। जनपद आगमन के पश्चात वे उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन जिला स्टेडियम, रविन्द्रनगर, कुशीनगर में किया जाएगा। कार्यक्रम उपरान्त अपराह्न 02 बजे कुशीनगर से रायबरेली के लिए प्रस्थान करेंगे।

डॉ. अभिषेक ने थामा शिवसेना का दामन

संतकबीरनगर, अमृत विचार। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बालासाहेब ठाकरे की जन्म-जयंती के पावन अवसर पर खलीलाबाद में शिवसेना द्वारा भव्य संगठनात्मक एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिवसेना के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की सहभागिता देखने को मिली। डॉ. अभिषेक पांडेय ने प्रदेश महासचिव शिवसेना उत्तर प्रदेश लल्लन दुबे की उपस्थिति में औपचारिक रूप से शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की।

नेताजी के विचार आज भी प्रासंगिक : कन्हैया

जयंती पर जिला मुख्यालय स्थित सनई चौराहे पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। स्वाधीनता आंदोलन के महानायक नेताजी' सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती(पराक्रम दिवस) के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित सनई चौराहे पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सनई चौराहे पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते लोग।

जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा भारत के क्रांतिकारियों के सिरमौर के रूप में 'नेताजी' सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा दी। उनका विराट व्यक्तित्व हर भारतीय को प्रभावित करता है। देश के प्रति उनकी सेवाओं के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए 'नेताजी' की पावन स्मृतियों को नमन। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी, जिला मिडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, अरविंद उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य, जिला मंत्री फतेबहादुर सिंह, फूलचंद जायसवाल, संतोष शुक्ला, सौरभ त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष महेश वर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, रमेश मणि त्रिपाठी, महेंद्र लोधी, राजेश दूबे, अरविंद पाण्डेय, आशीष दुबे, सभासद राजाराम लोधी, सतीश रस्तोगी आदि लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा टीम समर्पण के नेतृत्व में सनई चौराहा स्थित नेता जी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा महर्षि दयानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय की दो प्रतिभावान छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप साइकिल देकर सम्मानित किया गया।

शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वसंत पंचमी व नेताजी की जयंती पर हुआ आयोजन

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के लोअर हाल में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों स्वामी विवेकानन्द एवं रानी लक्ष्मीबाई द्वारा शुक्रवार को वसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती का संयुक्त आयोजन श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा, अर्चना एवं वन्दना से हुई, जिसमें छात्राओं ने सरस्वती वन्दना एवं भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरविन्द कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में नेताजी के जीवन, विचारों और राष्ट्रप्रेम पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नेताजी केवल एक महान स्वतन्त्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के गहरे अध्येता भी थे। वे मां सरस्वती को ज्ञान, विवेक और प्रेरणा की देवी मानते थे और शिक्षा को राष्ट्रनिर्माण का मूल आधार मानते थे।

ब्लूमिंग बड्स स्कूल में सरस्वती पूजन करतीं एमडी पुष्पा चतुर्वेदी।

वसंत पंचमी पर ब्लूमिंग बड्स स्कूल में उल्लास

संतकबीरनगर, अमृत विचार। बसंत पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को ब्लूमिंग बड्स स्कूल की मेन ब्रांच एवं इंडस्ट्रियल एरिया ब्रांच में भव्य एवं आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगे फूलों व पतंगों से सजाया गया, जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना से हुआ। मंत्रोच्चार, भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं पीले गणवेश में सुसज्जित नजर आईं। कार्यक्रम का संचालन प्रयाग नारायण शुक्ला, अमित राय, रीमा शुक्ला एवं ओमप्रकाश मिश्रा द्वारा किया गया। प्रभा सेवा समिति द्वारा संचालित विद्यालय की प्रबंध निर्देशिका पुष्पा चतुर्वेदी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर विद्यालय परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विधायक ने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्षगांठ पर बांटे कंबल और कराया भंडारा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सदर विधायक ने प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रम कराया। हिन्दू धर्म के आस्था के प्रतीक अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम जी के भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर सदर विधायक श्यामधनी राही के अगुवाई में ग्राम धौरीकुइयां स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में सुंदर काण्ड पाठ एवं भव्य भण्डारे का आयोजन किया गया।

कंबल वितरण करते सदर विधायक श्यामधनी राही।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने प्रभु श्रीराम की आराधना करते हुए भारत माता की जय तथा जय श्री राम का जयघोष किया। तो वहीं उक्त कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने भण्डारे का प्रसाद भी ग्रहण किया। वहीं विधायक ने उपस्थित साधु संतों को कम्बल वितरण भी किया। कार्यक्रम के विधायक श्यामधनी राही ने बताया कि सनातन स्वाभिमान की पुनर्स्थापना के गौरवपूर्ण प्रतीक श्री राम जन्मभूमि मंदिर के स्थापना दिवस पर समस्त हिन्दू जनमानस को बधाई एवं शुभकामनाएं। यह पावन अवसर सत्य, धर्म, आस्था और राष्ट्रीय चेतना के विजय प्रतीक के रूप में युगों युगों तक मानवता को प्रेरणा देता रहेगा।

तीन दिवसीय प्रसिद्ध धनुष महायज्ञ का आयोजन

ककरहवा, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बर्डपुर विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत झंगटी में विगत वर्षों से आयोजित होने वाला प्रसिद्ध धनुष महायज्ञ मेला इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह मेला क्षेत्र का प्राचीन और धार्मिक महत्व वाला आयोजन माना जाता है। धनुष महायज्ञ का शुभारंभ 30 जनवरी से होगा, जो 1फरवरी तक तीन दिनों तक चलेगा। आयोजन के अंतिम दिन 1 फरवरी, रविवार को धनुष खंडन एवं राम विवाह का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है।

गणतंत्र दिवस समारोह और कुंभ को लेकर सीमा पर एजेंसियां अलर्ट

ककरहवा, सिद्धार्थनगर अमृत विचार। गणतंत्र दिवस और प्रयागराज में आयोजित कुंभ को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमा अंतर्गत ककरहवा बॉर्डर से आने-जाने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। सुरक्षा बलों ने सीमा से सटे पीलर संख्या- 544 ककरहवा सीमा से फसदीपुर गांव तक पैदल मार्च कर भारत नेपाल सीमा का अवलोकन किया एंव सुरक्षा का जायजा भी लिया। बॉर्डर पर सतर्कता बढ़ाते हुए यात्रियों की गहन जांच की जा रही है तथा हर आने जाने वालों की पहचान पत्रों की सख्ती से जांच हो रही है।

अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचालन 30 से

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिए 15671/15672 कामाख्या- रोहतक-कामाख्या अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचालन कामाख्या से 30 जनवरी से प्रत्येक शुक्रवार को तथा रोहतक से 1 फरवरी से प्रत्येक रविवार को किया जायेगा। बता दें कि अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। यह ट्रेन आकर्षण डिज़ाइन और आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट उ0प्र0 लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ।

दूरभाष: 2436504-0522, ई-मेल: ati.cad-up@gov.in

ई-निविदा संख्या-01(ई)/ए0टी0आई0/2025-26 की सूचना

एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट उ0प्र0 में निम्नलिखित कार्य को कराये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	प्रतिभूति धनराशि	निविदा अपलोड की तिथि	निविदा खुलने की तिथि	कार्य पूर्ण करने का समय
1	एयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के जिम्नेजियम हाल, बालक छात्रावास के सीवर लाइन बदलने, वार्डेन हाउस की मरम्मत तथा ए0टी0 आई0 टाइप -2 की सीवर लाइन बदलने एवं विभिन्न सिविल कार्य आदि	16.52 लाख	800.00	33000.00	23-01-2026	29-01-2026	2 माह

इच्छुक संस्थाए उत्तर प्रदेश के ई-टेण्डर की पोर्टल बेवसाइट http://etender.up.nic.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर निर्धारित शुल्क और धनराशि (ई- टेण्डर के नियमानुसार) के साथ निविदा दिनांक 29-01-2026 13:00 बजे तक डाल सकते है। ई-निविदा उसी तिथि को 13:30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष खोली जायेगी। निदेशक को निविदा बिना कारण बताये निरस्त को पूर्ण अधिकार होगा।

(निदेशक)

UP-244665 दिनांक 23.01.2026 विज्ञापन
वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय-प्रक्षेत्र प्रबन्धक राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगॉव-सीतापुर

पत्रांक- 1154/फसल कटाई-मड़ाई पत्रा0/नीलगांव/2025-26/ दिनांक - 17.01.2026

निविदा निरस्तीकरण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र नीलगांव -सीतापुर द्वारा रबी फसल वर्ष 2025-26 में जई बीज फसल क्षेत्रफल 180.00 हेक्टेयर की कम्बाइन मशीन से कटाई-मड़ाई व बीज प्रक्षेत्र गोदाम तक पहुॅचाने हेतु निविदा दिनांक 23.01.2026 को दिन के 12.00 बजे आमंत्रित की गयी थी।

उक्त निविदा को अपरिहार्य कारणों से तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है। उपरोक्त कार्य हेतु अब पूर्व में प्रकाशित सूचना के आधार पर कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। भविष्य में इनके सम्बंध में नवीन सूचना पृथक से सरकारी ई-मार्केट प्लेस (Gem) पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

भवदीय
(डॉ0 सुनील कुमार) प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
नीलगांव-सीतापुर।

UP-244388 दिनांक 22.01.2026 विज्ञापन
वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री ने विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन कर ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। श्री मोदी ने इस अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि केरल के विकास के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों को आज नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि केरल में रेल संपर्क को ज्यादा मजबूत किया गया है। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम को बड़े स्टार्टअप केंद्र के रूप में परिवर्तन करने के लिए उपाय किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड के शुभारंभ के साथ ही केरल से गरीबों के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी पहलकदमी की शुरुआत हुई

है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि इससे देश भर में रेहड़ी-पटरी वाले विक्रेताओं और फुटपाथ पर काम करने वालों को लाभ होगा। उन्होंने इन विकास और रोजगारोन्मुख पहलकदमियों के लिए केरल के निवासियों और समूचे राष्ट्र के नागरिकों को बधाई दी।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सुचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/ जोन	Lucknow-NR-Division- Commercial/ Northern Railway
नीलामी सूची सं0	MPS-LKO
कार्य का विवरण	Allotment of Multi-Purpose Stall at Lucknow Railway Station of Lucknow Division for a period of five (05) years
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	21.01.2026
नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लॉट)	09.02.2026 at 11:00 hrs.
नीलामी बंद करने कि तिथि व समय	09.02.2026 at 11:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहा पंजीकृत बोलीदातायो द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 254/2026

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी जनपद सुलतानपुर

पत्रांक-मु0चि0अ0/निविदा/प्रकाशन/2025-26/8134-5 दिनांक 19.01.2026

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 हेतु अधोहस्ताक्षरी कार्यालय द्वारा कॉन्करेन्ट आडिटर के चयन हेतु निविदा जेम पोर्टल पर कस्टम जेम बिड के माध्यम से दिनांक 19.01.2026 को अपलोड की जा चुकी है। जिसका विवरण निम्नलिखित है-

कंण्स0	विवरण	जेम निविदा आई0डी0 संख्या	जेम निविदा ऑनलाइन जमा करने की आरम्भ तिथि व समय	जेम निविदा ऑनलाइन जमा करने की अन्तिम तिथि व समय
1	कॉन्करेन्ट आडिटर का चयन वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25	Custom GeM Bid No. GEM/2025/B/6990187	19.01.2026 (2:30 PM)	03.02.2026 (05.00 PM)
2	कॉन्करेन्ट आडिटर का चयन वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27	Custom GeM Bid No. GEM/2025/B/7124782	19.01.2026 (2:30 PM)	03.02.2026 (03.30 PM)

UP-244416 दिनांक 22.01.2026 विज्ञापन
वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डा0 भारत भूषण) मुख्य चिकित्सा अधिकारी
जनपद-सुलतानपुर।

महाप्रबंधक सहित रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया रक्तदान

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय स्थित साउथ डिस्पेंसरी में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने स्वयं रक्तदान कर किया। उन्होंने उपस्थित रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम जनमानस को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। सचिव/महाप्रबन्धक आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह सहित भारी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों ने रक्तदान कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया। रक्तदान शिविर में कुल 74 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार, वरिष्ठ रेल अधिकारी, कर्मचारी, आईआरईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एन.ई. रेलवे मेंस कांग्रेस के केंद्रीय अध्यक्ष अखिलेश पांडे तथा एन.ई. रेलवे मेंस कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे।

शिविर में रक्तदान करते महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर। अमृत विचार

गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन कल

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में 25 जनवरी को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शाम 5 बजे पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के तत्त्वावधान में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत तथा कला समिति एवं पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड्स द्वारा देशभक्ति पर आधारित लघु नाटक प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेंड्री स्कूल, एन.ई. रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल एवं एन.ई. रेलवे बालिका इंटर कालेज, गोरखपुर के छात्र/छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित समूह नृत्य प्रस्तुती की जायेगी।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

उधना जं.-अयोध्या कैंट-उधना जं. के बीच विशेष रेलगाड़ी का संचालन

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा उधना-अयोध्या कैंट-उधना के बीच एक विशेष रेलगाड़ी संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

09093/09094 उधना जं.-अयोध्या कैंट-उधना जं. विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक)				14 फेरे
रेलगाड़ी सं. 09093		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09094	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	07:25	उधना	17:15	---
08:19	08:21	भरुच जं.	15:41	15:43
09:55	10:00	वडोदरा जं.	14:20	14:30
11:05	11:07	गोधरा जं.	12:20	12:22
13:35	13:45	रतलाम जं	09:40	09:50
14:23	14:25	नागदा जं	08:58	09:00
15:25	15:30	उज्जैन जं.	07:58	08:03
16:30	16:32	मक्सी जं.	07:21	07:23
18:00	18:02	सीहोर	06:19	06:21
18:45	18:50	संत हिरदाराम नगर	05:55	06:00
22:00	22:05	बीना जं	03:20	03:25
00:55	01:00	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी जं.	00:45	00:50
02:15	02:17	उरई	22:25	22:27
05:45	05:50	कानपुर सेंट्रल	20:45	20:50
07:35	07:45	लखनऊ जं.	18:30	18:40
08:25	08:30	बाराबंकी जं.	17:10	17:15
10:30	---	अयोध्या कैंट	---	14:45

चलने के दिनः 09093 उधना से दिनांक 13.02.2026 से 27.03.2026 तक (प्रत्येक शुक्रवार) को और 09094 अयोध्या कैंट से दिनांक 14.02.2026 से 28.03.2026 तक (प्रत्येक शनिवार) को।

स्थानः 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

268/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सीतापुर

पत्रांक- मु0चि0अ0/एन0यू0एच0एम0/विज्ञप्ति/U-AAM/भवन/2025-26/8484 दिनांक - 20.01.2026

प्रेस-विज्ञप्ति

PM-ABHIM योजना के अन्तर्गत जनपद सीतापुर के शहरी क्षेत्रों में जहां की आच्छादित जनसंख्या (लगभग 15,000 से 20,000) की हो, के अन्तर्गत मलिन बस्तियों या उनके करीब हो में 8 (आठ), U-AAM (अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर) को स्थापित किये जाने एवं किराये के भवनों में अनुबन्ध के तौर पर चलाये जाने हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त हुये है।

निम्नलिखित क्षेत्रों में अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर खोले जाने हेतु भवन/स्थान की आवश्यकता है -

क्र.सं.	स्थान (वार्ड/मोहल्ला) जहां पर अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर हेतु भवन उपलब्ध कराया जाएगा	स्थापित किए जाने वाले अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर की संख्या	शहर का नाम	आवश्यक न्यूनतम कारपेट एरिया (वर्ग फुट)	
1	आवास-विकास कालोनी,,बेगम बाग, कटहलीबाग,परेड, पुलिस लाइन	1	सीतापुर	ओ.पी.डी. रूम	100 वर्ग फुट
2	पं0 गंगाधर मिश्र नगर, चौबगा, रोटी गोदाम, ब्रम्हपुरी कालोनी।	1		औषधि भण्डार एवं वितरण कक्ष	80 वर्ग फुट
3	खूबपुर, काशीराम कालोनी।	1		टीकाकरण/काउन्सिलिंग कक्ष	80 वर्ग फुट
4	मन्नी चौराहा, तारक नाथ मन्दिर, तरीनपुर।	1		स्टॉफ नर्स एवं पंजीकरण कक्ष	100 वर्ग फुट
5	इस्लाम बाग, मिर्दही टोला, तिवारी चौराहा।	1		वेटिंग रूम व पंजीकरण	210 वर्ग फुट
6	मिश्रपुर, जोशी टोला, बदायूं टोला, पुरबिया टोला, टांडा सलार, काशीराम कालोनी।	1	लहरपुर	वेलनस कक्ष	250 वर्ग फुट
7	अमर नगर, झज्झर प्रथम एवं द्वितीय, पटेल नगर, काशीराम कालोनी, नहर कालोनी।	1	बिसवां	योग	1100 वर्ग फुट
8	मोहल्ला रन्नूपुर प्रथम,रन्नूपुर द्वितीय, दौलतपुर, खाकी सराय।	1	मिश्रिख कम मैमिषारण्य		

आवश्यक निर्देश :- 1. राज्य स्तर से लिये गये निर्णय के क्रम में अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के भवन में कम से कम 04 कमरे होने चाहिये। 2. कॉरपेट एरिया का न्यूनतम 25 से 30 प्रतिशत अंश दीवार एवं सर्कुलेशन का होता है, इस प्रकार भवन का कुल क्षेत्रफल न्यूनतम 1400 वर्गफीट होगा। 3. अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर हेतु ऐसी जगह स्थापित किये जाये जहां से कोई भी नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र 2 से 3 किलोमीटर के भीतर नहीं होना चाहिए। 4. भवन का किराया उस क्षेत्र के डी0एम0 सर्किल रेट या रू0 50,000/-जो कम हो, उसके अनुसार प्रतिमाह देय होगा। आवश्यकतानुसार भवन की संख्या घट/बढ. एवं अन्य स्थान पर हो सकती है। उपरोक्त भवन के अन्तिम चिन्हीकरण हेतु जिला स्वास्थ्य समिति का निर्णय मान्य होगा। इच्छुक भवन स्वामी (भवन के पूर्ण विवरण सहित) आवेदन दिनांक 27.01.2026 से 27.02.2026 तक नजदीकी नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सीधे अथवा कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, एन0एच0 24, हुसैनगंज, धनीपुर,, निकट होटल मेलरोज सीतापुर, पिन कोड-261125 पर स्पीड-पोस्ट/पंजीकृत डाक/कार्यालय के कक्ष संख्या 03 (डाक डिस्पैच कक्ष) में जमा कर सकते हैं।

नोट-भवन के मानक एवं शर्तो का विवरण जनपद की राजकीय वेबसाईट sitapur.nic.in पर उपलब्ध है।

मुख्य चिकित्साधिकारी
सीतापुर।

UP-244411 दिनांक 22.01.2026 विज्ञापन
वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

आयोजन | महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता

खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए

गोरखपुर, अमृत विचार। महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक के तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के तीसरे दिन की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना से हुई। संस्था के प्रधानाचार्य डॉक्टर अनिल प्रकाश सिंह ने शिक्षकों एवं कार्मिकों के साथ बसंत पंचमी पर मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में खेलों का महत्व केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तित्व के सम्पूर्ण विकास में सहायक होता है। खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए ताकि हम एक स्वस्थ, खुशहाल और सफल जीवन जी सकें।

प्रतियोगिताओं में 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में प्रथम रोहित सिंह, द्वितीय स्थान पर अमन सिंह, तृतीय स्थान पर उत्कर्ष यादव रहे। 200 मीटर दौड़ : बालक वर्ग में प्रथम विवेक, द्वितीय रोहित सिंह , तृतीयः सतपाल राणा रहे। लंबी कूद बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर विजय लक्ष्मी यादव, द्वितीय : नासरीन खातून, तृतीयः शुभांगी। 400 मीटर दौड़ बालक वर्ग प्रथम अमन कुमार विश्वकर्मा, द्वितीयः सूरज यादव, तृतीयः सत्यपाल राणा। 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग प्रथम नासरीन खातून, द्वितीयः शुभांगी पटेल, तृतीयः सांदली गौतम। इसी तरह अन्य खेलों में रोमांचक प्रदर्शन देखने को मिले।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे भागवत

रांची। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय झारखंड दौरे के तहत शुक्रवार को रांची पहुंचे। वह अपने राज्य प्रवास के दौरान संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लेंगे और आदिवासी समूहों के साथ बातचीत करेंगे। आरएसएस पदाधिकारी ने बताया कि झारखंड की राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान, भागवत शनिवार को विभिन्न आदिवासी समूहों और उनके प्रतिनिधियों के साथ जनजातीय संवाद शीर्षक से एक बंद कमरे में बैठक करेंगे। इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेताओं सहित लगभग 500 लोग उपस्थित रहेंगे। भागवत शुक्रवार शाम को आरएसएस कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात करेंगे।

पर्यटक वाहन-बस की टक्कर में तीन की मौत

उडुपी। उडुपी जिले में शुक्रवार को एक बस और पर्यटकों के एक वाहन के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मियार के पास करकला-बजागोली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई टक्कर इतनी भीषण थी कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में कई अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही करकला पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। दुर्घटना के कारण इस मार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

मछुआरों ने तीन व्हेल शार्क की जान बचाई

त्रिशूर। तिरुवनंतपुरम तट के किनारे पर बिछाए गए मछली पकड़ने के जालों में गलती फंसी तीन व्हेल शार्क मछलियों को स्थानीय मछुआरों ने वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट की मदद से बचा लिया। बचाव अभियान कोचुथोप्पु, वेदुकाडु और कोचुवेली - तीन स्थानों पर कुछ ही घंटों में पूरा किया गया। बचायी गयी इन शार्क मछलियों में दो नर और एक मादा शामिल है जिनकी लंबाई लगभग 12 फीट, 16 फीट और 20 फीट हैं। केरल तट के मछुआरों ने अब तक 54 व्हेल शार्क की जान बचाने में मदद की है। डब्ल्यूटीटी के सहायक अजीत कुमार ने कहा कि यह पहली बार है जब एक ही दिन में अलग स्थानों से तीन व्हेल शार्क को बचाया गया है।

केरल निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार, कांग्रेस पर लगाया सांप्रदायिकता का आरोप

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री का स्वागत करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व अन्य नेता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने केरल के तिरुवनंतपुरम के पुथरीकंडम मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश करने के लिए तैयार है और जनता का मौजूदा मिजाज स्पष्ट रूप से दशकों की विभाजनकारी राजनीति से आगे बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है।

मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम प्रधानमंत्री ने कहा- भाजपा नेतृत्व संभालने के लिए तैयार, कांग्रेस पर लगाया सांप्रदायिकता का आरोप चुनावों में भाजपा की हालिया जीत का जिक्र करते हुए इसे ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इसने केरल में पार्टी के विस्तार और विकास की नींव रखी है। उन्होंने कहा, जो सालों से नहीं बदला, वह अब बदलेगा। जो गुजरात की एक नगर पालिका से शुरू हुआ था, वह अब तिरुवनंतपुरम में जड़ें जमाएगा और पूरे केरल में फैलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य की राजधानी का चुनावी फैसला सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों के प्रति जनता के बढ़ते मोहभंग को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले इन दो मोर्चों ने दशकों तक ''फिक्स्ड मैच'' खेला है, जिसने विकास को रोक दिया और युवाओं से अवसर छीन लिए। उन्होंने कहा, केरल अब भ्रष्टाचार, कुशासन और राजनीतिक अवसरवाद से मुक्ति चाहता है।

मोदी ने आंशिक रूप से मलयालम में बोलते हुए आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व में तिरुवनंतपुरम में तेज विकास और उत्तरदायी शासन देखने को मिलेगा। उन्होंने गुजरात के साथ तुलना करते हुए याद किया कि कैसे भाजपा को वहां बार-बार हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन जनता का विश्वास जीतकर वह एक प्रमुख राजनीतिक ताकत बनकर उभरी। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी कार्यकर्ता प्रतिबद्ध रहें तो केरल में भी ऐसा ही बदलाव संभव है। मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि पार्टी ने अपना विकास का एजेंडा छोड़ दिया है और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केरल को सांप्रदायिक प्रयोगों की प्रयोगशाला बना दिया गया है। राज्य को अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए ऐसे प्रभावों से मुक्त होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ को भी निशाने पर लिया और उन पर केरल के सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान न करने तथा भ्रष्टाचार के माध्यम से जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने सहकारी बैंक घोटालों सहित कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए कहा कि आम नागरिकों की बचत को जोखिम में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा, भाजपा को एक मौका दें। जनता से लूटा गया एक-एक रुपया वसूल किया जाएगा।

विजयन ने ओडिशा में पादरी पर हमला याद दिलाया

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से माकपा और एलडीएफ सरकार की आलोचना पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा शासित ओडिशा के ढेंकनाल जिले में धर्मांतरण के आरोपों को लेकर एक पादरी पर हुए क्रूर हमले हमले का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ओडिशा में पादरी पर क्रूर हमला कोई छोटी घटना नहीं है, यह संघ परिवार द्वारा सुनियोजित रूप से फैलाई जा रही हिंसा और नफरत को दर्शाती है। किसी मनुष्य को गोबर खिलाना घोर अमानवीय कृत्य है, जिसे भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों की चुप्पी से बढ़ावा मिल रहा है। विजयन ने यह भी कहा कि जब देश में धर्म प्रचारक ग्राहम स्टेन्स और उनके दो छोटे बेटों की जघन्य हत्या के 27 वर्ष पूरे हो रहे हैं। सिर्फ ओडिशा में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने पर लगातार हमले हो रहे हैं।

कर्नाटक में फिर से चलेंगी बाइक टैक्सी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य में बाइक टैक्सी पर लगा प्रतिबंध शुक्रवार को हटा दिया, जिससे इन सेवाओं को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि उन्हें अभी तक आदेश की प्रति नहीं मिली है और वह इसकी समीक्षा करने के बाद ही कोई टिप्पणी करेंगे। हालांकि, उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एकल पीठ का आदेश रद्द कर दिया है। मंत्री ने कहा कि उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने बाइक टैक्सी पर रोक लगा दी थी। अब खंडपीठ ने उस आदेश को रद्द करते हुए अपील स्वीकार कर ली है। एक बार फैसले की प्रति आ जाने दीजिए, मैं इसे पढ़कर आप सभी से चर्चा करूंगा। कंपनी उबर ने अदालत के इस फैसले का स्वागत किया है। कहा कि हम कर्नाटक में बाइक टैक्सी को यात्री परिवहन के वैध माध्यम के रूप में मान्यता देने के माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हैं।

फोन टैपिंग मामले में बीआरएस नेता के टी रामाराव से पूछताछ

हैदराबाद, एजेंसी

- मामले की जांच कर रही तेलंगाना पुलिस की एसआईटी

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव, पूर्ववर्ती बीआरएस शासन के दौरान हुए कथित फोन टैपिंग मामले की जांच कर रहे तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष शुक्रवार को पेश हुए। रामाराव पूर्वाह्न लगभग 11 बजे यहां जुबली हिल्स थाने पहुंचे और उनसे शाम छह बजे तक पूछताछ की गई। बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के पुत्र रामाराव को एसआईटी के समक्ष उपस्थित होने के लिए गुरुवार को नोटिस जारी किया गया था।

हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी सी सज्जनार ने कहा कि मामले से संबंधित प्रासंगिक जानकारी (रामाराव से) प्राप्त कर ली गई है और रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्यों के साथ उसका विश्लेषण किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि रामाराव को निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी गवाह से संपर्क न करें और न ही उन्हें प्रभावित करें। उन्होंने बताया कि रामाराव को यह भी सूचित किया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें दोबारा तलब किया जा सकता है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह देखा गया है कि मीडिया के कुछ वर्गों और व्यक्तियों द्वारा भ्रामक एवं निराधार जानकारी फैलाई जा रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि फोन टैपिंग सुरक्षा कारणों से की गई थी और इसमें कोई गैरकानूनी गतिविधि शामिल नहीं थी। जांच एजेंसी ऐसी झूठी बातों से चिंतित नहीं है। एसआईटी के समक्ष पूछताछ पूरी होने के बाद बीआरएस कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए रामाराव ने दावा किया कि इस मामले में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच किसी टीवी सीरियल की तरह खिंचती जा रही है और उनसे बार-बार वही सवाल पूछे जा रहे हैं।

बीएमसी चुनाव में मतदाताओं को बांटे गए थे पैसे: उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाताओं को पैसे बांटे गए। उन्होंने शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुंबई में पहली बार पैसे का इस्तेमाल किया गया।

उन्होंने इस संबंध में कई जगहों से शिकायतें मिलने का जिक्र किया। उन्होंने विजयी महायुति गठबंधन पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए आरोप लगाया, अगर दरवाजा बंद था तो उन्होंने दरवाजे के नीचे की जगह से लिफाफे फेंके, लिफाफों में नकदी भरी हुई थी। उन्होंने पूछा, क्या आप महाराष्ट्र बेच रहे हैं। आप वोट खरीद सकते हैं लेकिन आप दिल कैसे खरीदेंगे, वे धड़कते दिल आज भी मेरे पास हैं। शिवसेना प्रमुख की शिवसेना के साथ हैं। आपने आज फिर यह दिखाया है।

सैनिकों के जोश और जज्बे को रोक नहीं सकी बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल • एजेंसी

- गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल गीली वर्दी में करते रहे मार्च

गीली वर्दी और गीले बूट पहने सैनिकों की टुकड़ियों ने शुक्रवार को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल किया। हालांकि लगातार गरज के साथ बौछारें पड़ने से कर्तव्य पथ पर कार्यक्रम में देरी हुई। राष्ट्रीय राजधानी के ऊपर घने काले बादल छाए रहने तथा बौछारों के साथ तेज हवाओं के बीच सैनिकों और सैन्य वाहनों का काफिला आगे बढ़ा, जबकि पैदल, घुड़सवार और टैंकरों के ऊपर सवार अधिकारी, तेज बारिश से बेपरवाह होकर ऊंचे झंडे लहराते हुए एक व्यवस्थित क्रम में आगे बढ़ते रहे।

दिल्ली में 2026 की पहली बारिश के साथ शुष्क शीत ऋतु का लंबा दौर आखिरकार शुक्रवार को समाप्त हो गया। यह बारिश इस मौसम के पहले शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई। इस प्रणाली के चलते तेज हवाएं चलीं, गरज के साथ बारिश हुई और समूची दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के स्तर से कुछ समय के लिए राहत मिली। भीगी हुई वर्दी और फिसलन भरी जमीन के बावजूद सैनिक पूरे जोश और अनुशासन के साथ कदम ताल करते हुए आगे बढ़े।

परेड के दौरान ऑपरेशन सिंदूर, ब्रह्मोस और अन्य सैन्य मिसाइल प्रणालियों की झांकियां गुजरीं, जो काले बादलों और बारिश की चादर के बीच अलग ही नजर आ रही थीं। पूरे मार्ग पर दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों के सुरक्षाकर्मी रेनकोट पहने हुए, लगातार बारिश के बावजूद इलाके की बारीकी से निगरानी करते और सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए देखे गए। रिहर्सल के दौरान कर्तव्य पथ के प्रमुख स्थानों पर कर्मचारी तैनात रहे। रिहर्सल देखने आए लोग बारिश जारी रहने के बावजूद बैठे रहे। कई लोगों ने बारिश से बचने के लिए छातों, टोपियों और प्लास्टिक की चादरों का इस्तेमाल किया, जबकि अन्य लोगों ने बारिश रुकने के दौरान अपनी बैठने की व्यवस्था और सामान को व्यवस्थित किया। कुछ लोगों ने अस्थायी आवरणों के नीचे कुछ देर के लिए शरण ली जबकि अन्य लोगों ने बैठे रहना पसंद किया, क्योंकि वे परेड देखने से चूकना नहीं चाहते थे।

हल्की बारिश हुई आसमान पर दिन भर छाए रहे बादल

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि सुबह आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहे साथ ही हल्की बारिश की एक या दो बार बौछारें भी हुईं। गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने के अलावा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। सुबह के शुरुआती घंटों में हल्का कोहरा भी देखा गया। आईएमडी के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे के बीच पालम में 12.6 मिलीमीटर, जनकपुरी में 12.5 मिलीमीटर, लोदी रोड पर 11.8 मिलीमीटर, रिज में 11.4 मिलीमीटर और सफदरजंग में 8.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि मयूर विहार में चार मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

अर्थव्यवस्था पर मोदी नहीं पड़ने दें कमजोरी का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

- राहुल गांधी ने कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान पर साधा निशाना

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले।

राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए। उनका कहना था, भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया, अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक पिस रहे हैं।

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ बब्बर खालसा के पांच आतंकी गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

- ढाई किलो आरडीएक्स बरामद, गणतंत्र दिवस पर धमाके की थी योजना

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि राज्य के विभिन्न इलाकों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) ने बब्बर खालसा के सदस्य शरणप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के साथ ही एक सुरक्षा प्रतिष्ठान पर होने वाले संभावित हमले को टाल दिया।

शरणप्रीत सिंह, तरन तारन के दिनेवाल गांव का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शरणप्रीत के पास से एक हथगोला, नौ एमएम की एम ग्लॉक पिस्तौल, पांच कारतूस और 65 ग्राम (मेथाम्फेटामाइन) मादक पदार्थ जब्त किया गया। डीजीपी यादव ने पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक और बड़ी सफलता की जानकारी देते हुए बताया कि होशियारपुर पुलिस ने जालंधर की काउंटर इंटेलिजेंस के साथ संयुक्त अभियान में बीकेआई के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से आरडीएक्स आधारित 2.5 किलोग्राम का एक विस्फोटक उपकरण और कारतूसों के साथ दो पिस्तौल जब्त की गईं।

पुलिस महानिदेशक यादव ने ''एक्स'' पर कहा कि इस आतंकी नेटवर्क का संचालन अमेरिका स्थित बीकेआई के संचालकों द्वारा किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बरामद आईईडी आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर लक्षित आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था। इस संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत होशियारपुर के गढ़शंकर पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने कहा कि होशियारपुर के गढ़शंकर से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दिलजोत सिंह सैनी, हरमन उर्फ हैरी, अजय उर्फ मेहरा और अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श कंधोला के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि शरणप्रीत विदेश में बैठे बीकेआई के आतंकियों निशान सिंह उर्फ निशान जौरियन, आदेशबीर सिंह उर्फ आदेश जमराई और सिमरनजीत सिंह उर्फ सिम्मा देओल के आदेश पर काम कर रहा था।

वसंत पंचमी पर धार के विवादित परिसर में अखंड पूजा, नमाज भी अदा की गई

धार के विवादित परिसर में वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा करने में भारी संख्या में लोग पहुंचे।

धार, एजेंसी

- अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए तैनात रहे पुलिस व अर्धसैनिक बलों के 8000 जवान

वसंत पंचमी पर शुक्रवार को धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में हिंदू समुदाय के हजारों लोगों ने वाग्देवी (देवी सरस्वती) की पूजा-अर्चना की। विवादित परिसर के एक अलग स्थान पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज भी अदा की। हिंदू त्योहार और जुमे की नमाज एक ही दिन पड़ने के कारण इस ऐतिहासिक शहर में किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए करीब 8,000 की तादाद में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी।

सूर्योदय के साथ ही विवादित परिसर में हिंदू श्रद्धालुओं के जुटने का सिलसिला शुरू हो गया था। स्थानीय संगठन ''भोज उत्सव समिति'' के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वाग्देवी (सरस्वती) का चित्र स्थापित करके पूजा शुरू की। इस दौरान हवन कुंड में आहुति डाल कर सूर्योदय से सूर्यास्त तक अखंड पूजा की शुरुआत की गई।

पूजा स्थल को फूलों की मालाओं और भगवा झंडों से सजाया गया था। विवादित परिसर के चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात थे। दिन चढ़ने के साथ ही विवादित परिसर में हिंदू पक्ष के श्रद्धालुओं की तादाद बढ़नी शुरू हो गई और दोपहर 12 बजे हजारों श्रद्धालु भगवा झंडे थामे शोभायात्रा के रूप में विवादित परिसर पहुंचे। इनमें बड़ी तादाद में महिलाएं भी शामिल थीं।

इस बीच, धार के जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में मुस्लिम समाज की ओर से नियत किए गए स्थान पर दोपहर एक बजे से तीन बजे के मध्य निर्विघ्न नमाज अदा की गई। हालांकि, इस बयान में नमाज में शामिल लोगों की संख्या और नमाज अदा करने के स्थान के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया। मुस्लिम समाज द्वारा दोपहर 1 से 3 बजे के बीच तय व्यवस्था के तहत नमाज अदा की गई। पुलिस ने विशेष वाहनों के जरिए नमाजियों को सुरक्षित रूप से परिसर तक पहुंचाया और नमाज के बाद वापस भेजा।

इस वर्ष वसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ने के कारण दोनों समुदायों ने विवादित परिसर में पूजा-अर्चना और नमाज के लिए दावा किया था। स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने बृहस्पतिवार को हस्तक्षेप किया और समय-विभाजन का स्पष्ट फॉर्मूला तय किया। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है।

साहित्य को समर्पित | राष्ट्रपति ने 11 भाषाओं में पुस्तकों व पांडुलिपि के लिए ग्रंथ कुटीर का किया उद्घाटन

शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय साहित्य ने किया दुनिया का मार्गदर्शन

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी है और विज्ञान, योग, आयुर्वेद तथा साहित्य के ज्ञान के माध्यम से सदियों से दुनिया का मार्गदर्शन किया है। कहा कि तिरुक्कुरल और अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथ आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं, जबकि पाणिनी का व्याकरण, आर्यभट्ट का गणित और चरक तथा सुश्रुत का चिकित्सा विज्ञान जैसे योगदान दुनिया को प्रेरित करते रहते हैं। इन भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं में संचित ज्ञान का भंडार हमें अपने समृद्ध अतीत से सीखने और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित करता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने औपनिवेशिक विरासत से छुटकारा पाने और भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 पुस्तकों और पांडुलिपियों के लिए एक समर्पित स्थान बनाने के राष्ट्रपति भवन के उपाय के तहत शुक्रवार को एक ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि इस संग्रह में तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषाओं की रचनाएं शामिल हैं तथा यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रतिबिंबित करता है।

इसमें कहा गया कि ग्रंथ कुटीर में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला वाली पांडुलिपियां और पुस्तकें हैं, साथ ही शास्त्रीय भाषाओं में भारत का संविधान भी है। इस संग्रह में ताड़ के पत्ते, कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हस्तलिखित लगभग 50 पांडुलिपियां भी शामिल हैं। हाल तक यहां विलियम होगार्थ की मूल कृतियों की सूची, लॉर्ड कर्ज़न ऑफ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्ज़न ऑफ केडलस्टन के प्रशासन का सारांश, लॉर्ड कर्ज़न का जीवन जैसी पुस्तकें रखी जाती थीं। अब इन्हें राष्ट्रपति भवन परिसर के भीतर एक अलग स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है और इन पुस्तकों को डिजिटाइज़ कर दिया गया है तथा इन तक शोधकर्ताओं और विद्वानों को ऑनलाइन पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। बयान में कहा गया, ग्रंथ कुटीर का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना और औपनिवेशिक प्रभावों से मुक्ति पाने के राष्ट्रीय संकल्प के साथ तालमेल बिठाना है।

यह पहल ज्ञान भारतम मिशन का भी समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य परंपरा और प्रौद्योगिकी को एकीकृत करके भारत की विशाल हस्तलिखित विरासत को संरक्षित करना, डिजिटाइज़ करना और प्रसारित करना है। केंद्र सरकार ने 2024 में मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया था।

थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर एएसआई को क्यों न दिया जाए: कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र, तमिलनाडु सरकार और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें एएसआई को थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर का नियंत्रण लेने और 'दीपथून' (पत्थर का स्तंभ) के ऊपर रोजाना दीया जलाने के बारे में निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर केंद्र, राज्य सरकार, एएसआई को नोटिस जारी किए। मद्रास हाईकोर्ट ने छह जनवरी को दीया जलाने के एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एएसआई को मदुरै में थिरुप्परनकुंद्रम स्थित भगवान मुरुगन सुब्रमण्यम मंदिर का नियंत्रण लेने की मांग की गई थी।

अमृत विचार

शनिवार, 24 जनवरी 2026

अगर आप सच बोलते हैं, तो आपको कुछ भी याद रखने की जरूरत नहीं है।
–मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

क्रिकेट पर कलह

टी-20 विश्व कप जैसे वैश्विक आयोजन से ठीक पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड द्वारा इसे खेलने से इनकार करना, एक व्यापक राजनीतिक संकेत देता है। अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम 'बुलबुल' का यह कहना कि टीम भारत नहीं जाएगी, तब और अधिक प्रश्न खड़े करता है, जब भारत एक स्थिर सरकार, सुदृढ़ सुरक्षा तंत्र और सफलतापूर्वक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों का रिकॉर्ड रखता है। ऐसे में असुरक्षा का तर्क वस्तुपरक से ज्यादा राजनीतिक है। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह निराशापूर्ण है। भारत-बांग्लादेश या पाकिस्तान-बांग्लादेश जैसे मुकाबलों में जो क्रिकेटीय रोमांच और भावनात्मक तीव्रता होती है, उसे स्कॉटलैंड जैसी टीम से भर पाना मुश्किल है। प्रतिस्पर्धात्मक आकर्षण और दर्शकीय ऊर्जा की दृष्टि से यह एक 'खानापूरी' जैसा ही प्रतीत होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अधिकांश बोर्ड सरकारी प्रभाव से पूरी तरह मुक्त नहीं होते, खिलाड़ियों की खेलने की इच्छा के बावजूद बहुधा सरकारी अनुमति बाधक बनती है, जो खेल की स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुस्तफ़िजुर रहमान को रिलीज़ करने का बीसीसीआई का निर्देश विवादित हो सकता है, पर एक फ्रेंचाइज़ी-आधारित, निजी व्यावसायिक लीग में ऐसे निर्देश को समूचे बांग्लादेशी क्रिकेटरों या राष्ट्र के अपमान के रूप में प्रस्तुत करना अतिशयोक्ति है। एक खिलाड़ी के अनुबंधीय मसले को राष्ट्रीय अस्मिता का प्रश्न बना देना संतुलित प्रतिक्रिया नहीं कही जा सकती। बांग्लादेश द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाना और विश्व कप का बहिष्कार करना दोनों कदम अंततः अपने ही दर्शकों के हितों के विरुद्ध जाते हैं। लगभग दो करोड़ क्रिकेट-प्रेमियों को एक बड़े टी20 आयोजन से वंचित करना किस हद तक न्यायसंगत है? टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट की घटती लोकप्रियता के बीच टी20 ही वह प्रारूप है, जो युवाओं को जोड़ता है, इसलिए यह कदम खेल-भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। आर्थिक दृष्टि से भी यह निर्णय उसे भारी पड़ सकता है। अनुमानतः 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 240 करोड़ रुपये) का प्रत्यक्ष नुकसान, साथ ही ब्रॉडकास्ट और स्पॉन्सरशिप राजस्व में गिरावट— ये सब बीसीबी की वित्तीय सेहत पर असर डालेंगे। खिलाड़ी भी मैच फीस और प्रदर्शन-आधारित बोनस से वंचित रहेंगे। दीर्घकाल में यह प्रतिभा विकास और घरेलू ढांचे पर भी असर डाल सकता है। आईसीसी यदि इस कदम को राजनीति प्रेरित मान कर अनुशासनात्मक कार्रवाई करता है, तो सदस्यता निलंबन जैसी कठोर कार्रवाई से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश की भागीदारी ठप पड़ सकती है और द्विपक्षीय श्रृंखलाएं अनिश्चितकाल के लिए टल सकती हैं। इससे नुकसान केवल भारत या आईसीसी का नहीं, स्वयं बांग्लादेश का अधिक होगा। भारत और बीसीसीआई को भी प्रसारण व दर्शकीय राजस्व में कमी का सामना करना पड़ सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या क्रिकेट को कूटनीति का औजार बनाया जाना चाहिए? इतिहास साक्षी है कि खेल संवाद के पुल बनाते हैं, दीवारें नहीं। बांग्लादेश सरकार और बीसीबी के पास अभी भी संवाद, मध्यस्थता और संतुलित समाधान का मार्ग खुला है।

प्रसंगवश

बेटियों की शिक्षा: विकास के दावों के बीच टूटता भविष्य

हर वर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश की बेटियों के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की याद दिलाता है। यह दिवस जितना उत्सव का प्रतीक है, उतना ही आत्ममंथन का अवसर भी देता है। आज जब भारत विश्व मंच पर विकास, डिजिटल प्रगति और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की बात करता है, तब भी देश की लाखों बालिकाएं ऐसी हैं, जो शिक्षा की दहलीज़ तक पहुंचकर बीच रास्ते लौट आती हैं। यही कारण है कि आज भी हमारे सामाजिक और शैक्षिक विकास के दावों को कठोर प्रश्नों के घेरे में खड़ा करती है।

पिछले कुछ दशकों में बालिका शिक्षा के क्षेत्र में निश्चित रूप से सुधार हुआ है। शिक्षा मंत्रालय की यू-डाइस प्लस 2021–22 रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का नामांकन लगभग लड़कों के बराबर पहुंच चुका है। यह उपलब्धि दर्शाती है

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

कि समाज और सरकार दोनों स्तरों पर प्रयास किए गए हैं, लेकिन जैसे-जैसे शिक्षा का स्तर ऊंचा होता है, यह समानता धीरे-धीरे टूटने लगती है। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर पहुंचते-पहुंचते बड़ी संख्या में बालिकाएं शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाती हैं। यही वह मोड़ है, जहां सपनों से भरी आंखें अधूरे भविष्य के साथ पीछे रह जाती हैं।

यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट भी इस सच्चाई की पुष्टि करती है कि भारत उन देशों में शामिल है, जहां माध्यमिक शिक्षा पूरी न कर पाने वाली बालिकाओं की संख्या अब भी चिंताजनक है। रिपोर्ट यह बताती है कि गरीबी, सामाजिक भेदभाव और लैंगिक असमानता बालिकाओं की शिक्षा के बड़े अवरोध बने हुए हैं। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक संरचना का आईना बन जाती है।

यदि इस परिदृश्य को आदिवासी अंचलों के संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी गंभीर दिखाई देती है। जनगणना 2011 के अनुसार देश की लगभग 8.6 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजातियों की है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में उनकी भागीदारी, विशेषकर बालिकाओं की, इस अनुपात से बेहद कम है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि आदिवासी समुदायों में बालिकाओं का स्कूल छोड़ने का प्रतिशत सामान्य आबादी की तुलना में अधिक है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों के आदिवासी बहुल जिलों में यह समस्या लगातार गहराती जा रही है।

आदिवासी बालिकाएं केवल आर्थिक अभाव से ही नहीं जूझतीं, बल्कि पलायन, भाषा की कठिनाइयों, स्कूलों की दूरी और सामाजिक परंपराओं का भी बोझ उनके कंधों पर होता है। आजीविका की तलाश में जब परिवार पलायन करता है, तो सबसे पहले शिक्षा की डोर बेटी के हाथ से छूटती है। अस्थायी बस्तियों में न स्कूल होता है, न शिक्षकीय सहयोग और न ही पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण। परिणामस्वरूप बालिकाएं घरेलू श्रम, मजदूरी और देखभाल की जिम्मेदारियों में उलझ जाती हैं। बालिकाओं के स्कूल-कॉलेज छोड़ने के पीछे सामाजिक कारणों की श्रृंखला और भी लंबी है। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेज की दूरी और सुरक्षित परिवहन की कमी अभिभावकों की चिंता बढ़ाती है। कई स्कूलों में शौचालय, स्वच्छता और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बालिकाओं की उपस्थिति को प्रभावित करता है। किशोरावस्था में पहुंचते ही मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक चुप्पी और भ्रांतियां अनेक बालिकाओं को स्कूल से दूर कर देती हैं।

अमेरिका का 150 बरस पुराना ख्वाब है ग्रीनलैंड

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। क्षेत्रफल लगभग 21.7 लाख वर्ग किलोमीटर, लेकिन आबादी सिर्फ 60 हजार के आसपास। यहां का 80 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका रहता है। न घने जंगल, न हाईवे, न चमकते शहर। कई महीनों तक सूरज डूबता नहीं और कई महीनों तक रात खत्म नहीं होती। देखने में शांत, ठंडा और वीरान लगने वाला यह द्वीप आज वैश्विक राजनीति के सबसे गर्म मोर्चों में बदल चुका है। वजह है- अमेरिका की पुरानी, लेकिन अब खुली और आक्रामक चाहत। डोनाल्ड ट्रंप का संदेश बिल्कुल साफ है- ग्रीनलैंड चाहिए, हर हाल में चाहिए, लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका को इस बर्फीले, कम आबादी वाले द्वीप की इतनी ज़रूरत क्यों है और क्या अमरीका इसे हासिल कर पाएगा।\

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946; तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला– न, लेकिन ट्रंप ने डिप्लोमेसी से आगे बढ़कर सीधी ज़िद पकड़ ली- अगर खरीदा नहीं जा सकता, तो दबाव डालो।

बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क का साफ संदेश है- ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड की अपनी सरकार, अपनी संसद और अपनी पहचान है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे डरिक्सन ने अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका बताया। ग्रीनलैंड के नेताओं ने कहा- यह जमीन नहीं, हमारी आत्मा है। यूरोप के देशों ने भी डेनमार्क का समर्थन किया। ग्रीनलैंड बिकेगा, इसकी संभावना लगभग शून्य है, क्योंकि आज दुनिया सिर्फ ताकत से नहीं, कानून, संप्रभुता और जनमत से चलती है, लेकिन दबाव जारी रहेगा- कभी आर्थिक, कभी कूटनीतिक, कभी रणनीतिक।

ग्रीनलैंड दुनिया के नक्शे पर ऐसी जगह स्थित है, जो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच सेतु जैसा काम करता है। उत्तर में आर्कटिक महासागर, पास ही रूस, नीचे यूरोप और पश्चिम में अमेरिका। मतलब साफ है- जो ग्रीनलैंड को कंट्रोल करता है, वह आर्कटिक का चौकीदार बन जाता है। आज युद्ध सिर्फ जमीन पर नहीं लड़े जाते। आसमान, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस- हर मोर्चे पर मुकाबला है। ऐसे में ग्रीनलैंड जैसी लोकेशन सोने से भी ज्यादा कीमती हो जाती है।

ग्रीनलैंड में अमेरिका पहले से मौजूद है। यहां स्थित थुले एयर बेस (अब पिटुफिक स्पेस बेस) अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम का अहम हिस्सा है। यहीं से अमेरिका रूस की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखता है, सैटेलाइट ट्रैक करता है, आर्कटिक क्षेत्र की निगरानी करता है। अगर अमेरिका को पूरा ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो वह आर्कटिक का फुल कंट्रोल सेंटर बन सकता है। रूस लगातार आर्कटिक में नए सैन्य ठिकाने, नई पनडुब्बियां, नए एयरबेस और नई मिसाइलें तैनात कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड रूस पर नजर रखने का वॉच टावर है।

आज की दुनिया मोबाइल, चिप्स, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चल रही है। इन सबकी जान हैं- रेयर अर्थ एलिमेंट्स। बिना इनके आधुनिक तकनीक ठप हो जाती है, लेकिन इन पर अभी चीन का दबदबा है। करीब 60–70 प्रतिशत सप्लाई चीन से आती है। अमेरिका इस निर्भरता से बाहर निकलना चाहता है और यहीं ग्रीनलैंड अहम हो जाता है। इस द्वीप की धरती के नीचे रेयर अर्थ मिनरल्स का बड़ा खजाना छिपा है। अगर अमेरिका को ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो टेक्नोलॉजी की जंग में चीन को सीधी चुनौती मिल सकती है।

दुनिया की ऊर्जा भूख खत्म नहीं हुई है। तेल और गैस अब भी वैश्विक राजनीति का ईंधन हैं। ग्रीनलैंड के आसपास समुद्र की गहराइयों में तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार होने की संभावना है। अभी बर्फ और मौसम खुदाई में रुकावट हैं, लेकिन जैसे-जैसे आर्कटिक पिघल रहा है, ये संसाधन सुलभ होते जा रहे हैं। अमेरिका इसे भविष्य का ऊर्जा बैंक मानकर चल रहा है।

ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ पर्यावरण संकट नहीं, यह भू-राजनीतिक बदलाव भी है। आर्कटिक की बर्फ पिघलने से एशिया से यूरोप जाने के नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। सफर हजारों किलोमीटर छोटा हो सकता है। इस रूट को कहा जा रहा है- आर्कटिक सिल्क रोड ग्रीनलैंड इस रास्ते का प्राकृतिक गेटवे है। जो इस रूट को कंट्रोल करेगा, वह वैश्विक व्यापार की दिशा तय करेगा। अमेरिका यह मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहता।

रूस आर्कटिक में सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। चीन निवेश के जरिए पैर जमा रहा है। चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट कहता है, भले ही उसका आर्कटिक से सीधा भौगोलिक रिश्ता न हो। ग्रीनलैंड में चीन ने एयरपोर्ट, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की कोशिश की। अमेरिका को डर है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर पकड़ नहीं बनाई, तो उसका उत्तरी दरवाजा दुश्मनों के लिए खुल जाएगा, इसलिए ग्रीनलैंड सिर्फ जमीन नहीं, रणनीतिक दीवार है।

अमेरिका, चीन और रूस; तीनों की नजरें इस बर्फीली धरती पर टिकी हैं। ग्रीनलैंड असल में भविष्य की वैश्विक राजनीति का रणक्षेत्र है। अंत में यह समझना ज़रूरी है कि ग्रीनलैंड की लड़ाई आज की नहीं, ढेढ़ सौ साल से ज्यादा पुरानी है। जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और नई वैश्विक शक्ति-संरचना ने इस द्वीप को रणनीतिक केंद्र में ला खड़ा किया है। यहां जो आज निवेश, सैन्य मौजूदगी और राजनीतिक प्रभाव बनाएगा, वही भविष्य के नियम लिखेगा। ग्रीनलैंड फिलहाल भले ही बर्फ से ढका हो, लेकिन इसके नीचे छिपी संभावनाएं दुनिया की राजनीति को पिघला रही हैं, इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्रीनलैंड सिर्फ एक द्वीप नहीं, बल्कि 21वीं सदी की महाशक्ति बनने की चाबी है।

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946 तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला–न।

आमने

वर्ष 2019 में आयोजित परीक्षाओं की ओएमआर शीट में बदलाव हुए थे और इस मामले की कड़ियां पूर्व मुख्यमंत्री के घर तक जाती हैं। इस पूरे मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी की आखिर क्या भूमिका थी?

–भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

मुख्यमंत्री भजनलाल जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं। मेरी मंशा केवल यह जानने की है कि भर्ती परीक्षाओं को लेकर युवाओं के मन में जो शंकाएं हैं, उनका समाधान सरकार कब और कैसे करेगी?

–अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

तमाम खूबियों के बावजूद क्यों पिछड़ा उत्तर प्रदेश

अरविंद जयतिलक
लेखक

आज उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस है। आजादी के ढाई वर्ष बाद 24 जनवरी, 1950 को उत्तर प्रदेश राज्य के गठन की अधिसूचना जारी हुई। भौगोलिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश प्राचीनतम 'गोंडवाना लैंड' का एक हिस्सा है। कैम्ब्रियन युग में विन्ध्य क्रम की शैलों ने इसे धरातलीय स्वरुप दिया। भौगोलिक विविधताओं एवं सांस्कृतिक समृद्धियों से आच्छादित उत्तर प्रदेश 1836 से 1877 तक 'उत्तर-पश्चिम प्रांत' और 1877 से 1937 तक 'संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध' के नाम से जाना गया। 1937 में इसे एक नया नाम 'संयुक्त प्रांत' मिला। 1858 तक उत्तर प्रदेश की राजधानी आगरा, 1858 से 1921 तक इलाहाबाद और फिर 1921 में लखनऊ हो गई। गौर करें तो भरपूर मानव संसाधन, उर्वर भूमि और प्राकृतिक समृद्धि-संपन्नता से लैस होने के बावजूद भी उत्तर प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर वह अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर पाया, जिसे देश के तमाम राज्यों ने हासिल किया।

देखा जाता है कि जिस राज्य में कानून-व्यवस्था मजबूत होती है और अवसंरचना का तेजी से विस्तार होता है, उस राज्य के विकास का पहिया तेजी घूमता है। उससे निवेश और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि होती है और राज्य समृद्धि की ओर छलांग लगाता है। गौर करें तो विकास का पहिया चार तरह के इंजनों के बूते दौड़ता है। एक, निजी निवेश यानी नई परियोजनाओं में निजी क्षेत्र का निवेश। दूसरा, सार्वजनिक खर्च यानी बुनियादी ढांचे वाली विकास परियोजनाओं में सरकार का निवेश। तीसरा, आंतरिक खपत यानी वस्तुओं व सेवाओं की खपत और चौथा वाह्य खपत यानी वस्तुओं का निर्यात। उत्तर प्रदेश में इन चारों इंजनों को गतिशील देखा जा रहा है। यह संभव इसलिए हुआ है कि राज्य में कानून का शासन स्थापित हुआ है और अपराधियों के हौसले पस्त हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने अवसंरचनाओं को मजबूती देने के लिए बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान पर अमल किया है, जिससे निवेशकों को आकर्षित करने में मदद मिल रही है। सरकार ने अपनी नीतियों के बरक्स निवेश मित्र पोर्टल बनाकर उस पर 227 सेवाएं शामिल कर उद्यमियों को निवेश के लिए आकर्षित किया है।

सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' की नीति से स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है और निर्यात में तेजी आई है। एक जिला एक उत्पाद मिशन से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इससे लोगों की आमदनी बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने 2018 में प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन प्रारंभ किया और वह क्रम लगातार जारी है। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। पिछले साल के वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान प्राप्त 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव राज्य में दुनिया भर के निवेशकों की बढ़ती रुचि का प्रमाण है।

सरकार उत्तर प्रदेश को महाराष्ट्र और गुजरात की तर्ज पर विकसित करने के लिए पांच ग्राउंड बैंकिंग सेरेमनी का आयोजन कर चुकी है। तकरीबन चार लाख से अधिक लोगों को नए उद्योगों से रोजगार मिला है। एक आंकड़े के मुताबिक उत्तर प्रदेश में अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो चुका है। पांच लाख करोड़ से अधिक की 8300 से अधिक परियोजनाएं वाणिज्यिक परिचालन में हैं। दस लाख करोड़ रुपये की 8100 से अधिक परियोजनाएं जारी हैं। देखें तो उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश बढ़ाने और 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस को सुधारने में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज उत्तर प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस मामले में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे स्थान पर है।

सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कारोबारियों को प्रोत्साहित किया है। राज्य में तकरीबन 90 लाख से अधिक इकाइयां हैं, जो तकरीबन डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार देती हैं। यह भारत के कुल एमएसएमई की संख्या 6.33 करोड़ में लगभग 14 प्रतिशत का योगदान देता है। अर्थव्यवस्था के मामले में 2017 में पांचवे नंबर पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात को पीछे छोड़ देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल कर चुका है।

आंकड़ों पर गौर करें तो उत्तर प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2016-2017 के दरमियान 12.75 लाख करोड़ रुपये था, जो आज 2024-25 में बढ़कर 25 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। यह 2025-26 में 30.8 लाख करोड़ होने का अनुमान है। यानी देखें तो 2017 के बाद इसमें 80 फीसदी से अधिक का ग्रोथ होना तय है। इसी तरह 2012 से 2017 के दरमियान प्रतिव्यक्ति आय 48,520 रुपये थी जो आज बढ़कर एक लाख आठ हजार पांच सौ बहत्तर रुपये हो चुकी है। इसी तरह 2012-2017 के बीच सिर्फ 302 किमी एक्सप्रेस वे का निर्माण हुआ था, जबकि 2017-2025 के दरमियान तकरीबन दो हजार किमी से अधिक एक्सप्रेस वे निर्माणाधीन है।

भरपूर मानव संसाधन, उर्वर भूमि व प्राकृतिक समृद्धि-संपन्नता होने के बावजूद उत्तर प्रदेश आर्थिक मोर्चे पर अपेक्षित मुकाम हासिल नहीं कर पाया। आज यूपी का स्थापना दिवस है।

सोशल फोरम

दुनिया की सबसे लंबी सड़क

विभूति भूषण शर्मा
ब्लॉगर

अगर आपको एक यादगार और रोमांचक रोड ट्रिप का सपना है, तो पैन अमेरिकन हाईवे आपकी लिस्ट में जरूर होना चाहिए। यह सड़क अलास्का के ठंडे इलाकों से शुरू होकर अर्जेंटीना के दक्षिणी सिरे तक जाती है। इसकी कुल लंबाई करीब 30,500 किलोमीटर है और यह 14 देशों से होकर गुजरती है।

इस लंबे सफर में हर तरह के नजारे देखने को मिलते हैं। अलास्का की बर्फीली वादियां, कोस्टा रिका के हरे भरे वर्षावन, ऊंचे पहाड़, सूखे रेगिस्तान, समुद्र के किनारे और घने जंगल। यह सड़क प्रकृति की लगभग हर खूबसूरती को एक ही यात्रा में दिखा देती है। डेरियन गैप इस हाईवे का एकमात्र हिस्सा है, जहां सड़क पूरी नहीं है। यहां पनामा और कोलंबिया के बीच लगभग 160 किलोमीटर का घना जंगल है, जिसकी वजह से रास्ता टूट जाता है और यात्रियों को अलग रास्ता अपनाना पड़ता है। यही हिस्सा इस रोड ट्रिप को और भी ज्यादा रोमांचक बना देता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

स्वच्छ हवा का संकट और घटते वित्तीय संसाधन

'क्लीन एयर फंड' की ताज़ा वैश्विक रिपोर्ट ने एक बार फिर इस कड़वी सच्चाई को सामने रखा है कि दुनिया के तमाम देश और विकास एंजेसियां स्वच्छ हवा के लिए बड़े-बड़े वादे तो जरूर करती हैं, लेकिन उनका धन उन्हीं परियोजनाओं में जा रहा है, जो हवा को और ज़हरीला बना रही हैं। यह स्थिति केवल नीतिगत विफलता नहीं है, बल्कि एक ऐसे वैश्विक अन्याय का उदाहरण है, जिसका सबसे भारी बोझ भारत जैसे विकासशील देशों को उठाना पड़ रहा है। यह चिंताजनक स्थिति है और इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

'क्लीन एयर फंड' की रिपोर्ट के मुताबिक 2023–24 के दौरान कई देशों की सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने जीवाश्म ईंधन को लंबे समय तक बनाए रखने वाली परियोजनाओं में वित्तीय राशि 80 फीसद बढ़ाकर 9.5 अरब डॉलर कर दी। इसके उलट, स्वच्छ हवा और वायु गुणवत्ता सुधार के लिए दी जाने वाली सहायता घटकर 3.7 अरब डॉलर रह गई, जो कुल वैश्विक विकास सहायता का महज एक फीसद ही है। यह आंकड़ा बताता है कि विकास वित्त और मानव स्वास्थ्य के बीच की खाई कितनी गहरी होती जा रही है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष होने वाले अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन चाहे वे जलवायु पर हों या स्वास्थ्य पर, ये स्वच्छ हवा को मानव अधिकार के रूप में स्वीकार करते हैं, मगर जब बजट आवंटन की बात आती है, तो वही सरकारें और संस्थाएं पीछे हट जाती हैं। ऐसा लगता है कि वैश्विक निर्णय लेने वाली संस्थाएं प्रदूषण से होने वाली मौतों और बीमारियों की वास्तविक कीमत को समझने के बजाय आर्थिक और कारोबारी हितों को ज़्यादा महत्व दे रही हैं। इससे कई देशों के समाने जोखिम लगातार बढ़ रहा है।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब दुनिया की सबसे बड़ी विकास एजेंसी यूएसएड के बंद होने और विश्व बैंक पर जीवाश्म ईंधन ऋण बढ़ाने के दबाव जैसी चर्चा सामने आती हैं। इन फैसलों ने स्वच्छ हवा के लिए चल रहे वैश्विक प्रयासों की रीढ़ कमजोर कर दी है। क्लीन एयर फंड की मुख्य कार्यकारी जेन बर्स्टन की चेतावनी इस संदर्भ में बेहद अहम है। अगर दिशा नहीं बदली गई, तो आने वाले वर्षों में करोड़ों और लोग जहरीली हवा के कारण जान गंवाएंगे।

गौरतलब है कि आज वायु प्रदूषण दुनिया भर में हर साल लगभग 57 लाख लोगों की जान ले रहा है। यह संख्या 2040 तक 62 लाख तक पहुंच सकती है। यह कोई संभावित खतरा नहीं, बल्कि एक चलती-फिरती महामारी है, जो चुपचाप समाज के सबसे कमजोर तबकों को निगल रही है। यह संकट सिर्फ़ स्वास्थ्य से जुड़ा नहीं है; यह बताता है कि वैश्विक राजनीति में किसकी ज़िंदगी की कीमत क्या है। लिहाजा, अब इसे समझने और सचेत होने की जरूरत है।

रिपोर्ट बताती है कि स्वच्छ हवा के लिए उपलब्ध सीमित वित्तीकय अनुदान का वितरण बेहद असमान है। वर्ष 2023 में फिलीपींस, बांग्लादेश और चीन को वायु गुणवत्ता सुधार के लिए 65 फीसद बाहर से सहायता राशि मिली, जबकि उप-सहारा अफ्रीका के लिए सहायतासहायता राशि 91 फीसद घटकर केवल 1.18 करोड़ डॉलर रह गई। यानी जिन इलाक़ों में स्वास्थ्य ढांचा सबसे कमजोर है, वहीं मदद सबसे कम पहुंच रही है। भारत इस वैश्विक असमानता का सबसे बड़ा उदाहरण है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में भारत के शहर लगातार ऊपर बने हुए हैं। दिल्ली, पटना, लखनऊ, कानपुर, धनबाद, गाजियाबाद ये नाम अब केवल शहर नहीं, बल्कि वैश्विक प्रदूषण चेतावनी बन चुके हैं। सर्दियों के महीनों में उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा गैस चैंबर में बदल जाता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

1952 में शामिल की गईं झांकियां

गणतंत्र दिवस की परेड 1950 में शुरू हुई, लेकिन झांकियां औपचारिक रूप से 1952 में शामिल की गईं। शुरुआती सालों में झांकियां छोटी-मोटी होती थीं। ये संस्कृत और प्राकृत शब्द 'झांकी' से आई हैं, जिसका मतलब है नजारा या झलक। ये मंदिरों के रथ उत्सव और भक्ति काल की जुलूसों से प्रेरित हुआ करती थीं। कई झांकियों पर लोग जमे हुए पोज में खड़े होकर लोककथाएं, खेती या पौराणिक दृश्य दिखाते थे। गणतंत्र दिवस परेड में हर साल आमतौर पर 22 से 30 झांकियां होती हैं। ये राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और प्रमुख सरकारी संस्थाओं की होती हैं। इनमें संगीत, लोक नृत्य, स्थानीय कपड़े और थीम वाली कहानियां दिखाकर भारत की संस्कृति, इतिहास और विकास के काम दिखाए जाते हैं। पहले झांकियां एकता सिखाती थीं, अब हाई-टेक वाली प्रगति की तस्वीर पेश करती हैं। ये झांकियां सिर्फ परेड का हिस्सा नहीं, बदलते भारत का आईना हैं। हम गरीब से अमीर, पिछड़े से आगे, साधारण से तकनीकी देश बने, लेकिन विविधता बरकरार हर राज्य अपनी कहानी लाता है।

बदलते भारत की कहानी

गणतंत्र दिवस की झांकियों का सफर

मशहूर कमेंटेटर जसदेव सिंह बताते थे कि गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राजपथ (अब कर्तव्यपथ) पर दर्शक झांकियों का हर्षध्वनि से स्वागत करते हैं। ये सिलसिला अब भी जारी है। जसदेव सिंह ने करीब आधी सदी तक रेडियो और टीवी पर गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया था। गणतंत्र दिवस की सुबह जब कर्तव्य पथ पर सूरज निकलता है, तो मार्च करते जवान, मिलिट्री बैंड, डांस या कोई करतब दिखाते स्कूली बच्चे और हवाई जहाजों के फ्लाईपास्ट के बीच झांकिया लाखों-करोड़ों लोगों का अपनी तरफ ध्यान खींचती हैं। ये चलती-फिरती कलाकृतियां रंग, आवाज और प्रतीकों से भरी होती हैं। ये भारत की एकता में विविधता की कहानी बयान करती हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

झांकियों में संस्कृति के साथ सामाजिक मुद्दों का भी समावेश

अब जब हम झांकियां देखते हैं, तो याद आता है, 1950 का साधारण भारत आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था है, स्पेस पावर, डेमोक्रेसी की मिसाल। झांकियां हमें बताती हैं कि विकास सिर्फ अर्थशास्त्र नहीं, संस्कृति, पर्यावरण, सामाजिक न्याय सबको साथ लेकर चलना है। आप कह सकते हैं कि झांकियों में 1970-80 के दशक में बदलाव आने लगा। अब झांकियां सिर्फ संस्कृति नहीं, सामाजिक मुद्दों पर फोकस करने लगीं। केरल ने 1976 में साक्षरता अभियान दिखाया। तमिलनाडु ने भरतनाट्यम नृत्य पेश किया। झांकियां 1991 के बाद उद्योग और शहरों की तरफ मुड़ीं। तब देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार बहने लगी थी। असली बदलाव 1990 और 2000 के शुरुआत में आया। झांकियां बड़ी और कुछ हटकर बनने लगीं। ये हाई-टेक भी हो गईं। डीआरडीओ (DRDO) की झांकी 2000 के बाद गणतंत्र दिवस परेड का नियमित हिस्सा बनने लगीं। ये भारत की रक्षा प्रौद्योगिकियों और आत्मनिर्भरता को दर्शाती है, जिसमें नवीनतम मिसाइलें, रडार सिस्टम, ड्रोन रोधी प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियां और स्वदेशी हथियार प्रदर्शित किए जाने लगे। इनका थीम अक्सर 'रक्षा कवच' होता है। कृषि मंत्रालय (या संबंधित कृषि निकाय जैसे ICAR) की झांकी गणतंत्र दिवस परेड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, जो अक्सर जैविक खेती, मोटे अनाज (मिलेट्स), पशुधन या कृषि नवाचारों जैसे विषयों पर केंद्रित होती है। इसकी 2023 में 'मिलेट ईयर' पर आधारित झांकी थीं।

सभी राज्यों में खास है दिल्ली की झांकी

इस बीच, सरकार ने 2024 में नया रोटेशन सिस्टम शुरू हुआ, ताकि हर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को हर तीन साल में कम से कम एक बार मौका मिले। पिछले साल 2025 की थीम थी 'स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास'। बीते साल 16 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां निकलीं। उत्तर प्रदेश का महाकुंभ मेला को दर्शाती झांकी को बहुत पसंद किया गया था। चूंकि गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन दिल्ली में होता है, इसलिए दिल्ली की झांकी को देखने के लिए जनता खासी उत्सुक रहती है। वैसे भी दिल्ली लघु भारत है। दिल्ली की झांकी 1952 की परेड का हिस्सा थी। दिल्ली के शुरुआती दौर की झांकियों में सामाजिक और केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर ही फोकस रहता था। दिल्ली की 1965 की झांकी में देश के कृषि क्षेत्र में बढ़ते कदमों को दिखाया। तब तक देश में हरित क्रांति आ चुकी थी और उस महान क्रांति की नींव राजधानी के भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र (पूसा) और जोंती गांव में ही रखी गई थी। 1965 की झांकी में जोंती के किसान भी शामिल थे। दिल्ली की 1966 की झांकी में सबको शिक्षा देने का वादा था। 1978 में वयस्क शिक्षा और 1979 की झांकी में शराबबंदी पर फोकस था, लेकिन 1990 के दशक बाद दिल्ली को विधानसभा मिल गई। तब यहां की झांकियों का रंग यहां के समाज से मेल खाने लगा। इसका नमूना मिला 1993 में जब दिल्ली की झांकी में यहां की गंगा-जमुनी तहजीब को पेश किया गया। इससे मिलती-जुलती थीम पर 1999 में शाहजहांबाद की जान और शान चांदनी चौक के जीवन, समाज और संस्कृति पर झांकी निकली थी। इसे बहुत पसंद किया गया था। करगिल की जंग विषय था दिल्ली की झांकी का साल 2000 में। करगिल की जंग में कैप्टन अनुज नैयर और कैप्टन मोहम्मद हनीफउद्दीन समेत दिल्ली के कई शूरवीरों ने अपनी जान का नजराना दिया था। अमीर खुसरो के जीवन पर आधारित झांकियां साल 2000 और फिर 2004 में निकलीं। मिर्जा गालिब की शख्सियत पर 2001 में झांकी निकली थी। मेट्रो रेल 2003 तथा 2006 दिल्ली की झांकी के फोकस में रही। दिल्ली की 2019 की झांकी में महात्मा गांधी पर फोकस किया गया। इसमें महात्मा गांधी के दिल्ली में बिताए गए 720 दिनों को दर्शाया गया।

खैर, झांकियों का काम 26 जनवरी को खत्म नहीं होता। कई झाकियां बाद में सार्वजनिक जगहों पर लगाई जाती हैं या सांस्कृतिक आयोजनों, प्रदर्शनियों और स्कूलों में इस्तेमाल होती हैं। ये जैव-विविधता, विरासत संरक्षण, शहर के विकास और सामाजिक कामों के बारे में जागरूकता फैलाती रहती हैं।

सखी री बसंत आया

ठंड कमजोर पड़ते ही सूर्य की गर्माहट धरती को सींचने लगती है। इसी क्षण बसंत के आगमन की मधुर आहट सुनाई देने लगती है। बसंत केवल एक ऋतु नहीं, अपितु नवजीवन, उल्लास और नई शुरुआत का गहन संदेश है। पतझड़ के बाद पेड़-पौधों की नई पत्ती एवं फूलों के साथ प्रकृति का पुनः जागृति होना और खुले आसमान में पक्षियों के झुंड का विचरण ऋतुराज के आरंभ की अनुपम छटा हैं। साथ ही सरसों के पीले खेत लहलहाते हैं, आम के बौर खिल उठते हैं और कोयल की कूक गगन में गूंजती है और अनगिनत फूलों की महक हवा में घुल जाती है, जो वसुंधरा का श्रृंगार कर बसंत का स्वागत करती है।

मानव जीवन में बसंत ऋतु प्रेम, प्रतीक्षा और मानवता का संदेश लेकर आती है। प्रकृति का नवजीवन, सौंदर्य और उल्लास मानवीय भावनाओं में प्रेम, आशा और करुणा का संचार करता है। बसंत पंचमी ज्ञान एवं चेतना के साथ आध्यात्मिकता का प्रतीक हैं। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से बसंत ऋतु में प्रकृति का यह परिवर्तन जैसे- हरियाली का फैलना, फूलों का खिलना और मौसम का सुहावना होना, जो मानव मस्तिष्क पर सीधा और सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, यह प्रभाव मुख्य रूप से सूर्य की रोशनी, हार्मोनल बदलाव और पर्यावरणीय उत्तेजनाओं से जुड़ा होता है। इस ऋतु में सूर्य की अधिक रोशनी से सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो मूड को बेहतर बनाता है, विटामिन-डी का उत्पादन बढ़ता है, जो प्रतिरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है। यह मौसम अवसाद से राहत देता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ाता है। इसलिए बसंत ऋतु मस्तिष्क के लिए एक प्राकृतिक 'मूड बूस्टर' का काम करती है।

अंबिका अंबी
लेखिका

सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय परंपरा में बसंत ऋतु का विशेष स्थान है। यह ऋतु न केवल प्रकृति के पुनर्जागरण का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न प्रमुख पावन त्योहारों का केंद्र भी है, जो जीवन, ज्ञान, भक्ति, प्रेम और उल्लास के संदेश लेकर आते हैं। बसंत में मुख्य रूप से बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि और फाल्गुन की होली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं। बसंत पंचमी ऋतुराज बसंत के आगमन की प्रमुख तिथि है। इस दिन विद्या की देवी माता सरस्वती की पूजा होती है, जो ज्ञान एवं रचनात्मकता की प्रतीक है।

महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आती है। यह भगवान शिव की आराधना का प्रमुख पर्व है। बसंत की इस ऋतु में यह त्योहार शिव-पार्वती प्रेम और जगत के संतुलन का प्रतीक बन जाता है। फाल्गुन की होली वसंत का सबसे रंगीन और खुशनुमा उत्सव है, जो होलिका दहन से शुरू होकर रंगों की होली तक, यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत, प्रेम, मित्रता और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

बसंत की बहार में रंगों का यह उत्सव प्रकृति के उल्लास को दर्शाता है। बसंत ऋतु के सभी त्योहार भारतीय संस्कृति में ज्ञान, भक्ति, मानवता और प्रेम उल्लास की ऊर्जा है, जो सांस्कृतिक रूप से नवीनीकरण, आशा और सामूहिक उत्सव का प्रतीक बनाए रखती है।

बसंत ऋतु मात्र मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि जीवन का एक जीवंत आह्वान है। जैसे-जैसे ठंडी हवाएं गर्म होकर मधुर बनती हैं, वैसे ही हमारे मन की जड़ता भी पिघलने लगती है। यह ऋतु अपने अंदर की सुस्ती को त्यागकर, हर पल उत्साह से जीने की प्रेरणा देती है और साथ सिखाती है कि हर एक अंत के बाद नई शुरूआत प्रतीक्षारत होता है। इसलिए जीवन से कभी हार नहीं माननी चाहिए। बसंत ऋतु धर्म, प्रकृति, संस्कृति और शिक्षा चारों को एक सूत्र में पिरोता है और प्रेम, आध्यामिकता एवं मानवता का संदेश देता है। बसंत जीवन में एक नई शुरुआत का भी शुभ संदेश देता है।

ऋतुराज का आगमन

आप घर का दरवाजा, खिड़की, रोशनदान खोल लीजिए। बाहर ऋतुराज बसंत अपने पूरे वैभव के साथ उपस्थित है। निकलिए और उसका स्वागत कीजिए। उदासी के दस महीने कट गए। पुराने साल को पुराने कैलेंडर की तरह रद्दी में डालिए, मगर ये गौर भी कीजिएगा कि कोरोना महामारी के खौफ ने बहुत कुछ सिखाया भी। बसंत का साहस देखने लायक है, वह जिंदगी के तमाम दु:खों और संतापों को धकिया कर आपकी तरफ लपका आ रहा।

हमारे देश में ऋतुओं/मौसमों का कमाल देखने लायक है। सावन बरसता है, तो केवल खेत-खलिहान ही नहीं, सूखा मन भी भीगता है। पुरवाई चलती है, तो मन-मयूर थिरकने लगता है। ये माघ के कृष्णपक्ष की पंचमी तो असाधारण है। मन को मथने वाले देवता मंमथ, जिन्हें रूप का राजा कामदेव कहते हैं और रानी रति की षोड़शोपचार पूजा का दिन यही बसंतपंचमी है-बाकी तो आप समझदार हैं ही। वाणी की देवी सरस्वती की जयंती भी इसी दिन यानी प्रेम और मस्ती के दरम्यान विवेक व संयम का साथ किसी भी दशा में छोड़ना नुकसानदायक हो सकता है।

संतोष कुमार तिवारी
नैनीताल

बसंत गहरे अर्थ में प्रकृति और मानवजीवन के बीच एकीकरण का महापर्व है। मन को बेलगाम न होने दीजिए। उत्कंठा के वेग का मनोविज्ञान समझिए। बसंत है तो क्या हुआ। अभी तो पूरा फागुन पड़ा है। आम में बौर आ गए, अब मन के बौराने का समय भी सन्निकट है। बसंत-सेना फागुन की अगवानी करने को बेताब है। इन दोनों के मध्य महाशिवरात्रि है। भूतभावन शंकर की बारात सजेगी। मैं तो कहता हूं दूल्हा के वेश में शिवदर्शन अत्यंत मंगलकारी होगा। जब गरल पीते शिव इतने उदार,आशुतोष हैं। उन्हें भार्या रूप में पर्वत-पुत्री पार्वती मिलेंगी। वहीं पार्वती, जिन्होंने भगवान शिव को पतिरुप में पाने के लिए घोर तप किया और अपर्णा कहलाईं। शिव उन्हें ब्याहकर किसी महल या रनिवास में रखने के बजाय फिर सीधे हिमालय पहुंचते हैं।

बहरहाल चारो ओर मस्ती है। जेठ की गरम हवा के बदले फागुनी बयार कानों में मधु घोल रही। गृहस्थ तो अपनी नोन लकड़ी से जूझते हुए अनुरागी मौसम में थोड़ा- थोड़ा बहक रहा, लेकिन यहां तो साधु-संन्यासियों का मन भी मचल उठा। कुछ भी हो,बासंती मौसम को मन में उतरने की आजादी दीजिए। फिर देखिए उसका असर। जीवन मे संताप कम नहीं, मगर तमाम बखेड़े व चिंताओं के बने रहने की वजह भी हमी आप हैं। दिमाग को प्रकृति से विमुख करके लोग बेतहाशा भागे जा रहे, अरे! आगे खाई हैं साथियों।

संघर्ष की पाठशाला से सेवा के पथ तक

सूरज कुमार सिंह
खंड शिक्षा अधिकारी
देवरिया

जॉब का पहला दिन

आजमगढ़ की मिट्टी में पले-बढ़े सपने जब बागपत की धरती पर आकर जिम्मेदारी का रूप लेते हैं, तो यह सिर्फ स्थान परिवर्तन नहीं होता। यह वर्षों के संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की परिणति होती है। खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में नौकरी का पहला दिन मेरे जीवन का ऐसा अध्याय था, जहां पीछे मुड़कर देखने पर मेहनत की लंबी पगडंडी दिखती थी और आगे सेवा की व्यापक राह।

बागपत स्थित कार्यालय में प्रवेश करते ही माहौल की गंभीरता महसूस हुई। फाइलों की आवाजाही, कर्मचारियों की व्यस्तता और दीवारों पर टंगी योजनाएं- सब कुछ मानो यह बताने के लिए पर्याप्त था कि यह पद केवल अधिकार का नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व का है। चारों ओर की निगाहें जिज्ञासु थीं। लोगों के मन में सवाल था, इतनी कम उम्र में खंड शिक्षा अधिकारी कैसे? उस क्षण समझ आया कि पद से पहले भरोसा अर्जित करना होता है और भरोसा केवल काम से बनता है।

नौकरी के पहले दिन मन में मिश्रित भावनाएं थीं। एक ओर नई जिम्मेदारियों का डर, तो दूसरी ओर कुछ नया सीखने और व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने का उत्साह। यह उपलब्धि अचानक नहीं मिली थी। इसके पीछे प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी, कठिन और अनुशासनपूर्ण यात्रा रही है। तैयारी के दिनों में कई बार असफलताओं से सामना हुआ, कई बार खुद पर संदेह भी आया, लेकिन हर बार लक्ष्य ने फिर खड़ा किया। आज का तकनीकी युग प्रतियोगी परीक्षाओं को पहले से कहीं अधिक जटिल बना चुका है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, डिजिटल अध्ययन सामग्री की भरमार, सोशल मीडिया पर तुलना और लगातार बदलते परीक्षा पैटर्न- इन सबके बीच ध्यान, धैर्य और निरंतरता बनाए रखना अपने आप में चुनौती है। तैयारी के दौरान अनेक अभ्यर्थियों, शिक्षकों और अधिकारियों से संवाद का अवसर मिला। इन संवादों ने न सिर्फ ज्ञान बढ़ाया, बल्कि प्रशासनिक सोच को समझने का दृष्टिकोण भी दिया। इस ताकत के पीछे जो सबसे प्रबल स्तंभ था वह मेरी मां के हौंसले और सपनों से बुना था और हर असफलता पर उन्होंने यही कहा कि छोटी असफलताएं बड़ी सफलता को प्राप्त करने की दिशा निर्धारित करती हैं बस धैर्य रखना पड़ता है। आज वह इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके लालन-पालन व संघर्षमयी जीवन हमेशा एक नई ऊर्जा व सकारात्मक अभिप्रेरणा से नित नए कार्यों हेतु बल प्रदान करता है।

बागपत पहुंचकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को करीब से देखने का अवसर मिला। यहां की समयबद्धता, अनुशासन और जमीनी स्तर पर काम करने की परंपरा ने विशेष रूप से प्रभावित किया। शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नवाचार की व्यापक संभावनाएं स्पष्ट दिखीं। पहले ही दिन यह एहसास हुआ कि अधिकारी होना लक्ष्य नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना उद्देश्य है। नौकरी का पहला दिन मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि एक संकल्प का आरंभ था। ईमानदारी से काम करने, सीखते रहने और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प। यह कहानी उन युवाओं के लिए है, जो तकनीकी युग की चुनौतियों के बीच भी अपने सपनों पर भरोसा रखते हैं। शुरुआत कठिन हो सकती है, रास्ता लंबा हो सकता है, लेकिन यदि इरादा स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर, तो मंजिल अपने आप रास्ता दे देती है। अंत में स्वलिखित पंक्तियों से अपनी बात खत्म करता हूं-

हवा ऐसी चली कि कोई समझ ही नहीं पाया 'सूरज'...
किसी को मिली ज़न्नत तो किसी के हिस्से दोजख़ आया।

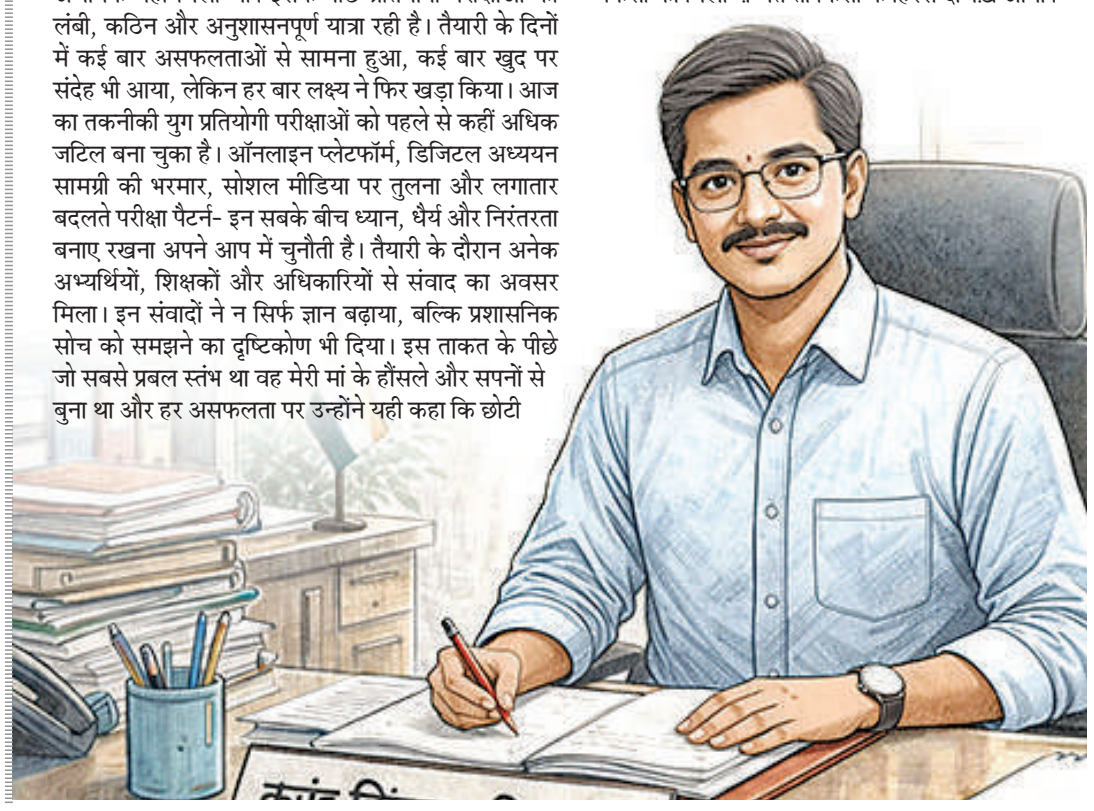

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,537.70	25,048.65
गिरावट	769.67	241.25
प्रतिशत में	0.94	0.95

सोना 1,58,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,29,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 24 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

क्रोमा की गणतंत्र दिवस सेल 26 तक, 60% तक छूट की घोषणा

नई दिल्ली। टाटा समूह की इलेक्ट्रॉनिक रिटेल कंपनी क्रोमा ने शुक्रवार से गणतंत्र दिवस सेल की घोषणा की है जिसमें ग्राहकों को अधिकतम 60 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। कंपनी ने बताया कि यह सेल 23 जनवरी से 26 जनवरी तक रहेगा। इस दौरान ग्राहक बैंक कैशबैक, एक्सचेंज बोनस, छात्रों के लिए विशेष मूल्य निर्धारण और आसान किस्तों का लाभ उठा सकेंगे। ऑफर के तहत घरेलू उपकरणों और एप्पल के उत्पादों पर विशेष छूट दी जा रही जो अलग-अलग बैंक ऑफरों और उनकी शर्तों पर निर्भर करेगी। एचडीएफसी टाटा न्यू कार्ड पर एप्पल के चुनिंदा उत्पादों पर 10 प्रतिशत तक कैशबैक मिलेगा।

बैंक संगठनों की 27 को देशव्यापी हड़ताल पर जाने की घोषणा

नई दिल्ली। बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह की अपनी लंबे समय से अनसुनी मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज लगातार तीन दिनों तक बाधित रहेंगे, क्योंकि 25 और 26 जनवरी को पहले से ही छुट्टियां हैं। ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया है कि अगर हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज 136 करोड़ में खरीदेगी सिंगापुर की कंपनी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज इसी क्षेत्र में काम करने वाली सिंगापुर की कंपनी फेनर्जिक सॉल्यूशंस का अधिग्रहण करेगी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी इकाई एचसीएल सिंगापुर के जरिये इस सौदे को अंजाम दे रही है। दोनों कंपनियों के बीच अधिग्रहण सौदे को लेकर पक्का समझौता हो चुका है। भारतीय कंपनी फेनर्जिक की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। वह इसके लिए 1.9 करोड़ सिंगापुर डॉलर (लगभग 136 करोड़ रुपये) का भुगतान करेगी।

रुपया 92 तक गिरकर 91.90 पर बंद

कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी का नहीं झेल पाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

लगातार गिर रहा रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 92 तक पहुंच गया। हालांकि आखिर में मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद डॉलर के मुकाबले 91.41 के उच्च और 92.00 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में 91.88 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट है। बृहस्पतिवार को रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 91.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले 21 जनवरी को 68 पैसे टूटकर 91.65 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस महीने अब तक रुपया 200 पैसे तक यानी दो प्रतिशत तक लुढ़क चुका है।

वर्ष 2025 में विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर की मजबूती से घरेलू मुद्रा में पांच प्रतिशत की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक आयात से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर और दबाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू मुद्रा विदेशी पूंजी और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से दबाव में रही। कमजोर घरेलू बाजारों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी से भारतीय रुपया शुरुआती बढ़त गंवा बैठा। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उछाल से भी रुपये पर दबाव पड़ा।

विदेशी मुद्रा भंडार 14 अरब डॉलर बढ़ा : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 में मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

रुपये की गिरावट से सहमा शेयर बाजार... सेंसेक्स में 770 और निफ्टी में 241 अंकों की भारी गिरावट

मुंबई। रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और चौतरफा बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को फिर भारी गिरावट हुई। सेंसेक्स करीब 770 और निफ्टी 241 अंक लुढ़क गया। निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख करना बेहतर समझा। इस बीच विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी शेयर बाजार पर दबाव बढ़ा दिया।

सेंसेक्स 769.67 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के बीच एक समय यह 835.55 अंक फिसलकर 81,471.82 तक आ गया।

निवेशकों ने 6 लाख करोड़ रुपये गंवाए

एनएसई का निफ्टी भी 241.25 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूटकर 25,048.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी एक समय 25,025.30 अंक तक फिसल गया था। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, इंडिगो, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, ट्रेंट, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

- व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 2.19 प्रतिशत और मझोली कंपनियों का मिडकैप सूचकांक 1.56 प्रतिशत टूट गया।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 2,549.80 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,222.98 करोड़ रुपये की खरीदारी की।
- जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त में बंद हुए।

बैंकिंग धोखाधड़ी : अनिल अंबानी और एडीएजी को नए नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का कदम
- ईडी और सीबीआई को 10 दिन के अंदर लिफाफा बंद रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी और अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) को एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को नए नोटिस जारी किए। याचिका में कंपनी और उसकी समूह कंपनियों से जुड़े बड़े पैमाने पर बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की अदालत की निगरानी में जांच का अनुरोध किया गया है। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को कथित धोखाधड़ी की जांच पर 10 दिन के भीतर सीलबंद लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश भी दिया।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस तथ्य पर गौर किया कि अनिल अंबानी और एडीएजी को याचिकाकर्ता तथा पूर्व केंद्रीय सचिव ईएएस शर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका के नोटिस पहले ही तामील किए जा चुके हैं। पीठ ने पिछले साल 18 नवंबर को जनहित याचिका पर केंद्र सरकार, सीबीआई, ईडी, अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस जारी किए थे। कोर्नेट कहा कि अनिल अंबानी और एडीएजी को पेश होने और मामले में अपना जवाब दाखिल करने का यह आखिरी मौका है। बंबई हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को अनिल अंबानी और एडीएजी को नोटिस तामील कराने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया। पीठ ने याचिका पर 10 दिन बाद सुनवाई तय की।

पीठ ने इससे पहले याचिकाकर्ता शर्मा की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण की ओर से दिए गए निवेदनों पर दोनों पक्षों से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। जनहित याचिका पर आगे की सुनवाई तीन सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी थी। भूषण ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियां इस बड़े बैंकिंग घोटाले में बैंकों और उनके अधिकारियों की कथित संलिप्तता की जांच नहीं कर रही हैं।

सोना 1,500 रुपये बढ़कर 1.58 लाख, चांदी 9,500 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचो गईं। कारोबारियों के मुताबिक 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना इससे पिछले सत्र में 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को इसने 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ था। चांदी की कीमतों में भी 9,500 रुपये यानी लगभग तीन प्रतिशत का जोरदार उछाल आया और यह पिछले बंद भाव 3,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। चांदी ने बुधवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड बनाया था।

बैंकों में दो लाख करोड़ से अधिक की नकदी डालेगा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह कई माध्यमों से बैंकिंग प्रणाली में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की नकदी डालेगा। आधिकारिक रूप से कहा गया है कि मौजूदा नकदी और वित्तीय स्थितियों की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी डालने का निर्णय लिया है।

इन उपायों में 30 जनवरी, 2026 को आयोजित की जाने वाली 25,000 करोड़ रुपये की राशि के लिए 90 दिवसीय वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी और चार फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली तीन साल की अवधि के लिए 10 अरब डॉलर यानी 91,000 करोड़ रुपये की 'अमेरिकी डॉलर/ भारतीय रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी शामिल है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय बैंक खुले बाजार के परिचालन (ओएमओ) मार्ग के तहत कुल एक लाख करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीद भी करेगा। बयान के मुताबिक इसके तहत पांच फरवरी और 12 फरवरी को 50-50 हजार करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे जाएंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि प्रत्येक उपाय के लिए विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए डब्ल्यूईएफ भारत समेत विश्व में खोलेगा पांच नए केंद्र

उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास से समाज को अधिकतम लाभ और न्यूनतम जोखिम रखने का उद्देश्य

दावोस, एजेंसी

- आंध्रप्रदेश में खुलेगा नया केंद्र, मुंबई, तेलंगाना में पहले से हैं दो

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए पांच नए केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है, जिनमें से एक भारत के आंध्र प्रदेश में होगा। इसके साथ ही भारत में ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी। इससे पहले मुंबई और तेलंगाना में दो केंद्र पहले से कार्यरत हैं।

चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क एक बहु-हितधारक मंच है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों को साथ लाकर यह सुनिश्चित करना है कि उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास एवं उपयोग से समाज को अधिकतम लाभ हो और जोखिमों को न्यूनतम रखा जा सके। वर्ष 2017 में डब्ल्यूईएफ द्वारा शुरू किया गया यह नेटवर्क यूरोप, पश्चिम एशिया, एशिया और अमेरिका में स्थित स्वतंत्र राष्ट्रीय एवं विषयगत केंद्रों को एक साथ जोड़ता है, जो उन्नत और तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार विकास और उपयोग को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए नए केंद्र आंध्र प्रदेश के अलावा फ्रांस, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थापित किए जाएंगे।

डब्ल्यूईएफ ने कहा कि हरेक केंद्र सरकारों और उद्योग जगत के साथ मिलकर व्यावहारिक नीतिगत ढांचे और पायलट परियोजनाओं पर काम करेगा, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का ध्यान रखेगा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देगा। इन केंद्रों के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में एआई नवाचार, ऊर्जा बदलाव, साइबर सुरक्षा और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां शामिल होंगी। ये केंद्र क्षेत्रीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वैश्विक संवाद और सहयोग को भी आगे बढ़ाएंगे।

डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, "चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए पांच नए केंद्रों की स्थापना सरकारों, उद्योगों और विशेषज्ञों को साझा तकनीकी चुनौतियों पर एक साथ लाने के महत्व को दर्शाती है।" ब्रेंडे ने कहा कि स्थानीय और क्षेत्रीय अनुभवों के योगदान से साझेदार देश उभरती प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार विकास के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करेंगे।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज 136 करोड़ में सिंगापुर की कंपनी को खरीदेगी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज इसी क्षेत्र में काम करने वाली सिंगापुर की कंपनी फेनर्जिक सॉल्यूशंस का अधिग्रहण करेगी। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के मुताबिक वह अपनी इकाई एचसीएल सिंगापुर के जरिए इस सौदे को अंजाम दे रही है।

दोनों कंपनियों के बीच अधिग्रहण सौदे को लेकर पक्का समझौता हो चुका है। भारतीय कंपनी फेनर्जिक की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। वह इसके लिए 1.9 करोड़ सिंगापुर डॉलर (136 करोड़ रुपये) का भुगतान करेगी। सौदा 30 अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है। फेनर्जिक मुख्य रूप से वेल्थ मैनेजमेंट के क्लाइंट को सेवाएं प्रदान करती है। साल 2024 में उसका कुल राजस्व दोगुने से ज्यादा होकर 1.26 करोड़ सिंगापुर डॉलर रहा था। उसका शुद्ध लाभ 29 लाख सिंगापुर डॉलर और नेटवर्थ 54 लाख सिंगापुर डॉलर पर था। उसका कारोबार लग्जमबर्ग, स्विटजरलैंड और भारत में फैला हुआ है।

बिहार की दोनों बिजली वितरण कंपनियों को केंद्र सरकार ने दिया 'ए' ग्रेड

पटना। बिहार की बिजली वितरण कंपनी नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने 14वीं इंटीग्रेटेड रेटिंग एवं रैंकिंग रिपोर्ट में 'ए' ग्रेड दिया है।

शुक्रवार को विद्युत कंपनियों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्तर पर विभाग की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा, बिहार की विद्युत वितरण कंपनियां आमजन को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपनी कार्य प्रणाली एवं दक्षता में भी लगातार वृद्धि कर रही हैं। भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की आशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, हम सभी को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दोनों कंपनियां 'ए+' रेटिंग हासिल करेंगी।

जश्न की तैयारी

देश भर में गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कारण तिरंगे की मांग पूरे देश में बढ़ गई है। इसके चलते गुवाहाटी में तिरंगे सिलने में जुटीं महिला टेलर। एजेंसी

प्रमुख वित्तीय संस्थाओं में वेतन और पेंशन संशोधनों को केंद्र सरकार की मंजूरी

- करीब 46,322 कर्मचारी और 23,570 पेंशनर होंगे लाभान्वित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए व्यापक वेतन एवं पेंशन संशोधनों को मंजूरी दे दी। यह कदम सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसी), नाबार्ड और रिजर्व बैंक के मौजूदा तथा पूर्व कर्मचारियों को लाभान्वित करेगा।

केंद्र सरकार के इस संशोधन से कुल मिलाकर लगभग 46,322 कर्मचारी, 23,570 पेंशनर, और 23,260 परिवार पेंशनर लाभान्वित होंगे। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि कर्मचारियों के लिए वेतन संशोधन एक अगस्त 2022 की पूर्ववर्ती तिथि से लागू होगा। इसमें मूल वेतन और महंगाई भत्ता में 14 प्रतिशत वृद्धि की गई है, जिससे कुल वेतन खर्च में 12.41 प्रतिशत वृद्धि होगी। इसके अलावा जो एक अप्रैल 2010 के बाद जुड़े कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में कर्मचारियों का योगदान 10 से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया गया है। परिवार पेंशन में भी 30 प्रतिशत की एक समान वृद्धि की गई है, जो आधिकारिक गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होगी। इन संशोधनों से पीएसजीआईसी पर 8,170.30 करोड़ रुपये का वित्तीय असर पड़ने का अनुमान है।

पीएसजीआईसी में जो प्रमुख बीमा कंपनियां शामिल हैं उनमें नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और एग्रीकल्चरल इंश्योरेंस कंपनी शामिल हैं। नाबार्ड के ग्रुप ए, बी और सी के लगभग 3,800 वर्तमान और पूर्व कर्मचारी एक नवंबर 2022 से लगभग 20 प्रतिशत बढ़े हुए वेतन और भत्ते के हकदार होंगे। इसके साथ ही नाबार्ड के उन सेवानिवृत्तों के लिए भी पेंशन संशोधन मंजूर किया गया है, जो एक नवंबर 2017 से पहले जुड़े और सेवानिवृत्त हुए थे, ताकि उनकी पेंशन भी पूर्व आरबीआई-नाबार्ड सेवानिवृत्तों के समान हो सके।

अधिग्रहण पूरा, आईएएनएस समाचार एजेंसी भी हुई अब अदाणी समूह की

नई दिल्ली, एजेंसी

लेनदेन से संबंधित विवरण नहीं किए साझा

अब देश में ही वाणिज्यिक विमान बनाएगा अदाणी समूह, मंगलवार को होगी घोषणा

नई दिल्ली। अदाणी समूह 'मेक इन इंडिया' की दिशा में बड़ी पहल करते हुए देश में वाणिज्यिक विमानों का निर्माण शुरू करने वाला है। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने इसके लिए ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एंब्रेयर के साथ करार करने जा रही है। मंगलवार को यहां राजीव गांधी भवन स्थित नागरिक उड्डयन मंत्रालय में इसकी घोषणा की जाएगी। दोनों कंपनियों की ओर से मीडिया ब्रीफिंग के लिए जारी संयुक्त आमंत्रण में कहा गया है कि भारत के वाणिज्यिक विमानन की मेक इन इंडिया'' यात्रा में एक ऐतिहासिक विकास की घोषणा की जानी है। यह भी कहा गया है कि यह घोषणा एयरोस्पेस में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस में शेष 24 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदकर उस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज की मीडिया इकाई एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में बची हुई हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए शेयर खरीद समझौता किया है। हालांकि, लेनदेन से जुड़े वित्तीय विवरण साझा नहीं किए गए।

समूह ने दिसंबर 2023 में आईएएनएस (इंडो-एशियन न्यूज सर्विस) में 50.50 प्रतिशत की बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की थी जिससे यह समाचार एजेंसी अदाणी की मीडिया इकाई की अनुषंगी कंपनी बन गई थी। इसके बाद जनवरी 2024 में एएमजी मीडिया नेटवर्क्स ने आईएएनएस में मतदान अधिकार वाली हिस्सेदारी बढ़ाकर 76 प्रतिशत कर ली थी जबकि गैर-मतदान शेयर में भी उसकी हिस्सेदारी लगभग पूरी हो गई थी। शेयर बाजार को दी सूचना में कहा गया, एएमएनएल ने 21 जनवरी 2026 को आईएएनएस में शेष हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित लेनदेन के पूरा होने के बाद आईएएनएस कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी बन जाएगी।

इस पूर्ण अधिग्रहण के साथ मीडिया में अदाणी समूह की मौजूदगी और मजबूत हो गई है। इससे पहले समूह एनडीटीवी सहित अन्य मीडिया परिसंपत्तियों में निवेश कर चुका है। अदाणी समूह ने वर्ष 2022 में अपने पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़ते हुए मीडिया क्षेत्र में प्रवेश किया था। अप्रैल 2022 में अदाणी एंटरप्राइजेज ने मीडिया और प्रकाशन से जुड़े अधिग्रहणों के लिए एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड की स्थापना की थी। इसके बाद एएमजी मीडिया ने समाचार डिजिटल मंच बीक्यू प्राइम का संचालन करने वाली क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी।

प्राकृतिक गैस का उत्पादन दिसंबर में 4.2 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश में प्राकृतिक गैस का सकल उत्पादन दिसंबर 2025 में 4.2 प्रतिशत घटकर 293.7 करोड़ मानक घन मीटर रह गया। दिसंबर 2024 में प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन 306.6 करोड़ मानक घन मीटर (एससीएम) रहा था।

पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि दिसंबर में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) का प्राकृतिक गैस उत्पादन 0.1 प्रतिशत घटकर 159.3 करोड़ एससीएम रह गया। निजी एवं संयुक्त उपक्रमों का उत्पादन 8.3 प्रतिशत तथा ऑयल इंडिया लिमिटेड का उत्पादन सालाना आधार पर 10.1 प्रतिशत कम दर्ज किया गया और क्रमशः 110.2 करोड़ एससीएम तथा 24.3 करोड़ एससीएम पर रहा। घरेलू उत्पादन कम रहने के साथ तरल प्राकृतिक गैस एलएनजी के आयात में भी कमी आई है। यह दिसंबर 2025 में 280.8 करोड़ एससीएम रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 फीसदी नीचे है। घरेलू उत्पादन और आयातित एलएनजी मिलाकर देश में बिक्री के लिए उपलब्ध कुल प्राकृतिक गैस की मात्रा दिसंबर में 525.4 करोड़ एससीएम रह गई।

द्विपक्षीय व्यापार | वाणिज्य मंत्रालय ने साफ की स्थिति, विशिष्ट शुल्क छूट को तीन साल के लिए किया है निलंबित

ईयू के शुल्क लाभ रोकने से 2.66% निर्यात पर ही असर

नई दिल्ली, एजेंसी

करीब 1.66 अरब यूरो का व्यापार जीएसपी व्यवस्था से होगा बाहर

वर्ष 2023 में ईयू ने भारत से कुल 62.2 अरब यूरो का आयात किया था। इसमें से केवल 12.9 अरब यूरो का आयात ईयू के मानक जीएसपी ढांचे के तहत पात्र था। मंत्रालय ने कहा कि नए विनियमन के तहत करीब 1.66 अरब यूरो का व्यापार जीएसपी व्यवस्था से बाहर हो जाएगा, जिससे 2023 के आंकड़ों के आधार पर जीएसपी के तहत पात्र व्यापार घटकर 11.24 अरब यूरो रह जाएगा। इस तरह नया विनियम यूरोपीय संघ को भारत के कुल निर्यात का केवल 2.66 प्रतिशत ही प्रभावित करता है। ईयू की तरफ से उठाया गया यह कदम इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत और ईयू 27 जनवरी को एफटीए पर बातचीत पूरी होने की घोषणा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ (ईयू) की तरफ से एक प्रोत्साहन योजना के तहत शुल्क रियायतें निलंबित किए जाने से भारत से ईयू को होने वाले कुल निर्यात का केवल 2.66 प्रतिशत ही प्रभावित होगा। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में स्थिति साफ की।

ईयू सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत निर्यात प्रोत्साहन के लिए विकासशील और अल्प-विकसित देशों से होने वाले आयात पर कम या शून्य सीमा-शुल्क की सुविधा देता रहा है। यूरोपीय आयोग ने एक विनियमन अपनाया है जिसमें भारत एवं कुछ अन्य लाभार्थी देशों के लिए विशिष्ट शुल्क छूट को 2026-28 की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह विनियम औपचारिक रूप से एक जनवरी, 2026 से 31 दिसंबर, 2028 तक के लिए लागू हो गया है। इस संदर्भ में वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि नए जीएसपी प्रावधानों के तहत कृषि उत्पादों को श्रेणी से नहीं हटाया (ग्रेजुएट) गया है, इसलिए उन्हें इस योजना के तहत शुल्क लाभ मिलते रहेंगे। वहीं गैर-कृषि क्षेत्र में केवल चमड़ा क्षेत्र को इस दायरे में फिर से शामिल किया गया है।

'ग्रेजुएशन' का मतलब है कि कोई उत्पाद इतना प्रतिस्पर्धी मान लिया जाए कि अब उसे शुल्क में छूट की जरूरत नहीं रह गई है। इसके बाद उसे रियायती सूची से हटा दिया जाता है। ग्रेजुएशन की प्रक्रिया किसी देश के निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता पर आधारित होती है, जिसकी ईयू समय-समय पर समीक्षा करता है। भारत के मामले में समय के साथ उत्पादों का रियायती दायरे से बाहर आना उसके निर्यात की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता के कारण हुआ है। भारत 12 प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में जीएसपी की रियायती शुल्क व्यवस्था से बाहर हो चुका है। मंत्रालय ने बताया कि शुल्क रियायत का निलंबन 13 विशिष्ट जीएसपी खंडों में किया गया है।

जापान की पीएम साने ताकाइची ने भंग किया संसद का निचला सदन

तोक्यो, एजेंसी

● आठ फरवरी को देश में मध्यावधि चुनाव कराने का रास्ता साफ

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया जिससे आठ फरवरी को मध्यावधि चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया। यह कदम मात्र तीन महीने पहले प्रधानमंत्री का पद संभालने वाली ताकाइची का, अपनी लोकप्रियता का लाभ उठाने का प्रयास है ताकि सत्तारूढ़ दल हाल के वर्षों में हुए भारी नुकसान के बाद फिर से अपनी स्थिति मजबूत कर सके।

हालांकि उनके इस कदम से उस बजट पर मतदान टल जाएगा जिसका मकसद जूझती अर्थव्यवस्था को गति देना और महंगाई से निपटना है।

ताकाइची को अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना गया था। ताकाइची को प्रधानमंत्री बने मात्र तीन महीने हुए हैं लेकिन उन्हें करीब 70 प्रतिशत की मजबूत स्वीकृति रेटिंग मिली है। ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को अब भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि वह भ्रष्टाचार से जुड़े कई घोटालों और यूनिफिकेशन चर्च से पार्टी के पुराने संबंधों को लेकर विवादों से जूझ रही हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि नया विपक्षी दल सेंट्रिस्ट रिफॉर्म अलायंस मध्यमार्गी मतदाताओं को आकर्षित कर पाएगा या नहीं जबकि विपक्षी दल अब भी बिखरे हुए हैं। ताकाइची की ताइवान समर्थक टिप्पणियों के बाद चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि ताकाइची हथियारों पर अधिक खर्च करें। वाशिंगटन और बीजिंग इस क्षेत्र में सैन्य प्रभुत्व हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उत्कृष्ट सिनेमा का महाकुंभ

ऑस्कर अवार्ड

जादुई सुनहरी प्रतिमा 'ऑस्कर', जिसे आधिकारिक तौर पर एकेडमी अवार्ड्स कहा जाता है, दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सिनेमा सम्मान है। यह न केवल एक कलाकार की प्रतिभा का पैमाना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर सिनेमाई उत्कृष्टता का सर्वोच्च शिखर है। ऑस्कर की शुरुआत 16 मई, 1929 को हुई थी। इसकी स्थापना एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा की गई थी। इस संस्था की नींव एमजीएम स्टूडियो के मालिक लुई बी. मेयर ने रखी थी। पहला समारोह हॉलीवुड के रूजवेल्ट होटल में एक निजी रात्रिभोज के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें केवल 270 लोग शामिल थे। भारत को अब तक विभिन्न श्रेणियों में कुल 10 ऑस्कर मिले हैं जो व्यक्तिगत और सामूहिक पुरस्कार हैं।

10 हजार सदस्य चुनते हैं विजेता

● ऑस्कर विजेताओं का चयन कोई छोटी जूरी नहीं, बल्कि 'एकेडमी' के लगभग 10,000 से अधिक सदस्य करते हैं। ये सदस्य फिल्म उद्योग के पेशेवर (अभिनेता, निर्देशक, निर्माता, तकनीशियन) होते हैं। इसके लिए एक गुप्त मतदान कराया जाता है। मतदान एक गुप्त प्रक्रिया है जिसे प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) द्वारा ऑडिट किया जाता है। जिससे चयन को लेकर मतभेद की स्थिति न उत्पन्न हो। विजेताओं को लगभग एक प्रतिमा मिलती है। दिलचस्प तथ्य यह है कि ऑस्कर विजेता मिलने वाली ट्रॉफी को बेच नहीं सकते हैं। अगर वे इसे बेचना चाहें, तो उन्हें इसे पहले एकेडमी को मात्र 1 डॉलर में वापस करने का प्रस्ताव देना होता है।

नामांकन श्रेणियां

● वर्तमान में ऑस्कर मुख्य रूप से 24 श्रेणियों में दिया जाता है। इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सहायक भूमिकाएं, पटकथा (ओरिजिनल और एडाप्टेड), एडिटिंग, सिनेमैटोग्राफी, कॉस्ट्यूम डिजाइन, और अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म जैसी श्रेणियां शामिल हैं।

नामांकन व जीत के रिकॉर्ड

● ऑस्कर इतिहास में तीन फिल्मों के नाम सर्वाधिक 14 नामांकनों का संयुक्त रिकॉर्ड रहा है लेकिन 2026 में यह रिकॉर्ड टूट गया, फिल्म सिनर्स ने 16 श्रेणियों में नामांकन हासिल कर इतिहास बनाया है। पहले की तीन फिल्मों में ऑल अबाउट ईव (1950), टाइटैनिक (1997), ला ला लैंड (2016) में निर्मित फिल्म शामिल हैं।

● सबसे ज्यादा 11 ऑस्कर जीतने का रिकॉर्ड इन तीन फिल्मों के पास है जिनमें बेन-हर (1959), टाइटैनिक (1997), द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स : द रिटर्न ऑफ द किंग (2003) शामिल है।

भारत को अब तक 10

● भारत का ऑस्कर का सफर 1983 में शुरू हुआ। अब तक 10 ऑस्कर मिले हैं। वर्ष 1983 में भानु अथैया को फिल्म गांधी में बेस्ट कास्ट्यूम डिजाइन के लिए, 1992 में सत्यजीत रे को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, 2009 में रेसुल पुकुट्टी को स्लमडॉग मिलेनियर में बेस्ट साउंड मिक्सिंग, एआर रहमान को संगीत, गुलजार को बेस्ट सांग के लिए ऑस्कर मिला। 2023 एमएम. कीरावनी/चंद्रबोस को नाटू नाट के लिए बेस्ट ओरिजनल सांग और कार्तिकी गोंजाल्विस को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म के लिए मिला।

समारोह का स्थान

● वर्तमान में ऑस्कर समारोह लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में आयोजित किया जाता है। यह आमतौर पर हर साल फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में होता है। 2026 में भी यह आयोजन इसी भव्यता के साथ संपन्न होने की उम्मीद है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सिंगापुर एयर शो में भाग लेगी सारंग टीम

सिंगापुर। भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम अगले महीने की शुरुआत में कई प्रसिद्ध सैन्य एरोबेटिक टीम के साथ कदम से कदम मिलाते हुए सिंगापुर एयरशो 2026 में उड़ान प्रदर्शन करेगी। एयरशो के आयोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सारंग टीम ने एक्स पर लिखा कि सिंगापुर, हम आ गए हैं। सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित सिंगापुर एयरशो 2026 में सांसें रोक देने वाले करतब दिखाने के लिए तैयार है। इसे देखने के लिए तैयार हो जाइए। यह शानदार होने वाला है!

ऑस्ट्रेलिया में तीन के हत्यारे की तलाश जारी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स की पुलिस घरेलू हिंसा से जुड़ी गोलीबारी में तीन लोगों की हत्या करने वाले आरोपी की तलाश कर रही है। गुरुवार की शाम करीब 4.20 बजे हुई गोलीबारी के बाद पुलिस 37 वर्षीय संदिग्ध जूलियन इनग्राम को तलाश कर रही है। तलाश के लिए हेलीकॉप्टरों को भी तैनात किया गया है।

47 लाख के इनामी नौ नक्सलियों का सरेंडर

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शुक्रवार को 47 लाख रुपये के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली ओडिशा के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा संभाग के अंतर्गत आने वाली माओवादी कमेटी की नगरी और सीतानदी एरिया कमेटी तथा मैनपुर लोकल गुरिल्ला स्क्वाड से संबंधित हैं, जिनमें सात महिलाएं शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से सीतानदी एरिया कमेटी की सचिव ज्योति उर्फ जैनी (28) और संभागीय समिति सदस्य उषा उर्फ बलम्मा पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था।

7 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। नौसेना ने कहा कि मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मंगलवार को उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के कोविलन के पास उनकी दो नौकाएं जब्त कर ली गई हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों को कानूनी कार्यवाही के लिए जाफना के मायलिड्डी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। दोनों देशों के मछुआरों को अक्सर अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है।

ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस से कनाडा के पीएम कार्नी का निमंत्रण वापस लिया

नहीं बताया कोई स्पष्ट कारण, कनाडा-अमेरिका के रिश्तों में तल्खी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट से इस निर्णय की जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्नी को संबोधित एक संक्षिप्त पत्र के रूप में लिखे संदेश में ट्रंप ने बिना कोई विशेष कारण बताए स्पष्ट किया कि कनाडा के इस निकाय में शामिल होने के निमंत्रण को रद्द माना जाए।

यह घटनाक्रम दोनों देशों के बीच गहराते कूटनीतिक मतभेदों की ओर इशारा कर रहा है। यह कदम दोनों नेताओं के बीच इस सप्ताह हुई सार्वजनिक बयानबाजी और तीखी नोकझोंक के बाद उठाया गया है। इससे पहले गुरुवार को कार्नी ने ट्रंप के उस विवादास्पद दावे को सिरे से खारिज कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच से लौटने के बाद कार्नी ने क्यूबेक सिटी में कहा था कि कनाडा और अमेरिका के बीच आर्थिक और सुरक्षा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय साझेदारी है, लेकिन कनाडा अमेरिका के कारण जीवित नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा अपनी विशिष्ट पहचान और नागरिकों के कारण फल-फूल रहा है। दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान कार्नी ने वैश्विक व्यवस्था में आने वाली 'दरार' के प्रति आगाह किया था और प्रमुख शक्तियों द्वारा टैरिफ (शुल्क) तथा आर्थिक दबाव के उपयोग की खुलकर आलोचना की थी। उन्होंने ग्रीनलैंड और डेनमार्क के प्रति भी अपना समर्थन व्यक्त किया था, जिसे अमेरिकी नीतियों के विरोध के रूप में देखा गया। इसके विपरीत, ट्रंप ने उसी मंच से बोलते हुए दावा किया था कि कनाडा अमेरिका की वजह से ही जीवित है। दावोस में ट्रंप और कनाडाई प्रधानमंत्री के बीच कोई द्विपक्षीय मुलाकात भी नहीं हुई थी, जिससे तनाव की स्थिति पहले ही स्पष्ट हो गई थी।

हस्ताक्षर करने पर पाकिस्तान की संसद में हंगामा

इस्लामाबाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा के लिये नवगठित 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के पाकिस्तान के फैसले ने देश के राजनीतिक हलकों में तीव्र विरोध को जन्म दिया है। गुरुवार को संसद में भारी हंगामा हुआ, जिसमें विपक्षी दलों ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे नेतृत्व की श्री ट्रम्प से करीबी बढ़ाने की कोशिश बताया। गाजा जैसे संवेदनशील मुद्दे से जुड़े मामले में पारदर्शिता की कमी और संसदीय अनुमोदन न लेने पर सवाल उठाते हुए, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने सरकार की कड़ी आलोचना की।

ट्रंप की इच्छा, कनाडा अमेरिका का 51 वां राज्य बन जाए

व्हाइट हाउस में दोबारा वापसी के बाद से ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापारिक और राजनीतिक मोर्चे पर कड़ा रुख अपना रखा है। कनाडा पर व्यापक व्यापारिक शुल्क लगा दिए हैं और बार-बार यह सुझाव देकर विवाद पैदा किया है कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। निमंत्रण वापसी के इस ताजा फैसले के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापारिक और राजनीतिक संबंधों में और अधिक कड़वाहट आने की संभावना जताई जा रही है।

नेपाल में पूर्व पीएम भट्टराई नहीं लड़ेंगे आम चुनाव

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई ने देश में मार्च में प्रस्तावित आम चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी शुक्रवार को वापस ले ली। उन्होंने कहा कि वह नेपाली युवाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह कदम उठा रहे हैं। भट्टराई (71) ने गंडकी प्रांत के गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्र से प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा संदेश में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। भट्टराई ने कहा कि युवा पीढ़ी और गोरखा जिले के मतदाताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह फैसला लिया है।

बच गई फ्रांस में लेकोर्नू सरकार

पेरिस। फ्रांस की सरकार के खिलाफ लाए गए दो अविश्वास प्रस्ताव शुक्रवार को गिर गए जिससे प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नू की सरकार पर मंडरा रहा संकट फिलहाल टल गया है। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने से वर्ष 2026 के लिए पूर्ण राज्य बजट को अपनाने की दिशा में एक बड़ी बाधा दूर हो गई है। अविश्वास प्रस्ताव को 269 सांसदों का समर्थन मिला।

अमेरिका, यूक्रेन और रूस में त्रिपक्षीय वार्ता

अबू धाबी, एजेंसी

● यूक्रेन-रूस के बीच जंग समाप्ति को महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम

रूस के यूक्रेन पर 2022 में शुरू किए गए हमले के बाद पहली बार अमेरिका, यूक्रेन और रूस के वार्ताकार शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में एक साथ मेज पर बैठेंगे। यह तीनों देशों के बीच होने वाली पहली ज्ञात त्रिपक्षीय बैठक है, जिसे युद्ध समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम माना जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सहायक यूरी उशाकोव ने पुष्टि की है कि रूस सुरक्षा मुद्दों पर त्रिपक्षीय कार्य समूह की पहली बैठक के लिए अबू धाबी में यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के साथ शामिल होगा।

इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इस बैठक के आयोजन की पुष्टि की थी। यह ऐतिहासिक वार्ता राष्ट्रपति ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर की रूसी राष्ट्रपति के साथ हुई गहन मुलाकात के बाद आयोजित की जा रही है। गुरुवार देर रात पुतिन के साथ इन अमेरिकी प्रतिनिधियों की बैठक तीन घंटे से अधिक समय तक चली थी। रूस ने इस चर्चा को अत्यंत ठोस, रचनात्मक और गोपनीय बताया है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि अबू धाबी में होने वाली त्रिपक्षीय वार्ता किस समय शुरू होगी, लेकिन इसे लेकर वैश्विक स्तर पर उम्मीदें बढ़ गई हैं। सकारात्मक संकेतों के बावजूद रूस ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाए बिना किसी भी दीर्घकालिक समाधान की उम्मीद करना जल्दबाजी होगी।

पुतिन ने ट्रंप के दूतों से की लंबी बातचीत

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन मुद्दे के समाधान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों से चर्चा की। रातभर चली वार्ता के दौरान क्रेमलिन ने इस बात पर जोर दिया कि शांति समझौते तक पहुंचने के लिए क्षेत्रीय विवाद का समाधान जरूरी है। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब इससे कुछ घंटे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने अपने यूरोपीय सहयोगियों की तीखी आलोचना की थी। ज़ेलेंस्की ने कहा था कि रूस के लगभग चार वर्ष पहले शुरू किए गए आक्रमण और उसकी लगातार जारी आक्रामकता के प्रति यूरोप की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई और अपर्याप्त रही है।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड केस ईडी ने की तीन राज्यों में छापेमारी

पणजी/नई दिल्ली, एजेंसी

● लूथरा बंधुओं के कार्यालय और घर सहित नौ परिसरें में तलाशी

गोवा के नाइटक्लब बर्च बाय रोमियो लेन के प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को गोवा, हरियाणा और दिल्ली में छापे मारे। इसी नाइटक्लब में पिछले साल दिसंबर में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि कम से कम नौ परिसरों पर तलाशी ली जा रही है जिनमें राजधानी दिल्ली के किंग्सवे कैंप में स्थित सौरभ और गौरव लूथरा बंधुओं के कार्यालय और आवास, हरियाणा के गुरुग्राम में तत्त्वम विला में सह-मालिक अजय गुप्ता का ठिकाना, इसके अलावा गोवा में अरपोरा-नागोआ के पूर्व सरपंच रोशन रेडकर और पंचायत सचिव रघुवीर बागकर के परिसर शामिल हैं। जांचकर्ताओं ने कुछ परिसरों से कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं। ईडी के अनुसार, रेडकर और बागकर पर क्लब के लिए अवैध व्यापार लाइसेंस और एनओसी जारी करने एवं सुविधा प्रदान करने का आरोप है। एजेंसी के अधिकारी सुरिंदर कुमार खोसला के परिसर में भी मौजूद हैं ताकि उस धन शोधन के पहलू की जांच की जा सके जो खजान भूमि (विशिष्ट पारंपरिक कृषि भूमि जिसे आर्द्र दलदली भूमि को सुखाकर बनाया जाता है) के अवैध रूपांतरण से उत्पन्न हुआ है जिस पर बर्च बाय रोमियो लेन क्लब स्थित है। खोसला एक ब्रिटिश नागरिक है और माना जाता है कि वह क्लब के मालिकों में से एक है।

हादसे में 25 लोगों की हुई थी मौत, 50 जख्मी

गोवा के अरपोरा गांव में स्थित बर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइट क्लब में छह दिसंबर 2025 को आग लग गई थी। इस घटना में 25 लोगों की मौत हुई थी और लगभग 50 लोग भी घायल हो गए। घटना के कुछ घंटों बाद ही दोनों भाई देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए थे। उन्हें करीब दस दिन बाद 17 दिसंबर 2025 को भारत वापस भेज दिया गया और वे गोवा पुलिस की हिरासत में है।

विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और ईयू

दावोस। भारत और यूरोपीय संघ ने विमानन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए नियामकों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई है तथा ढांचागत विकास के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने गुरुवार को दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय संघ के परिवहन आयुक्त अपोस्टोलोस त्जित्जिकोस्टास से मुलाकात की। दोनों के बीच नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणालियों पर गहन चर्चा हुई। बैठक में हरित विमान ईंधन जैसे नवाचारों पर विशेष रूप से बात हुई। इसमें पर्यावरण-अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता दी गई।

अवैध यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको : हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी

● बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने देश की जनता से किया आह्वान

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को देश की जनता से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और कहा कि अगर यह सत्ता में बनी रहती है तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं होंगे। ढाका से नई दिल्ली आने के 17 महीने बाद भारत में अपने पहले सार्वजनिक भाषण में, अवामी लीग की नेता ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को संयुक्त राष्ट्र से पिछले वर्ष की घटनाओं की निष्पक्ष जांच करने का आग्रह करना चाहिए।

उन्होंने लोगों से संविधान को बहाल करने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में हसीना का पहले से रिकॉर्ड किया गया ऑडियो क्लिप चलाया गया। यह संदेश बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए प्रचार शुरू होने के एक दिन बाद आया। अवामी लीग पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। हसीना ने यूनुस पर अवैध शासन चलाने का आरोप लगाया। कहा कि देश अब चरमपंथी सांप्रदायिक ताकतों और विदेशी अपराधियों के हमले से तबाह है। अगस्त 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के कारण हसीना को भारत आना पड़ा था।

अमेरिका ने पूरी की डब्ल्यूएचओ से हटने की प्रक्रिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। संघीय अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक स्वास्थ्य निकाय के प्रति वाशिंगटन की 78 साल पूरी प्रतिबद्धता खत्म किए जाने का नोटिस देने के लगभग एक साल बाद सामने आया है। हालांकि, इस सिलसिले में कुछ सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, अमेरिका को वैश्विक स्वास्थ्य निकाय को 13 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से भी यह स्वीकार किया गया है कि कुछ मुद्दों को अभी नहीं सुलझाया जा सका है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 24 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 25 जनवरी 00.39 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

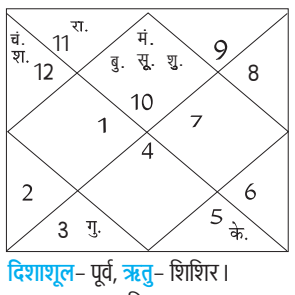

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 14.16 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज बड़े भाई-बहन को लेकर थोड़े तनाव में आ सकते हैं। धन संबंधी परेशानियों से घिरे रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। आपको गैस और पित्त की समस्या हो सकती है। स्वयं द्वारा बनाए हुए नियमों और सिद्धांतों की स्वत: अवहेलना न करें।

वृष — आज व्यवसाय को लेकर बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। व्यापार में आ रहे विघ्नों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण की भावना में वृद्धि होगी। आपको नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है। घर के बड़े-बुजुर्ग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ प्राप्त होगा। आपकी कार्यशैली में सुधार हो सकता है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए परिश्रम करेंगे। विदेश यात्रा से धन लाभ मिलेगा। पाचनतंत्र में कुछ परेशानी हो सकती है।

कर्क — आज आपको सहकर्मियों का साथ नहीं मिलेगा। शेयर और जोखिम भरे निवेशों में थोड़ी परेशानी होगी। शारीरिक और मानसिक थकान रहेगी। जीवनसाथी आपके ऊपर नाराज हो सकते हैं। व्यर्थ के प्रपंचों से आपको दूर रहना चाहिए।

सिंह — आज गुप्त विद्याओं के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें। जिस काम में मन न लग रहा हो उसे बिल्कुल न करें। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में नए विरोधी उभर सकते हैं। प्रेम संबंधों में शंका की भावना न पनपने दें।

कन्या — आज साहस और बुद्धिमत्ता युक्त निर्णय लेने से आपको व्यवसाय में शानदार सफलता मिलेगी। मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लोगों को विवाह के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। सरकारी नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

तुला — आज नया काम शुरु करने के लिए दिन उत्तम है। विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त नौकरी करने की योजना बनाएंगे। नि:संतान दंपतियों को शुभ समाचार मिल सकते हैं। विरोधी भी आपकी प्रतिभा का सम्मान करेंगे।

वृश्चिक — आज नया व्यापार शुरू करने में सफलता मिलेगी। अपनी वाणी में संयम भाव रखें। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। संपत्ति के मामलों में विजय प्राप्त हो सकती है। कारोबारी उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

धनु — आज अपने काम से काम रखें दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें। युवा जातक प्रेमीजन से प्रणय निवेदन कर सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में सुधार होने की संभावना है। आप कला में रुचि ले सकते हैं। नए दोस्त बनने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें। आईटी से जुड़े व्यवसाय से धन लाभ प्राप्त होगा। कुछ लोग आपकी निश्छलता का गलत फायदा उठाने का प्रयास करेंगे। यदि पार्टनरशिप में कोई व्यापार कर रहे हैं, तो उसमें पारदर्शिता अवश्य रखें।

कुंभ — आज व्यायाम और ध्यान अवश्य करें। हर समस्या का व्यवहार कुशलता से समाधान निकाल लेंगे। बच्चों के लिए कुछ उपहार ले सकते हैं। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। पुरानी यादें दोबारा ताजा होंगी। आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा।

मीन — आज आपकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। रात के समय सड़क यात्रा करने से बचें। बिना जांच-पड़ताल के निवेश करने से आर्थिक हानि हो सकती है। अपनी उपलब्धियों का अधिक बखान न करें।

सुडोकू-41

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7		2			1	
		9			8			3
		4	9		6			5
2			5	3	7			6
		1				7		
6			1	9	2			4
4			7		1	5		
5			8			9		
	8			5		6		

सुडोकू - 40 का हल

6	9	8	5	4	7	3	2	1
4	2	3	9	6	1	7	8	5
5	1	7	8	2	3	6	4	9
3	4	9	2	7	5	8	1	6
2	5	6	3	1	8	9	7	4
7	8	1	4	9	6	5	3	2
8	7	4	6	5	2	1	9	3
1	6	2	7	3	9	4	5	8
9	3	5	1	8	4	2	6	7

रोहित भाई पावरप्ले में जो शुरुआत देते थे, उससे प्रतिद्वंद्वी टीम पर दबाव होता था। कोच और कप्तान मुझसे यही चाहते थे। यह मेरी शैली के अनुरूप है क्योंकि मुझे आक्रामक खेलने का शौक है।

अभिषेक शर्मा भारतीय बल्लेबाज

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, शनिवार ,24 जनवरी 2026

हाईलाइट

एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर के पूल बी में भारत

नई दिल्ली। हैदराबाद में होने वाले 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर में भारत को चार टीमों वाले पूल बी में रखा गया और मेजबान देश अभियान की शुरूआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। भारत इसके बाद नौ मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स के खिलाफ पूल मुकाबले खेलेगा। इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में शामिल हैं। सेमीफाइनल मुकाबले 13 मार्च को खेले जाएंगे जबकि तीसरे स्थान का प्ले-ऑफ और फाइनल 14 मार्च को आयोजित होगा। दूसरा क्वालीफाइंग टूर्नामेंट चिली के सैंटियागो में 28 फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाएगा जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, आयरलैंड, चिली, फ्रांस, कनाडा, मलेशिया और स्विट्जरलैंड की टीम भाग लेंगी।

राइफल ट्रायल्स में माने साक्षी का बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की साक्षी सुनील पडेककर और रेलवे के शाहू तुषार माने ने शुक्रवार को राष्ट्रीय चयन ट्रायल 1 और 2 (ग्रुप ए) में क्रमशः 10 मीटर एयर राइफल महिला और पुरुष स्पर्धाओं के फाइनल और क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर स्कोर बनाया। साक्षी ने टी2 फाइनल में 254.3 अंक बनाए जबकि शाहू तुषार माने ने क्वालिफिकेशन में 637.1 का स्कोर किया। ये दोनों स्कोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर होने के बावजूद आधिकारिक रिकॉर्ड बुक में दर्ज नहीं किए जाएंगे। ओलंपियन अर्जुन बबूता ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टी2 फाइनल में जीत दर्ज की जबकि साक्षी ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टी2 फाइनल अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शाहीन पाक टीम में

कराची। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू शृंखला के लिए शुक्रवार को तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल किया। अफरीदी के घुटने की चोट से वापसी और बाबर आजम के बिग बैश लीग से लौटने के अलावा इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अफरीदी को ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए घुटने में चोट लग गई थी और वह लाहौर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में उपचार के लिए घर लौट आए थे।।

भारत ने भूटान को 11-3 से हराया

नोंथाबुरी (थाईलैंड)। भारत ने सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 में भूटान को 11-3 से हराने के लिए दमदार अटैकिंग प्रदर्शन किया। निखिल माली ने हैट्रिक लगाई, उन्होंने तीनों गोल मैच के आखिरी मिनट में किए। विंसेंट लालतलुआंगजेला और अनमोल अधिकारी ने दो-दो गोल किए। जोनाथन लालरावंगबावला, लालसॉम्पिया और सीन डिसूजा ने एक-एक गोल किया, जबकि भूटान के जिग्मन सेल्टोब दोरजी ने एक आत्मघाती गोल किया। इस बड़ी जीत से भारत चार मैचों में पांच अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। मालदीव के दिन में पहले नेपाल को 2-1 से हराने के बाद फुटसल टाइगर्स पहले ही टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान की दौड़ से बाहर हो गए थे।

भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

दूसरा टी20 : कप्तान सूर्यकुमार ने नाबाद 82 और इशान ने 76 रनों की खेलीं विस्फोटक पारियां

रायपुर, एजेंसी

- भारत ने पांच मैचों की शृंखला में 2-0 की बनाई बढ़त, कीवी कप्तान सैंटनर और रचिन रवींद्र की उपयोगी पारियां हुईं बेकार

कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 82) और इशान किशन (76) की विस्फोटक पारियों के दम पर भारत ने पांच मैचों की शृंखला के दूसरे टी20 में शुक्रवार को न्यूजीलैंड को 28 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराया। न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रनों पर रोकने के बाद भारत ने 15.2 ओवर में तीन विकेट पर 209 रनों के साथ शृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली।

सूर्यकुमार यादव

टी20 विश्व कप से पहले लय हासिल करते हुए सूर्यकुमार ने 23 पारियों से चले आ रहे अर्धशतक के सूखे को खत्म किया। उन्होंने 37 गेंद की नाबाद पारी के दौरान नौ चौके और चार छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए इशान के साथ महज 49 गेंद में 122 और शिवम दुबे (नाबाद 36) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 81 रन की अटूट की साझेदारी के साथ टीम के आसानी से जीत दिला दी। भारत ने इसके साथ ही टी20 में लक्ष्य का सफलता से सबसे बड़े स्कोर के पीछा करने के अपने रिकॉर्ड की बराबरी की। टीम ने इससे पहले 2023 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी लक्ष्य का पीछा करते हुए 209 रन बनाये थे। इशान ने 32 गेंद की पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाए जबकि दुबे ने 18 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और एक चौका जड़ा।

न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में दो अहम विकेट लेकर शानदार वापसी की, जिससे भारत ने न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रनों पर रोक दिया। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र (44 रन, 26 गेंद) और कप्तान मिचेल सैंटनर (नाबाद 47 रन, 27 गेंद) ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 200 रनों के पार पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन को दूसरी गेंद पर जीवनदान मिला जब मैट हेनरी की गेंद पर कोन्वे ने बाउंड्री के बाद उनका कैच छोड़ दिया। सैमसन स्कोर कार्ड में इजाफ किए बगैर रवींद्र को कैच देकर पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा खाता खोले बगैर जैकब डफी का शिकार बने। छह रन पर दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव में थी, लेकिन इशान पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने जैक फोक्स के खिलाफ तीन चौके और एक छक्का के साथ तीसरे ओवर से 24 रन बटोर लिया। उन्होंने कप्तान सैंटनर के खिलाफ हैट्रिक चौका लगाया और छठे ओवर में हेनरी के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौका जड़ते हुए 21 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। पावरप्ले में भारत ने 75 रन बना लिए। सूर्यकुमार ने सैंटनर के खिलाफ चौका लगाकर टीम के रनों का शतक पूरा किया। अब तक संभल कर खेल रहे भारतीय कप्तान ने नौवें ओवर में फोक्स के खिलाफ चार चौके और एक छक्का लगाया। टीम ने इस ओवर से 25 रन बटोर लिये। इशान 10वें ओवर में ईश सोढ़ी के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में गेंद हवा में लहरा बैठे और हेनरी ने आसान कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया।

इशान किशन

दूसरे टी20 मैच के दौरान ग्लेन फिलिप्स का विकेट लेने के बाद साथियों के साथ जश्न मनाते कुलदीप यादव।

भारतीय कप्तान को डफी की गेंद पर मुश्किल जीवनदान मिला जब चैपमैन उनका कैच लपकने में नाकाम रहे और गेंद उनके हाथ से लगकर छह रन के लिए चली गयी। सूर्यकुमार ने अगली गेंद पर एक रन चुराकर 23 पारियों के बाद अपना अर्धशतक पूरा किया। शिवम दुबे ने सोढ़ी के खिलाफ दो छक्के लगाकर हाथ खोला और फिर भारतीय कप्तान के साथ आक्रामक बल्लेबाजी कर आसान जीत दिला दी।

सूर्यकुमार ने इससे पहले ओस की संभावना को देखते हुए टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। चोटिल अक्षर पटेल और आराम दिए गए जसप्रीत बुमराह की जगह हर्षित राणा और कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल किया गया। कॉन्वे (19 रन, नौ गेंद) और टिम सिफर्ट (24 रन, 13 गेंद) ने न्यूजीलैंड को तेज शुरुआत दिलाई लेकिन दोनों बल्लेबाज टीम के 43 रन के स्कोर पर आउट हो गए। कोन्वे ने पहले ओवर में ही आउटस्विंगर से छकाए जाने के बावजूद अर्शदीप सिंह पर आक्रामक रुख अपनाया और तीन चौके व एक छक्का लगाकर 18 रन बटोरे। इसके बाद सिफर्ट ने भी अर्शदीप के अगले ओवर में चार चौके जड़ते हुए 18 रन निकाल लिए। चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए हर्षित राणा ने दूसरी ही गेंद पर कोन्वे को आउट किया। यह सफेद गेंद की इस शृंखला में चौथी बार था जब राणा ने बायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। रवींद्र ने कुछ शानदार शॉट्स लगाए, लेकिन वह कुलदीप की फिरकी को पढ़ने में नाकाम रहे और आउट हो गए। इससे पहले कुलदीप ने खतरनाक ग्लेन फिलिप्स को गुगली पर छकाते हुए बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच करवाया था। शुरुआती 10 ओवरों में तीन विकेट पर 111 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड बड़े स्कोर की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन भारत ने मैच में वापसी की।

शिवम दुबे ने 12वें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए और अपनी धीमी गेंद पर फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को आउट कर दबाव बना दिया। अंतिम पांच ओवरों में कप्तान सैंटनर ने मोर्चा संभालते हुए कुछ आकर्षक चौके और हार्दिक पंड्या पर एक सीधा छक्का जड़ा। जैक्स फोक्स ने आखिरी दो गेंद पर छक्का और चौका जड़ जिससे टीम को अंतिम पांच ओवरों में 57 रन बटोरे।

न्यूजीलैंड

208/6 (20 ओवर)

डेवोन कोन्वे का पंड्या बो राणा	19
टिम सिफर्ट का इशान बो चक्रवर्ती	24
रचिन रविंद्र का अर्शदीप बो कुलदीप	44
ग्लेन फिलिप्स का पंड्या बो कुलदीप	19
डेरिल मिचेल का पंड्या बो दुबे	18
मार्क चैपमैन का अभिषेक बो पंड्या	10
मिचेल सैंटनर नाबाद	47
जैक फोक्स नाबाद	15

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-53-0, पंड्या 3-0-25-1, राणा 3-1-35-1, चक्रवर्ती 4-0-35-1, कुलदीप 4-0-35-2, अभिषेक 1-0-12-0, दुबे 1-0-7-1

भारत

209/3 (15.2 ओवर)

संजू सैमसन का रवींद्र बो हेनरी	06
अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो डफी	00
इशान किशन का हेनरी बो सोढ़ी	76
सूर्यकुमार यादव नाबाद	82
शिवम दुबे नाबाद	36

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-41-1, डफी 4-0-38-1, फोक्स 3-0-67-0, सैंटनर 2-0-27-0, सोढ़ी 3-0-34-1, मिचेल 0.2-0-2-0

झारखंड के 561 रनों से उत्तर प्रदेश बैकफुट पर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रणजी ट्रॉफी के एलीट पूल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगता नजर आ रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में झारखंड के खिलाफ खेले जा रहे मैच के दूसरे दिन मेजबान यूपी पूरी तरह दबाव में दिखी। झारखंड की पहली पारी के 561 रनों के जवाब में यूपी ने महज 32 रन पर अपने शीर्षक्रम के तीन अहम विकेट गंवा दिए। झारखंड की ओर से शरणदीप ने 139, आर्यमान सेन ने 75 तथा कुशाग्र ने 102 रन की शतकीय पारी खेली। यूपी की ओर से कुनाल त्यागी व शिवम शर्मा को दो-दो विकेट मिले। जवाब में यूपी की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने चार रन पर ही माधव कौशिक (2) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आर्यन जुयाल (4) और आदित्य शर्मा (2) भी जल्दी पवेलियन लौट गए। दिन का खेल समाप्त होने तक अभिषेक गोस्वामी 14 रन और शिवम शर्मा 8 रन बनाकर क्रीज पर टिके थे।

रणजी ट्रॉफी

शतक जड़ने के बाद खुशी जाहित करते झारखंड के कुशाग्र।

सरफराज ने जड़ा दोहरा शतक

हैदराबाद। सरफराज खान की 227 रनों की पारी की बदौलत मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में हैदराबाद पर दबदबा बना लिया। हैदराबाद ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पहली पारी में दो विकेट पर 138 रन बना लिए है। मुंबई की पहली पारी 560 रन पर सिमटी। ग्रुप के अन्य मैच में खराब रोशनी से पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर का खेल रोकना पड़ा।

गुकेश के सामने छठे दौर में अब्दुसत्तोरोव की चुनौती

विक आन जी (नीदरलैंड्स)। पिछले मुकाबले में जीत से आत्मविश्वास हासिल करने वाले भारत के युवा विश्व चैंपियन डी गुकेश टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में उज्बेकिस्तान के अनुभवी और संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से भिड़ेंगे। गुकेश ने पांचवें दौर में काले मोहरों से चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराया था। उन्हें लगातार दूसरे मुकाबले में काले मोहरों से खेलना होगा। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए मोहरों का रंग उनके प्रदर्शन पर असर डालता नहीं दिख रहा है।

टाटा स्टील मास्टर्स

गुकेश टूर्नामेंट की शुरुआत में कुछ मौकों पर अच्छी स्थिति का पूरा फायदा नहीं उठा सके। शुरुआती दौर में जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ बेहतर स्थिति होने के बावजूद जीत दर्ज करने में नाकाम रहे गुकेश ने इसके बाद जॉर्डन वैन फॉरेस्ट के खिलाफ पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। चार ड्रॉ और एक जीत के साथ तीन अंक लेकर गुकेश फिलहाल संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

सिंधु और लक्ष्य की हार से भारतीय चुनौती समाप्त

इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन

- चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधु 6-8 से पीछे

जकार्ता, एजेंसी

पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये, जिससे पांच लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती शुक्रवार को समाप्त हो गई।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर चार खिलाड़ी चेन यू फेई के खिलाफ 42 मिनट तक चले मुकाबले में

13-21, 17-21 से हार मिली। इस हार के साथ ही सिंधु का सुपर 500 स्तर के इस टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया। चेन यू फेई के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में अब सिंधु 6-8 से पीछे हो गई हैं। सिंधु की चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ पिछली जीत 2019 में दर्ज हुई थी।

पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को थाईलैंड के उभरते खिलाड़ी पनिचाफोन तीरारत्साकुल से कड़े मुकाबले में 18-21, 20-22 से हार मिली। यह मैच 46 मिनट चला। लक्ष्य दोनों गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद भी जीत दर्ज करने में नाकाम रहे। लक्ष्य को हराने से पहले थाईलैंड का खिलाड़ी प्री-क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता ली जी जिया को भी टूर्नामेंट से बाहर कर चुका है।

इससे पहले गुरुवार को किदांबी श्रीकांत और अनमोल खरब पुरुष और महिला एकल वर्ग में हारकर बाहर हो गए थे। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और एम आर अर्जुन की जोड़ी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे बढ़ने में नाकाम रही। महिला युगल वर्ग में भारत की कोई भी जोड़ी भाग नहीं ले रही थी जबकि दो भारतीय जोड़ियां पहले दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं।

बांग्लादेश की अपील पर सुनवाई डीआरसी के अधिकार क्षेत्र में नहीं

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी की विवाद समाधान समिति (डीआरसी) को पत्र लिखकर राष्ट्रीय पुरुष टीम के टी20 विश्व कप मुकाबले भारत में कराने के संचालन परिषद के फैसले को पलटने की मांग की है, लेकिन यह अपील सुनी नहीं जाएगी क्योंकि यह मामला उप-समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भले ही स्कॉटलैंड को स्टैंडबाय पर रखा हो, लेकिन अमीनुल इस्लाम बुलबुल के नेतृत्व वाला बीसीबी आखिरी विकल्प के तौर पर आईसीसी की डीआरसी के पास पहुंचा। इस समिति के अध्यक्ष इंग्लैंड के माइकल बेलॉफ (किंग्स काउंसिल) हैं। बीसीबी के सूत्र ने बताया कि बीसीबी ने डीआरसी का रुख किया है क्योंकि वह अपने सभी विकल्प आजमाना चाहता है। अगर डीआरसी बीसीबी के खिलाफ फैसला देती है तो फिर स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट (सीएएस) ही बचेगा।

प्लेऑफ में बने रहने को दिल्ली की निगाहें ऑलराउंड प्रदर्शन पर

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए शनिवार को शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली ने पिछले मैच में मुंबई को सात विकेट से हराकर वापसी के संकेत दिए थे और वह चार अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। अब तक अजेय रही आरसीबी को हराने के लिए दिल्ली को अपने खेल का स्तर और ऊंचा करना होगा। अब तक दिल्ली की बल्लेबाजी की अगुआई अनुभवी लिजेल ली (213 रन) ने की है जबकि लॉरा वोलवार्ट (123 रन) और शेफाली वर्मा (149 रन) ने बीच-बीच में उनका सहयोग किया है।

आर्यना सबालेंका

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद मारोजसन पर जीत की हासिल

कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबालेंका चौथे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल के तीसरे दौर में कोरेंटिन माउटेट पर जीत दर्ज की। स्पेन के अल्काराज करियर ग्रैंडस्लैम की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने 32वीं वरीयता प्राप्त माउटेट पर 6-2, 6-4, 6-1 से जीत हासिल की। महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने अनास्तासिया पोटापोवा को 7-6 (4), 7-6 (7) से मात दी।

कार्लोस अल्काराज

अल्काराज ने कहा कि जब आप कोरेंटिन जैसे किसी खिलाड़ी के साथ खेलते हैं तो आपको नहीं पता होता कि आगे क्या होने वाला है। जैसा कि आप देख सकते हैं, हम दोनों ने शानदार शॉट्स लगाए। शानदार अंक जुटाए। अल्काराज अब रविवार को दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे, जिन्होंने एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के चोट के कारण रिटायर होने से अगले दौर में प्रवेश किया। पॉल ने पहले दो सेट 6-1, 6-1 से अपने नाम किए थे।

महिलाओं के एकल में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। सबालेंका ने 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता और एक साल पहले वह मैडिसन कीज से हारकर उपविजेता रही थीं। सबालेंका ने दो बार अमेरिकी ओपन भी जीता है। अब चौथे दौर में सबालेंका का सामना उभरती हुई स्टार विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने क्लारा टौसन को हराया है।

पुरुषों के अन्य मुकाबलो में दानिल मेदवेदेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फैबियन मारोजसन पर 6-7 (5), 4-6, 7-5, 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। यह पांचवीं बार है जब मेदवेदेव ने 0-2 से पिछड़ने के बाद ग्रैंड स्लैम मैच जीता है। 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन और तीन बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन उप विजेता मेदवेदेव अब अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन से भिड़ेंगे, जिन्होंने उन्हें पिछले साल दूसरे दौर के पाच सेट चले मैच में हराया था। 25वीं वरीयता प्राप्त टिएन ने नूनो बोर्गेस को 7-6 (9), 6-4, 6-2 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

इवा जोविक ने पाओलिनी को हराकर किया बड़ा उलटफेर

महिला खिलाड़ी इवा जोविक ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए जैस्मीन पाओलिनी को तीसरे राउंड में 6-2, 7-6(3) से हरा दिया। इस नतीजे से जोविक सिर्फ अपने छठे प्रयास में पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचीं। यह चार मुलाकातों में किसी टॉप 10 खिलाड़ी के खिलाफ़ उनकी पहली जीत भी है। इस टीनएजर की पिछली तीन हार में से दो पाओलिनी के खिलाफ़ थीं, पिछले साल इंडियन वेल्स और यूएस ओपन में।

इवा जोविक

कोको गॉफ लगातार चौथी बार चौथे राउंड में पहुंची

मेलबर्न। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद अपनी साथी अमेरिकी खिलाड़ी हेले बैपटिस्ट को 3-6, 6-0, 6-3 से मात देकर चौथे दौर में प्रवेश किया। यह जीत उनके 77वें ग्रैंड स्लैम मैच की जीत, उनके 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में आई। गॉफ ओपन एरा में 22 साल की उम्र से पहले अपने 100वें महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ मैच में खेलने वाली नौवीं खिलाड़ी हैं। मैरी जो फर्नांडीज, स्टेफी ग्राफ, मार्टिना हिंगिस, गैब्रिएला सबातिनी, अरांशा सांचेज विकारियो, मारिया शारापोवा, सेरेना विलियम्स, वीनस विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुई हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में से केवल वीनस विलियम्स (85) और इगा स्वियाटेक (83) ने अपने पहले 100 ग्रैंड स्लैम मैचों में जीत हासिल की है।